सेंसेक्स	~	81,444.66
निफ्टी	~	24,812.05
सोना	~	1,00,910
चांदी	~	1,11,000
डॉलर	~	86.43

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
गुरुवार 19 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 264
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

अब 15 दिन में वोटर आईडी कार्ड देगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली। अब वोटर लिस्ट में किसी भी अपडेट के 15 दिनों के अंदर लोगों को उनके वोटर आईडी कार्ड दे दिए जाएंगे। चुनाव आयोग ने बुधवार को कहा है कि उसने वोटर आईडी कार्ड देने के लिए नई प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें नए रजिस्ट्रेशन या मौजूदा वोटर के जानकारी में बदलाव शामिल हैं। इसके अलावा वोटर्स को एसएमएस भी मिलेंगे, जिससे उन्हें उनके कार्ड का अपडेट मिलता रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक मतदाताओं को मतदाता फोटो पहचान-पत्र (ईपीआईसी) वितरित करने में एक महीने से थोड़ा ज्यादा समय लगता है। नई प्रणाली इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के ईपीआईसी जनरेट करने से लेकर डाक के जरिए वोटर तक कार्ड देने तक हर लेवल पर ट्रैकिंग करेगी।

ईरान के सुप्रीम लीडर, खुमेनी के दादा भारत के

नईदिल्ली। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के दादा उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के थे। खुमेनी के दादा सैयद अहमद मुसाबी हिंदी का जन्म 1800 में हुआ था। 1830 में वह बाराबंकी से पर्शिया जो अब ईरान कहलाता है वहां पर जाकर बस गए थे। पर्शिया में उन्हें हिंदी के नाम से भी जाना जाता था। वह हिंदुस्तान से गए थे इसलिए उन्हें हिंदी बोला जाने लगा। खुमेनी के दादा ने तीन शादियां की थी। उनके पांच बच्चे थे। खुमेनी के पिता मुस्तफा थे। उनका जन्म ईरान में हुआ था। वर्तमान सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खुमेनी का जन्म भी ईरान में हुआ है। भारत मे उनकी जडें होने के कारण, उनका भारत के साथ हमेशा लगाव ओर सकारात्मक रिश्ता रहा है।

सपा सांसद जियाउर्रहमान वर्क के खिलाफ 1000 पेज की चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली। संभल हिंसा के मामले में आरोपी सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क सहित 23 आरोपियों के खिलाफ जिला

न्यायालय की सांसद-विधायक अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई है। यह चार्जशीट 1000 पेज की बताई जा रही है। मालूम हो कि संभल की विवादित जामा मस्जिद के सर्वे के विरोध में यहां हिंसा भड़की थी। इस हिंसा के मामले में संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान वर्क नामजद आरोपी है। सपा सांसद के अलावा मस्जिद कमेटी के साथ-साथ कई अन्य लोगों पर भी मामला दर्ज किया गया था। जिसमें पुलिस की जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की गई है।

2.4 करोड़ साल पुराने पत्तों का जीवाश्म

तिनसुकिया। असम के माकुम कोलफील्ड में वैज्ञानिकों को 2.4 करोड़ साल पुराने पत्तों के जीवाश्म मिले हैं। यह जीवाश्म पश्चिमी घाट की गीली और घनी वनों में पाए जाने वाले पौधों से मेल खाते हैं। जो जीवाश्म मिले हैं, जांच के बाद इन्हें 2.4 करोड़ साल पुराना बताया गया है। भारत की जैव विविधता के इतिहास में यह एक नया मुकाम साबित हुआ है। लखनऊ स्थित बीरबल साहनी जीवाश्म विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों ने पत्तों के इस जीवाश्म की खोज की है। भारत की जैव विविधता को लेकर यह जीवाश्म एक नया अध्याय रचने जा रहा है।

मोदी की ट्रंप को दो टूक कहा-

सीजफायर से यूएस का कोई लेना देना नहीं, पाक गिड़गिड़ाया था

नई दिल्ली। नया भारत अब अमेरिका से दो टूक बात करने में नहीं हिचकता है। पीएम नेंद्र मोदी और और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच करीब 35 मिनट फोन पर हुई बातचीत में पीएम ने साफ कहा कि भारत की आतंकवाद विरोधी कार्रवाइयों, खासकर ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने यह भी साफ किया कि सैन्य कार्रवाई रोकने की बात भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे हुई, जिसमें अमेरिका की कोई मध्यस्थता नहीं थी।

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर हुई करीब 35 मिनट तक हुई इस बातचीत के बारे में विस्तार से बताया है। मिसरी ने बताया कि जी7 समिट से इतर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात होनी तय थी। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप को जल्दी वापस अमेरिका लौटना पड़ा, जिस कारण यह मुलाकात नहीं हो पाई। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप के आग्रह पर आज दोनों लीडर्स की फोन पर बात हुई। उन्होंने बताया कि यह बातचीत लगभग 35 मिनट चली, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारत-पाकिस्तान तनाव पर विस्तार से चर्चा हुई। विक्रम मिसरी ने बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी को शोक संवेदना प्रकट की थी और आतंकवाद के खिलाफ समर्थन व्यक्त किया था। उसके बाद दोनों लीडर्स की यह पहली बातचीत थी। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तार से बात की। विदेश सचिव ने बताया, 'प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट रूप से कहा कि 22 अप्रैल के बाद भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने का अपना दृढ़ संकल्प पूरी दुनिया को बता दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 6-7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया था। भारत के एक्शन बहुत ही नपे-तुले, सटीक और गैर भड़काऊ थे। साथ ही, भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान की गोली का जवाब भारत गोले से देगा। मिसरी के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत ने न तो कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न करता है और न ही कभी करेगा। इस विषय पर भारत में पूर्ण रूप से राजनैतिक एकमत है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने प्रधानमंत्री की तरफ से विस्तार में बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लडाई के प्रति समर्थन व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत अब आतंकवाद को प्रॉक्सी वॉर नहीं, युद्ध के रूप में ही देखता है और भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।

पीएम ने वैंस से कहा- हम उससे बड़ा जवाब देंगे

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 9 मई की रात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। तब प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें साफ शब्दों में बताया था कि अगर ऐसा होता है, तो भारत पाकिस्तान को उससे भी बड़ा जवाब देगा। मिसरी ने कहा, '9-10 मई की रात को पाकिस्तान के हमले का भारत ने बहुत सशक्त जवाब दिया और पाकिस्तान की सेना को बहुत नुकसान पहुंचाया। उसके मिलिटरी एयरबेसस को बर्बाद कर दिया। भारत के मुहतोड़ जवाब के कारण पाकिस्तान को भारत से सैन्य कारवाई रोकने का आग्रह करना पड़ा। इस बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को साफ तौर से कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी, किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या अमरीका की तरफ से भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कारवाई रोकने की बात सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच, दोनों सेनाओं की मौजूदा चैनल के माध्यम से हुई थी, और पाकिस्तान के ही आग्रह पर हुई थी।

जब ट्रंप ने पूछा- अमेरिका में रुक कर जा सकते हैं क्या?

विक्रम मिसरी ने बताया कि इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा कि क्या वे कनाडा से वापसी में अमेरिका रुक कर जा सकते हैं। हालांकि पूर्व-निर्धारित कार्यक्रमों के कारण प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी असमर्थता व्यक्त की। दोनों लीडर्स ने तब तय किया कि वे जल्द ही मिलने का प्रयास करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने इजरायल-ईरान के बीच चल रहे संघर्ष पर भी चर्चा की। रूस-यूक्रेन युद्ध पर दोनों नेताओं ने सहमति जतायी कि जल्द से जल्द शांति के लिए दोनों पक्षों में सीधी बातचीत आवश्यक है और इसके लिए प्रयास करते रहना चाहिए। वहीं हिंद-प्रशांत क्षेत्र के संबंध में दोनों नेताओ ने अपना नजरिया साझा किया और इस क्षेत्र में क्वाड की अहम भूमिका के प्रति समर्थन जताया। क्वाड की अगली बैठक के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रम्प को भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा कि वे भारत आने के लिए उत्सुक हैं।

भारत आएंगे ट्रंप, क्वाड में शामिल होंगे

क्वाड का अगला सम्मेलन भारत में होना है, ऐसे में पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस बाबत भारत आने का निमंत्रण दिया। ट्रंप ने पीएम मोदी के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए कहा कि वे भारत आने के लिए उत्सुक हैं। इससे पहले इस साल फरवरी में पीएम मोदी ने अमेरिका का दौरा किया था। बतौर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में भी भारत का दौरा किया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में जल्द ही भारत का दौरा करेंगे। भारत यात्रा के दौरान डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे पर कई महत्वपूर्ण बातें होने की संभावना है। क्वाड में भारत के साथ ही अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान जैसे देश शामिल हैं।

मैं 18 साल से जज हूं, लेकिन ऐसा आदेश मैंने कभी नहीं देखा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के निलंबन और गिरफ्तारी के मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर हैरानी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को हतोत्साहित करने वाला' बताया। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस मनमोहन की पीठ बुधवार को मामले में एडीजीपी एचएम जयाराम की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती मिली है, इसमें अधिकारी को निलंबित करने और गिरफ्तार करने के निर्देश मिले थे।

सुनवाई के दौरान जस्टिस भुइयां ने सवाल किया, वे एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हैं। जब अधिकारी जांच में शामिल हो चुके हैं, तब उन्हें निलंबित करने का क्या मतलब है। उन्होंने राज्य सरकार के वकील से कहा कि आदेश बेहद निराशाजनक है और इसतरह के कदम नहीं उठाए जाने चाहिए। इस बीच, शीर्ष अदालत को बताया गया कि संबंधित अधिकारी को 24 घंटे के लिए हिरासत में रखा गया था। इस पर नाराजगी जताकर जस्टिस भुइयां ने कहा कि इसतरह के आदेश वास्तव में चौंकाने वाले हैं। जस्टिस मनमोहन ने भी हैरानी जताकर कहा, मैं 18 साल से जज हूं, लेकिन मुझे कभी यह नहीं पता था कि मेरे पास गिरफ्तारी का निर्देश देने का ऐसा अधिकार है। दरअसल, मामला अपहरण से जुड़ा है, जिसमें तमिलनाडु के एडीजीपी (आर्म्ड पुलिस) जयाराम को मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के बाद गिरफ्तार किया था।

देश को मिला पहला शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्णाला

भारत की बढ़ेगी समुद्री ताकत, यह युद्धपोत आत्मनिर्भरता का प्रतीक -महाराष्ट्र के किले के नाम पर रखा है इसका नाम

विशाखापट्टनम। देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्णाला का बुधवार को कमीशन हुआ। इसे विशाखापट्टनम के नेवी डॉकयार्ड में कमीशन किया गया। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट सीडीएस जनरल अनिल चौहान इस अवसर पर मौजूद थे।

महाराष्ट्र के वसई के ऐतिहासिक अर्णाला किले के नाम पर इस आईएनएस का नाम रखा गया है। यह जहाज हिंद महासागर में नौसेना की दमदार मौजूदगी के लिए डिजाइन किया गया है। जो उथले पानी में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने, ट्रैक और डिएक्टिवेट करेगा। अर्णाला को 8 मई को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था। आज की कमीशनिंग सेरेमनी 16 एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कैटेगरी के जहाजों में से पहले जहाज को भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल करने का प्रतीक रही।

मेसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स कोलकाता और मेसर्स एलएंडटभ् शिपबिल्डर्स के साथ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत डिजाइन किया गया अर्णाला डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर भारत की सफलता का प्रमाण है।

15 जनवरी 2025 को तीन वॉरशिप आईएनएस सूरत (डिस्ट्रॉयर),

आईएनएस नीलगिरि (स्टेल्थ फ्रिगेट) और आईएनएस वाघशीर (सबमरीन) कमीशन किए थे। पीएम मोदी ने कहा था कि इन तीनों अल्ट्रा-मॉर्डन वॉर शिप से नेवी की ताकत और बढ़ी है। 'अर्णाला' नौसेना का पहला पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है, जो आज 18 जून 2025 को विशाखापत्तनम में शामिल हो रहा है। 80 फीसदी स्वदेशी यह जहाज आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है। इसका ऑगर शेल क्रेस्ट और 'अर्णवे शौर्य' नारा समुद्र में साहस दिखाता है। 'अर्णाला' भारत की तटीय रक्षा को मजबूत करेगा और हिंद महासागर में ताकत बढ़ाएगा।

ईडी की 37 जगहों पर छापेमारी

नई दिल्ली। दिल्ली में क्लासरूम निर्माण घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने बुधवार को ठेकेदारों और निजी कंपनियों के 37 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी दिल्ली पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की ओर से दर्ज की गई एफआईआर पर की गई है। एफआईआर में दिल्ली सरकार के तात्कालीन मंत्रियों के खिलाफ भी आरोप हैं। इन पर दिल्ली के अलग-अलग स्कूलों में अतिरिक्त क्लासरूम बनाने के दौरान घोटाले और गड़बड़ी करने का आरोप है।

3000 रुपए में एक साल के लिए फास्टैग

-निजी गाडियां 200 बार टोल क्रॉस कर सकेंगी,15 अगस्त से लागू होगा फास्टैग का नया नियम

नई दिल्ली। सरकार ने घोषणा की है कि अब फास्टैग के लिए सालाना पास का ऑप्शन भी मिलेगा। इसकी कीमत 3,000 रूपए होगी। 15 अगस्त से ये पास मिलने लगेगा। अभी केवल मंथली पास और जरूरत के हिसाब से रिचार्ज की सुविधा मिलती है। सरकार का दावा है कि इससे देशभर के नेशनल हाईवे के टोल पर भीड़ कम होगी और पेमेंट करना भी आसान हो जाएगा। ये पास नॉन कॉमर्शियल प्राइवेट व्हीकल्स जैसे कार, जीप, वैन के लिए है और एक साल तक या 200 ट्रिप्स तक चलेगा।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने फास्टैग के नए नियम का एलान किया है। यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है और यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा। उन्होंने आगे लिखा कि वार्षिक पास को सक्रिय करने, नवीनीकरण के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा एप और एनएचएआई या मोर्थ की वेबसाइट्स पर एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल और सुगम होगी।

टोल भुगतान को सहज बनाने की कवायद

उन्होंने लिखा कि यह नीति 60 किलोमीटर की सीमा के भीतर स्थित टोल प्लाजा के बारे में लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को संबोधित करती है और एक ही सुलभ लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सहज बनाएगी।

तेज, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए प्रतिबद्ध

केंद्रीय मंत्री ने यह भी लिखा कि प्रतीक्षा समय घटाकर, भीड़ कम कर और टोल प्लाजाओं पर विवाद को समाप्त कर, वार्षिक पास नीति लाखों निजी वाहन चालकों के लिए तेज, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए प्रतिबद्ध है।

छतरपुर में दूसरा समलैंगिक विवाह

बुंदेलखंड की युवतियां रच रही हैं इतिहास

छतरपुर । छतरपुर जिले के नौगांव ब्लाक के मऊसहानिया गांव में एक समलैंगिक विवाह का मामला सामने आया है। क्रांति श्रीवास उम्र 21 वर्ष और गायत्री रैकवार उम्र 24 वर्ष ने समलैंगिक शादी की है। बिहारी जी मंदिर के पास यह शादी संपन्न हुई है।

दोनों युवतियों ने अपने शपथ पत्र में कहा है, वह पूर्ण रूप से बालिग और शिक्षित हैं। मानसिक रूप से स्वस्थ हैं। उन्होंने यह निर्णय पूरे होशो हवास और सोच समझ कर लिया है। दोनों ने अपनी मर्जी से विवाह किया है। शपथ पत्र में दोनों युवतियों ने अपने परिवार से संबंध खत्म करने का भी उल्लेख किया है। छतरपुर जिले में यह दूसरी समलैंगिक शादी है। इसके पहले एक शादी दोरिया में दो युवतियों ने की थी। बुंदेलखंड की

युवतियां हमेशा से अपने साहस और शौर्य के कारण सारे भारत में जानी जाती हैं। बुंदेलखंड की युवतियों में अब समलैंगिक शादी की नई हवा बड़ी तेजी के साथ फैल रही है।

हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट को मिली बम की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

हैदराबाद। हैदराबाद के बेगमपेट एयरपोर्ट पर बुधवार को अज्ञात लोगों ने एक मेल भेजकर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी। इसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए हैं। तेलंगाना स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स और अन्य सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस धमकी के बाद एयरपोर्ट के कर्मचारियों और स्टाफ को सावधानी के तौर पर बाहर निकाल दिया गया। सुरक्षा बलों ने स्निफर डॉग्स और बम डिटेक्शन स्क्वॉड की मदद से एयरपोर्ट की जांच की। बम विस्फोट विशेषज्ञ और सुरक्षाकर्मी पूरे एयरपोर्ट का कोना-कोना छाना। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने भी इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम को तैनात कर दिया है। साइबर क्राइम विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। जांचकर्ता धमकी भरे मेल को भेजने वाले लोगों की पहचान करने में जुटा हैं। फिलहाल एयरपोर्ट पर स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन सुरक्षा बलों ने पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह कोई फर्जी मेल भी हो सकता है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से किसी भी लापरवाही से बचा जा रहा है।

मुनीर ने फिर उगला जहर, बोला-

भारत को तोड़कर 1971 की जंग का बदला लेंगे

नई दिल्ली। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर इन दिनों अमेरिका दौरे पर हैं। उन्होंने अमेरिका में रह रहे पाकिस्तानी समुदाय को संबोधित किया। अपने भाषण में मुनीर ने कई मुद्दों पर बात की, लेकिन इस मंच का इस्तेमाल उन्होंने भारत के खिलाफ तीखे बयान देने के लिए भी किया। उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए चार दिन के संघर्ष को पाकिस्तान की जीत बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान कभी 1971 की हार को नहीं भूलेगा और वह समय आने पर इसका जवाब देगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान की सेना भारत की किसी भी कार्रवाई का जवाब देने में सक्षम है। आसिम मुनीर ने कश्मीर को लेकर भी बयान दिया।

पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार ने एक टॉक शो में बताया कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर ने अमेरिका में दिए गए अपने भाषण में कहा कि वे भारत को तोड़कर 1971 की जंग का बदला लेंगे। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ पांच स्तरों पर जंग लड़ी है, जिनमें साइबर वॉरफेयर भी शामिल है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी हैकरों ने भारत के 70फीसदी ग्रिड स्टेशन हैक कर बंद कर दिए थे। साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तानी ड्रोन दिल्ली और गुजरात तक पहुंच गए थे। मुनीर ने कहा कि भारत की ट्रेन व्यवस्था को भी हैक किया गया। हालांकि, इन दावों का कोई सबूत उन्होंने नहीं दिया और भारत की ओर से भी अब तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। आसिम मुनीर ने अमेरिका में दिए गए अपने भाषण में कबूल किया कि भारत के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान को चीन से हथियार और सैन्य उपकरण मिले थे। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान ने इन हथियारों का इस्तेमाल किया कि चीन भी उनकी तैयारी से प्रभावित हुआ। मुनीर ने आतंकवाद के मुद्दे पर अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में सोवियत संघ के हमले के बाद अमेरिका की मदद से पाकिस्तान में 'जेहादी कल्चर' पनपा और यही आगे चलकर कई आतंकी संगठनों की जड़ बना।

जब तक अदालत का फैसला नहीं, तब तक आयकर विभाग का कोई दावा नहीं

जबलपुर । मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जस्टिस संजय द्विवेदी ने एक अहम फैसला दिया है। सतना के किसान श्रवण कुमार पाठक की याचिका पर हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद यह निर्णय दिया है। हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है। पुलिस द्वारा आपराधिक मामले में जप्त की गई चोरी की संपत्ति पर आयकर विभाग का तब तक कोई दावा नहीं हो सकता है। जब तक इस मामले का फैसला कोर्ट से नहीं हो जाता है। सेशन कोर्ट सतना के उस फैसले को भी हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया। जिसमें आवेदक की जप्त संपत्ति को लौटने से कोर्ट ने इनकार किया था।

24 मार्च 2021 को सतना निवासी श्रवण कुमार पाठक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनके घर से 3 करोड रुपए नगद और 4 किलो सोना चोरी हुआ है। पुलिस ने चोरों को गिरफ्तार किया। चोरों के पास से पुलिस ने नगद राशि और सोना जप्त किया।

श्रवण कुमार पाठक ने कोर्ट से चोरी गई संपत्ति को लौटाने की मांग की। इसी बीच आयकर विभाग ने कोर्ट में दावा किया, यह संपत्ति उसे सौंपी जाए। इतनी नगद राशि और इतनी बड़ी मात्रा में सोना रखना और टैक्स नहीं चुकाने से सरकार के राजस्व को नुकसान हुआ है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा, आयकर विभाग संपत्ति पर सीधे कोई दावा नहीं कर सकता है। जब इस मामले का कोर्ट से अंतिम फैसला हो जाएगा। उसके बाद ही आयकर विभाग कोई कार्यवाही कर सकता है। जप्त संपत्ति को आयकर विभाग को नहीं सौंपा जा सकता है।

सन 1994 से कर रहे काम, महज 100 प्रति हैंडपंप के हिसाब से किया जा रहा भुगतान

ट्रायसेम हेण्डपम्प मेकेनिक संघ ने सौपा ज्ञापन, स्थायी कर्मी घोषित करने की लगाई गुहार, मांग पूरी न होने पर आंदोलन के दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। बालाघाट जिले में सन 1994 से हैंडपंप सुधारने का काम कर रहे प्रत्येक हैंडपंप मैकेनिक को सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार 120 हैंडपंप सुधारने का टारगेट दिया गया है जिसके बदले में प्रति हैंडपंप 100 रु के हिसाब से 12000 प्रतिमाह मानदेय का भुगतान किया जाता है। लेकिन रिकॉर्ड दूरस्थ ना होने के चलते जिले में प्रत्येक हैंडपंप मैकेनिक को 200 से 400 हैंडपंप सुधारने पड़ रहे हैं। बावजूद इसके भी उन्हें अतिरिक्त हैंडपंप सुधारने का मानदेय नहीं दिया जा रहा है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सन 1994 से जिले में कार्य कर रहे इन हैंडपंप मैकेनिकों का शासन के पास अब तक कोई रिकॉर्ड भी नहीं है। जिसके चलते अब तक हैंडपंप मैकेनिक को स्थाई कर्मचारी घोषित भी नहीं किया गया है। जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए ट्रायसेम हैंडपंप मैकेनिक संघ ने ,भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जहां सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने जिले में कार्यरत सभी हैंडपंप कर्मचारियों को शासकीय कर्मचारी घोषित किए जाने की मांग की है। तो वहीं उन्होंने जल भवन भोपाल से आए हुए आदेशों के अनुसार जल्द से जल्द सभी मैकेनिकों की संपूर्ण जानकारी और उनके कार्यों का ब्यौरा भोपाल मुख्यालय पहुचाने की गुहार लगाई है। जहां उन्होंने स्थाई किए जाने की इस एक मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए, इस मांग को पूरी करने के लिए शासन को दो माह की मोहलत दी है जहां उन्होंने आगामी दो माह के भीतर मांग पूरी न होने पर काम बंद आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

महज 60 मैकेनिकों के भरोसे चल रहे जिले भर के हैंडपंप

स्थाई कर्मचारी घोषित किए जाने की इस मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में सौंप गए इस ज्ञापन में संघ ने इस बात का उल्लेख किया कि ट्रायसेम हेण्डपम्प मेकेनिक ग्रामीण क्षेत्रो में हेण्डपम्पो के पूर्ण रूप से सुधार कार्य करते है। इसके अलावा कार्य की मासिक प्रगति रिपोर्ट हमारे द्वारा प्रति माह दी जाती है। बालाघाट जिले में प्रत्येक ट्रायसेम मेकेनिको नियमित व कार्यभारित हेण्डपम्प मेकेनिक की तरह मुख्यलाय आंबाटित है। प्रत्येक ट्रायसेम मेकेनिको 150-250 तक हेण्डपम्प सुधार कार्य हेतु सौपे गये है। हेण्डपम्पो से संबंधित सारे कार्य जैसे जियो टेगिग, पलोरिनेशन इत्यादि कार्य हमारे द्वारा सुचारू रूप से किये जाते है। लेकिन बदले में हमें मात्र 12000 हजार रूपये प्राप्त है हमारी मांग कि हमारे द्वारा लम्बे समय से दी जा रही सेवाओ को ध्यान में रखते हुये हमे स्थायी कर्मी घोषित किया जाए।

शासन ने हमारी जानकारी मांगी है,वह भेजी जाए ताकि हमे स्थाई किया जा सके- गोपाल फूलोके

चर्चा के दौरान ट्रायसेम हैंडपंप मैकेनिक संघ जिला अध्यक्ष गोपाल फूलोके ने बताया कि हमारी वर्षों से कई मांगे लंबित है। जो आवेदन निवेदन पर भी पूरी नहीं हो रही है। वर्ष 1994 से हम ग्रामीण अंचलों में हैंडपंप सुधारने का कार्य कर रहे हैं शासन के पत्र अनुसार 120 हैंडपंप सुधारने का कार्य प्रत्येक मैकेनिक को दिया गया है। लेकिन स्थानीय व्यवस्था के अनुसार हमें 200 से 300 हैंडपंप सुधारने पड़ रहे हैं। इसके बाद भी 120 हैंडपंप का 100रु प्रति हैंडपंप के हिसाब से मानदेय का भुगतान किया जा रहा है। वही हमें अब तक स्थाई कर्मचारी भी घोषित नही किया गया है। 200 से 300 हैंडपंप सुधारने के बाद भी हमें 12000 का मानदेय दिया जाता है। हम चाहते हैं की मानदेय में बढ़ोतरी की जाए और सबसे पहले हमें स्थाई कर्मचारी घोषित किया जाए। इसके लिए अभी जल भवन भोपाल से एक आदेश आए हैं जिसमें उन्होंने जिले में हैंडपंप मैकेनिकों की जानकारी मांगी है ताकि लंबे समय से काम कर रहे हैं हैंडपंप मेकेनिको की जानकारी शासन तक पहुंच सके। हमारी मांग है कि जिला स्तर से तत्काल यह जानकारी भोपाल मुख्यालय पहुंचाई जाए ताकि हमारा रिकॉर्ड शासन के पास हो और हमें स्थाई कर्मचारी घोषित किया जाए।

तो दो माह बाद करेंगे बड़ा आंदोलन- मोहारे

भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख राजकुमार मोहारे ने बताया कि हैंडपंप मैकेनिक सन 1994 से काम कर रहे हैं लेकिन आज तक उनका निमित्तिकरण नहीं किया गया है। वर्ष 2023 में मध्य प्रदेश शासन से एक आदेश आया था कि मैकेनिक को प्रति हैंडपंप सुधारने के हिसाब से 100 रु दिए जाएंगे और साथ ही प्रत्येक हैंडपंप मेकेनिक को 120 हैंडपंप सुधारने के लिए दिए गए थे। लेकिन 120 की जगह 200 से 400 हैंडपंप प्रत्येक मैकेनिक को सुधारने पड़ रहे हैं उस हिसाब से इनका मानदेय 25 से 30 हजार रु बनता है लेकिन इन्हें महज 12000 रु का मानदेय दिया जा रहा है। वही सामाजिक सुरक्षा, बीमा ,पेंशन आदि का लाभ भी इन को नहीं मिल रहा है ।उसी को लेकर आज हमने ज्ञापन सौपा है। साथ ही इन मांगों को पूरा करने के लिए शासन प्रशासन को दो माह की मोहल्लत दी है। यदि इन दो माह के भीतर हमारी मांग पूरी नहीं की जाती तो समस्त कर्मचारियों द्वारा हड़ताल कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

खेत की जमीन का विवाद

एक महिला से उसके खेत पड़ोसी व्यक्ति ने बेटों के साथ की मारपीट दी जहां से मारने की धमकी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रहगी खेत में धान बुवाई करने गई एक महिला को उसके खेत पड़ोसी व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिए और उसे जान से मार डालने की धमकी लिए 18 जून को सुबह 9:00 करीब यह घटना जमीन खरीदी बिक्री के विवाद के चलते हुई। मारपीट में घायल महिला रेखा पति तमन दास पनेरिया 45 वर्ष ग्राम रेहगी निवासी का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं मलाजखंड पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर राजेंद्र मेरावी और उसके दोनों पुत्र यदुकिशोर मेरावी और नीतू मेरावी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेखा पनेरिया खेती किसान एवं घरेलू काम करती है 40 वर्ष पहले रेखा पनेरिया के दादा ससुर गांधीदास पनेरिया ने अपने गांव के राजेंद्र मरावी को एक एकड़ जमीन 1900 रुपए में बेचे थे। 2007 में रेखा पनेरियाके दादा ससुर गांधीदास पनेरिया की मृत्यु हो गई । इसके बाद 35 साल बाद गांधी दास पनेरिया के पुत्र रेखा पनेरिया के ससुर मिलन दास पनेरिया ने राजेंद्र मरावी को 12000 रुपए देकर उस जमीन को वापस ले लिए थे। जिसकी लिखा पड़ी भी हुई थी। उसके बाद रेखा पनेरिया और उसके परिवार के लोग उसे जमीन पर खेती कर रहे थे। इस जमीन के लिखा पड़ी के कागजात राजेंद्र मेरावी के पास ही है। 18 जून को सुबह 9:00 बजे रेखा पानेरियों अपने घर से किराए का ट्रैक्टर लेकर ड्राइवर राकेश धुर्वे के साथ अपने खेत को जोतने के लिए गई थी। जिस जमीन पर राजेंद्र मेरावी और रेखा पनेरिया का विवाद चल रहा था उस जमीन को राजेंद्र मेरावी ने पहले से ही जोत लिया था और रेखा पनेरिया के हिस्से की जमीन को भी राजेन्द्र पनेरिया ने जोत लिया था। रेखा पनेरिया जब ट्रैक्टर लेकर खेत गई थी उस समय राजेंद्र मेरावी और उसके दोनों पुत्र यदुकिशोर मेरावी और नीतू मेरावी भी थे। रेखा पनेरिया ने उन्हें बोली कि हमारे खेत की जुताई क्यों की हो तभी राजेंद्र मेरावीने अपने दोनों बेटों के साथ मिलकर रेखा पनेरिया को अश्लील गालियां देते हुए उसे हाथबुक्के से मारपीट किए मारपीट करते समय रेखा पनेरिया के कपड़े फट गए। इसके बाद राजेंद्र मेरावी अपने तीनों बेटों के साथ रेखा पनेरिया को दोबारा इस खेत में आने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। जिसकी बाद रेखा पनेरिया अपने बेटे राजा पनेरिया के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंची। मलाजखंड पुलिस ने मारपीट में घायल रेखा पनेरिया का इलाज मुलाहिजा बिरसा अस्पताल में करवाये और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर प्रधान आरक्षक रामदयाल राहंगडाले ने राजेंद्र मेरावी उसके दोनों बेटे यदु किशोर मेरावी और नीतू मेरावी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में 296 115(2)351(3) 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया है जिसकी विवेचना प्रधान आरक्षक जीत सिंह ठाकुर द्वारा की जा रही है।

कार्यपालिक दंडाधिकारी की उपस्थिति में चारो नक्सलियों के शव का किया गया अंतिम संस्कार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के रूपझर थाना क्षेत्र में आने वाले पचामादादर-कटेझिरिया पहाड़ी जंगल मे 14 जून को प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) संगठन के सक्रिय सशस्त्र नक्सलियों और पुलिस पार्टी के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए तीन महिला सहित चार नक्सली के शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर जिला पुलिस बल

बालाघाट द्वारा कार्यपालिक दंडाधिकारी की उपस्थिति में विधि विधान से चारों शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। 14 जून को मुठभेड़ में मारे गए तीन महिला सहित चारों नक्सलियों के शव को घटना स्थल से शासकीय जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम भेजा गया था। चारों नक्सलियों के शव की शिनाख्ती हेतु उनके परिजनों तथा नक्सलियों के साथ काम किए हुए आत्म समर्पित नक्सलियों को सूचित किया गया था। जो शासकीय अस्पताल बालाघाट पहुंचे। जिन्होंने चारों शव की पहचान जिनमें जी बी आर डिवीजन के मलाजखंड दलम के एससीएम रवि उर्फ बदरा मांड़वी पिता अनदा माड़वी 35 वर्ष ग्राम तोंगगुडा मेड़वाही पोस्ट आरगट्टा थाना दोरनापाल तहसील कोन्टा जिला सुकमा(छ.ग.),एसीएम रीता उर्फ तिब्बी हिडामी पिता सिरगु हिड़ामी 42 वर्ष ग्राम नवेझरी पोस्ट मसेली तहसील कोरची जिला गढ़चिरौली महाराष्ट्र, एसीएम ईमला उर्फ तुलसी, एसीएम सुमन उर्फ अड़में वेको दोनो निवासी ग्राम गंगराज जिला सुकमा (छ.ग.) निवासी के नाम से की गई। शव शिनाख्ती के उपरांत परिजनों एवं आत्म समर्पित नक्सलियों की उपस्थिति में चारों शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों की पैनल द्वारा किया गया। पोस्टमार्टम के उपरांत चारों शव को परिजनों की मंशाअनुसार कार्यपालिक दंडाधिकारी की उपस्थिति में विधि अनुसार से ससम्मान शासकीय स्थल पर कफन दफन की वैधानिक कार्यवाही की गई।

रेत से भरे तीन ट्रैक्टर जप्त- तीनों ट्रैक्टर के चालक गिरफ्तार- मालिक फरार

चंदन नदी से किया जा रहा था अवैध उत्खनन और परिवहन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।खैरलांजी क्षेत्र में रेत माफियाओ द्वारा रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन के चलते खैरलांजी पुलिस ने चंदन नदी घाट से रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन में लिप्त रेत से भरे तीन ट्रैक्टर को जप्त किये और इस मामले में तीनों ट्रैक्टर के चालक को भी गिरफ्तार किये। जबकि ट्रैक्टर मालिक फरार बताए गए हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। खैरलांजी पुलिस के मुताबिक 18 जून को थाना प्रभारी राम सिंह पटेल को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की ग्राम अतरी के पास चंदन नदी घाट पर कुछ व्यक्ति अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर रहे हैं। इस सूचना पर थाना प्रभारी राम सिंह पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल चंदन नदी घाट में घेराबंदी कर रेत से भरे तीन ट्रैक्टर को पकड़े ।पूछताछ करने पर ट्रैक्टर चालको द्वारा परिवहन की जा रही रेत के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। मौके पर ही विधिवत कार्रवाई करते हुए रेत से भरे तीनों ट्रैक्टरों को जप्त किया गया और इस मामले में तीनों ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तीनों ट्रैक्टर चालक दीपेंद्र पिता गणीराम मसराम 25 वर्ष, गणेश पिता शंकर चचाने 25 वर्ष और सावन पिता दिलीप डायरे 40 वर्ष तीनों ग्राम अतरी हेटी थाना खैरलांजी निवासी है। जिनके पास से जप्त किया गया रेत से भरे ट्रैक्टर एमपी 50 ए 7772,एम पी 50 ए ए 2945, एम पी 50 ए 9428 के मालिक राजेश रिनायतऔर दूरदर्शन रिनायत दोनो ग्राम अतरी थाना खैरलांजी निवासी यह बताए गए हैं। दोनों घटना के बाद से फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है।

इस मामले में ट्रैक्टर चालक और मालक के विरुद्ध अपराध क्रमांक 131 / 2025 धारा 303(3) 317(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 और धारा,53(1) मध्य प्रदेश गौण खनिज अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है ।रेत से भरे इन ट्रैक्टरों को पकड़ने में थाना प्रभारी निरीक्षक राम सिंह पटेल, सहायक उप निरीक्षक चंद्रशेखर चौधरी, सहायक उप निरीक्षक सतीश गेडाम, प्रधान आरक्षक रमेश ठाकरे, आरक्षक विष्णु जाट, आरक्षक आकाश अहिरवार, आरक्षक शिवजीत भदोरिया और आरक्षक मगन गौरी की सराहनीय भूमिका रही।

एएनएम भर्ती के लिए दस्तावेज सत्यापन की सूचना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। वर्ष 2023 में आयोजित समूह-5 के अंतर्गत एएनएम,महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता की सीधी भर्ती के संबंध में उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश के परिपालन में यह सूचना जारी की गई है। जो अभ्यर्थी कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित समूह-5 के अंतर्गत एएनएम की सीधी भर्ती के लिए आयोजित संयुक्त परीक्षा उत्तीर्ण की है और जिनका नाम मेरिट सूची में है तथा जिन्हें बालाघाट जिला आवंटित हुआ था। वे सभी अभ्यर्थी अपने दस्तावेजों का सत्यापन कराने के लिए कार्यालय में उपस्थित हो सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित होना होगा। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। नियुक्ति में वरीयता चयन सूची में अभ्यर्थियों की वरीयता के अनुसार ही दी जाएगी। समस्त प्रक्रिया 30 जून 2025 तक पूर्ण की जाएगी।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मैं संतोष कुमार पिता श्री किशन सहजवानी जाति सिंधी आयू ५२ वर्ष निवासी वारासिवनी, जिला बालाघाट मध्यप्रदेश यह घोषणा करता हूँ कि मेरा नाम पहले से संतोष कुमार चला आ रहा है जिसे परिवर्तित कर अब संतोष सहजवानी कर लिया गया है। आज दिनांक १८/०६/२०२५ से मेरा नाम समस्त शासकीय एवं अशासकीय दस्तावेजों में अंकित संतोष कुमार के स्थान पर संतोष सहजवानी के रूप में जाना पहचाना एवं लिखा पढा समझा जायें ।

सूचना कर्ता
संतोष कुमार पिता श्री किशनचंद सहजवानी वारासिवनी

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार म.प्र.ग्रामीण बैंक शाखा खैरलांजी की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार बैंक से श्री सालिकराम सोनवाने पिता श्री ज्ञानीराम सोनवाने जाति लोहार निवासी खैरी तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट के द्वारा ऋण प्राप्त किया जा रहा है। जिसकी प्रतिभूति अपने एकमेव स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि को मेरी पक्षकार बैंक में बंधक रख रहे है जिसका खसरा नं. ५८०/८, रकबा ०.०५७ हें .परिवर्तित भूमि जो मौजा ग्राम खैरी प.ह.नं. ११, रा.नि.मं व तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट में स्थित है जिसकी चर्तुसीमा इस प्रकार है: पूर्व में सालिकराम का मकान, पश्चिम में खुरसीपार रोड़, उत्तर में ग्राम पंचायत रोड़ एवं दक्षिण में युवराज का मकान स्थित है।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है
वारासिवनी
दिनांक.११/०६/२०२५

प्रेषक
मुकेश अग्रवाल
अधिवक्ता वारासिवनी

मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग मंत्रालय ने जारी की स्थानांतरण सूची

14 जनसम्पर्क अधिकारी को किया इधर से उधर

बालाघाट पीआरओ पुष्पेंद्र वास्कले का इंदौर हुआ स्थानातरण, अब पुनः अनिल पटले सम्भालेंगे बालाघाट जनसम्पर्क की कमान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग मंत्रालय ने जनसंपर्क अधिकारियों और सहायक अधिकारियों के स्थानांतरण की सूची जारी की है। मंत्रालय द्वारा जारी की गई इस स्थानांतरण सूची में बालाघाट जनसंपर्क कार्यालय में पिछले डेढ़ वर्ष से अपनी सेवाएं दे रहे सहायक संचालक पुष्पेंद्र वास्कले के नाम का भी समावेश है ।जारी की गई इस स्थानातरण सूची में प्रदेश जनसंपर्क विभाग के अंतर्गत कार्य करने वाले 14 जनसंपर्क अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। स्थानांतरण सूची के मुताबिक बालाघाट जनसंपर्क कार्यालय में सहायक संचालक के पद पर कार्यरत पुष्पेंद्र वास्कले का स्थानांतरण संभागीय जनसंपर्क कार्यालय इंदौर किया गया है। तो वहीं पूर्व में बालाघाट कार्यालय में पीआरओ पद पर अपनी सेवाएं देने वाले व वर्तमान में जिला संपर्क कार्यालय खरगोन में पदस्थ सहायक सूचना अधिकारी अनिल पटले का पुनः जिला संपर्क कार्यालय बालाघाट स्थानांतरण किया गया है। आपको बताएं कि सहायक सूचना अधिकारी अनिल पटले पूर्व में भी दो बार समय-समय पर बालाघाट जनसंपर्क कार्यालय में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

कीटनाशक दवाई के सेवन से नगर के प्राइवेट अस्पताल भर्ती एक व्यक्ति की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।कीटनाशक दवाई का सेवन करने नगर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति इसी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक नंदलाल पिता चमनलाल उइके55 वर्ष ग्राम चतुरटोला किन्ही थाना किरनापुर निवासी है। कोतवाली पुलिस ने इस व्यक्ति का शव जिला अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया है। इसका पोस्टमार्टम 19 जून को किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार नन्दलाल उइके तीन भाई है और तीनों भाई अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। नंदलाल उइके के परिवार में पत्नी और दो लड़के हैं। नंदलाल उइके किडनी की बीमारी से परेशान रहता था। 15 दिन से उसकी तबीयत खराब चल रही थी। 16 जून को नंदलाल उइके को उसके परिवार वालों ने गोंदिया से इलाज करवा कर घर लाए थे। रात्रि में 8:00 बजे नंदलाल ने परिवार के साथ खाना खाया और सो गए थे। तभी नंदलाल ने घर में रखी कीटनाशक 505 का सेवन कर लिया और घर वालों को बताया। नंदलाल को उसके भाई छोटे भाई गेंदलाल उइके ने प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये थी जहां से उसे बेहतर उपचार हेतु नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। 19 जून की शाम को नंदलाल उइके की इस निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई । सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने निजी अस्पताल पहुंचकर मौके की कार्रवाई करने के बाद नंदलाल उइके का शव जिला अस्पताल में सुरक्षित रखवा दी है। जिसका पोस्टमार्टम 19 जून को किया जाएगा।

आवश्यकता है
हैदराबाद में रहने वाले लांजी के परिवार को पूर्णकालिक घरेलू काम और बच्चों की देखभाल के लिए एक महिला की आवश्यकता है।
अवधि - 06 महीने
निःशुल्क आवास/भोजन
आकर्षक वेतन
संपर्क - 8087277467

रक्षिका आत्मरक्षा एवं ग्रीष्मकालीन नि:शुल्क कराटे प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन द्वारा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य के साथ बालिकाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा आत्मनिर्भरता सशक्तिकरण हेतु निशुल्क आत्मरक्षा एवं कराटे प्रशिक्षण दिया जाता है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग खेल अधिकारी कृष्ण कुमार चौरसिया के निर्देशानुसार रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन के तत्वाधान रक्षिका आत्मरक्षा एवं कराटे प्रशिक्षण प्रशिक्षक श्रीमती जयश्री सोनवाने द्वारा 1माह तक आयोजित ग्रीष्मकालीन निशुल्क कराते प्रशिक्षण का आज समापन किया गया ।इस शिविर में लगभग 40 बालक/ बालिकाओं को आत्मरक्षा की विधाएं व कराटे ट्रेनिंग दी गई ।समापन समारोह में रजनी खटीक होमगार्ड कमांडेड ऑफिसर बालाघाट, सुश्री आशु पवार एथलेटिक्स प्रशिक्षक, आर हम्पी वॉलीबॉल संघ, श्री ठाकरे शिक्षक एमएलबी स्कूल, श्रीमती वर्षा परिहार जन अभियान परिषद, आशा नामदेव ,प्रीति पोरगडे, शालू गांधी, अनमोल भिमटे, सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। समापन में बच्चों को सर्टिफिकेट मेडल वितरित किए गए।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

मानदेय ना मिलने की शिकायत करना आशा कार्यकर्ता को पड़ा भारी

बीसीएम बिरसा ने मीटिंग बुलाकर आशा कार्यकर्ता की लगाई क्लास, 3 घंटे खड़ा कर, प्रताडित करने से आशा कार्यकर्ता हुई बेहोश, जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती, आशा कार्यकर्ता संघ ने कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन, बीसीएम को बर्खास्त करने सहित वर्षो से लंबित विभिन्न मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार, मांग पूरी न होने पर काम बंद आंदोलन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी सेवाएं देने वाली आशा कार्यकर्ता सहायिकाओ को पिछले 05 माह से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और जब आशा कार्यकर्ता अपने इसी लंबित भुगतान के लिए बालाघाट पहुंचकर संगठन पदाधिकारी व अधिकारियों से शिकायत करती हैं। तो फिर ब्लाक स्तर के बीसीएम द्वारा उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। एक ऐसा ही मामला बिरसा क्षेत्र में सामने आया है। जहां आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र गुदमा में पदस्थ एक आशा कार्यकर्ता ललती उइके को मानदेय ना मिलने की शिकायत करना इतना महंगा पड़ गया कि बीसीएम बिरसा ने उनकी क्लास लगा दी और उन्हें मीटिंग में बुलाकर करीब 3 घंटे तक खड़ा कर उन्हें प्रताड़ित किया। जिससे आशा कार्यकर्ता वहीं बेहोश होकर गिर गई। जिसे पहले तो बैहर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उसे बालाघाट रिफर किया गया है। जहां उसका उपचार जारी है। ऐसा आरोप लगाते हुए आशा कार्यकर्ता संघ ने बुधवार को भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जहां उन्होंने अपने इस ज्ञापन में संबंधित बीसीएम को तत्काल बर्खास्त से किए जाने की मांग करते हुए वर्षों से लंबित उनकी विभिन्न मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है। जहां उन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर काम बंद हड़ताल किए जाने की भी चेतावनी दी है।

बीसीएम किशोर डेमुरने को किया जाए तत्काल बर्खास्त

कलेक्टर कार्यालय में सौंपे गए इस ज्ञापन के दौरान भारतीय मजदूर संघ और आशा कार्यकर्ता संघ से जुड़े पदाधिकारी ने बताया कि बालाघाट जिले में लगभग 2000 आशा कार्यकर्ता स्कीम वर्कर के रूप में कार्यरत हैं। वे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं लेकिन मानदेय सहित अन्य मामलों में उन्हें तरह-तरह से परेशान व प्रताड़ित किया जा रहा है। उनकी मांगे भी पूरी नहीं की जा रही है उन्होंने बताया कि बिरसा विकासखंड के गुदमा क्षेत्र में पदस्थ आदिवासी महिला आशा कार्यकर्ता ललती उइके को 14 जून को बीपीएम और बीसीएम द्वारा तीन घंटे तक खड़ा कर प्रताड़ित किया गया तथा नौकरी से निकालने की धमकी दी गई। इससे आहत होकर वह मानसिक तनाव में आ गईं और उन्हें गंभीर अवस्था में बैहर से बालाघाट जिला अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।यह घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अमानवीय है। हमारी मांग है कि सबंधित अधिकारी बीसीएम किशोर डेमुरने को तत्काल बर्खास्त किया जाए।

05 माह से नहीं मिला मानदेय घर कैसे चलाएं

ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि आशा कार्यकर्ताओं को जनवरी से मई तक का मानदेय अब तक नहीं मिला है। हर माह किए जा रहे कार्यों की आंशिक राशि ही उनके खातों में जमा की जाती है, जबकि बची हुई राशि का कोई हिसाब नहीं दिया जा रहा है। सहयोगिनीयो द्वारा इस बचत राशि की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाए गए हैं। संघ ने यह भी आरोप लगाया कि हाल ही में सीआरएम टीम के दौरे से पूर्व बिरसा ब्लॉक में आशाओं से 2600 तक की राशि जबरन वसूली गई, जो भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है और जिसकी निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिला स्तर पर कार्यरत चिकित्सकीय अधिकारियों द्वारा आशा कार्यकर्ताओं को शाम 6 बजे के बाद हितग्राहियों के घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाने का दबाव दिया जा रहा है, जबकि इसके लिए न तो कोई भुगतान निर्धारित है और न ही आधिकारिक आदेश।हमारी मांग है कि इस कार्य के लिए स्पष्ट दर तय की जाए, मोबाइल उपकरण दिए जाएं और लिखित आदेश जारी किया जाए।इसके साथ ही सभी कार्यों के लिए समयबद्ध भुगतान, महिला सुरक्षा की दृष्टि से रात्रि विश्राम हेतु आवासीय व्यवस्था, और अधिकारियों द्वारा किया जा रहा अभद्र व्यवहार रोकने की भी मांग की गई है।

ऐसे अधिकारी को तत्काल बर्खास्त करें -अनीता

चर्चा के दौरान आशा कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष अनीता जमुनपाने ने बताया कि हमारी आशा कार्यकर्ताओं की लगातार परेशानियां बढ़ती जा रही है। हम लोग काम कर रहे हैं लेकिन उसके पूर्ण मानदेय का भुगतान नहीं किया जा रहा है। अगर मानदेय न मिलने की शिकायत करो तो संबंधीतो द्वारा प्रताड़ित किया जाता है। हमारी गुदमा की एक आशा कार्यकर्ता ललती उइके ने मानदेय न मिलने की शिकायत की तो बीसीएम द्वारा 14 तारीख को मीटिंग बुलाकर ललती उइके के को प्रताड़ित किया गया,उन्हें 3 घंटा खड़े रखा गया, काम से निकालने की धमकी दी गई। जिससे उनकी तबीयत खराब हो गई। 14 तारीख के बाद से वह जिला अस्पताल में भर्ती हैं। हमारी मांग है कि बीसीएम को तत्काल पद से बर्खास्त किया जाए, वरना हम आशा कार्यकर्ता काम नहीं करेंगी।

तो काम बंद आंदोलन किया जाएगा- मोहारे

भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख राजकुमार मोहरे ने बताया कि 14 जून को स्वास्थ्य विभाग बिरसा में पदस्थ बीसीएम ने अपने कार्यालय में बुलाकर एक आशा कार्यकर्ता को 3 घंटे खड़ा रखा,उन्हें प्रताड़ित किया गया, काम से निकालने की धमकी दी गई जिससे चक्कर खाकर आशा कार्यकर्ता वहीं गिर गई। जिन्हें पहले बैहर फिर बाद में जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है। अभी भी कार्यकर्ता जिला अस्पताल में भर्ती है। हमने बीसीएम की थाने व जिला अधिकारी से शिकायत करके मांग की है कि ऐसे अधिकारी को तत्काल बर्खास्त किया जाए इसके अलावा आशा कार्यकर्ताओं से जुड़ी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा गया है। यदि जल्द से जल्द हमारी मांग पूरी नहीं होती तो भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले काम बंद कर आंदोलन किया जाएगा।

नगर पालिका के आठ उपयंत्री में से सात का हुआ स्थानांतरण

स्वच्छता प्रभारी सूर्य प्रकाश उइके बनाए गए ,वारासिवनी नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । इन दिनों ट्रांसफर नीति के तहत जिले के कई अधिकारी, कर्मचारी का स्थानांतरण हो रहा है । जिले के बाहर से भी अधिकारी जिले में आ रहे हैं। इसी प्रकार बालाघाट नगर पालिका के आठ उपयंत्री में से सात उपयंत्री ने यहाँ से अपना स्वयं से स्थानांतरण ले लिया है। कुछ उपयंत्री प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत बालाघाट नगर पालिका से जा चुके हैं। कुछ अधिकारी और कर्मचारी ऐसे भी हैं जिन्होंने यहां से अपना स्थानांतरण ले लिया है , किंतु अभी पूरी नगर पालिका में एक ही उपयंत्री अपनी सेवाएं दे रही है। कोई भी उपयंत्री अभी तक बालाघाट नगर पालिका में नहीं आया है। जबकि स्वास्थ्य शाखा के स्वास्थ्य प्रभारी सूर्य प्रकाश उइके का स्थानांतरण के साथ-साथ प्रमोशन होकर वह बालाघाट नगर पालिका से वारासिवनी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी बनाए गए हैं। कुछ शाखाओं के भी अधिकारी का स्थानांतरण नगर पालिका से हो गया है। आपको बता दे की बीते कुछ दिनों से नगर पालिका के कुछ अधिकारी , कर्मचारी बालाघाट नगर पालिका से जाना चाह रहे थे। जिन्होंने स्वयं के वेय पर यहां से स्थानांतरण ले कर जा भी चुके हैं। बालाघाट नगर पालिका के आठ उपयंत्री में से सात उपयंत्री ने यहां से प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत स्थानांतरण लेकर जा चुके हैं। जिसमें सहायक उपयंत्री रूप में बीते कुछ वर्ष पहले आये सत्यम जाट भी यहां से स्थानांतरित होकर नरसिंहपुर चले गए हैं। उपयंत्री स्वप्निल जैन भी स्थानांतरित होकर जबलपुर, उपयंत्री अंशिका चौहान यहां से स्थानांतरित होकर वारासिवनी नगर पालिका में गई है, उपयंत्री प्रीति घरते का भी स्थानांतरण बालाघाट नगर पालिका से हो गया है, उपयंत्री दीपक बिसेन भी प्रमोशन लेकर उज्जैन जा चुके हैं। उपयंत्री शील भालेवार भी यहां से स्थानांतरित हो चुकी है। बालाघाट नगर पालिका में लंबे समय से स्वास्थ्य शाखा में कार्य करने वाले सूर्य प्रकाश उइके बालाघाट नगर पालिका से स्थानांतरण के साथ-साथ प्रमोशन होकर वारासिवनी नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी बनाए गए हैं। सूर्य प्रकाश उइके लंबे समय से बालाघाट नगर पालिका में अपनी सेवाएं दे रहे थे। वहीं जिस संख्या में यहां से अधिकारियों का स्थानांतरण हुआ है , किंतु अभी नगर पालिका बालाघाट में इतने उपयंत्री नहीं पहुंचे हैं , अभी बालाघाट नगर पालिका में महज एक ही उपयंत्री ज्योति मेश्राम है। अब देखना होगा कि इतनी बड़ी संख्या में गए उपयंत्री कब तक बालाघाट नगर पालिका में आते हैं।

समाज से बहिष्कृत कर धमकी देने का आरोप : बिरसा थाने के ग्राम झांगुल का मामला

डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । पिछले 1 साल से समाज से बहिष्कृत होने का दंश झेल रहे व्यक्ति ने समाज के लोगों के द्वारा मारने पीटने की दी जा रही धमकी से परेशान होकर बिरसा थाना में की गई रिपोर्ट पर ग्राम झांगुल के डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों के विरुद्ध समाज से बहिष्कृत कर मारने पीटने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। बिरसा पुलिस थाना में यह रिपोर्ट देवीलाल पिता मल्लेश पांचे 42 वर्ष ग्राम झांगुल निवासी द्वारा की गई थी। इस मामले की विवेचना सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी डी एस धुर्वे द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवीलाल पांचे ग्राम झांगुल निवासी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं और वे हार्डवेयर का भी धंधा करते हैं। पिछले वर्ष 10 मार्च को देवीलाल पांचे की बेटी की शादी थी। देवीलाल पांचे ने अपनी बेटी की शादी में गांव के सभी समाज के लोगों को निमंत्रण दिया था। शादी में अनुसूचित जाति के समाज के लोग भी आए थे। इसी को लेकर देवीलाल पांचे को उसके गांव के ही समाज के लोंगो ने अश्लील गालियां देते हुए बोले कि तूने अनुसूचित जाति के समाज के लोगों को बुलाया है इसलिए हम तुम्हारे घर में नहीं बैठते और देवीलाल पांचे को उसके समाज के लोगों ने जान से मारने की धमकी भी दिए थे। 11 अप्रैल 2025 को गांव के लक्ष्मण मेश्राम की मां पार्वती बाई मेश्राम की मृत्यु हुई थी। तब देवीलाल पांचे ने कंधा दिया था। तब भी देवीलाल पांचे को उसके समाज के लोगों ने बोले कि तुमने अनुसूचित जाति समाज में जाकर कंधा दिए हो। तुम नाई धोबी और बाल मुंडन कराकर पवित्र होकर ही हमारे समाज में रहोगे। यह बोलकर देवीलाल को उसके समाज के लोंगो ने समाज से बहिष्कृत कर दिए और उसे सामाजिक ग्राम अध्यक्ष पद से हटा दिए। यहां तक की देवीलाल पांचे को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य के मरार समाज के 53 गांव की मीटिंग लेकर जाति से ही बहिष्कार भी कर दिए। नाई समाज के राजेश श्रीवास निवासी ग्राम झांगुल और मुरारी श्रीवास निवासी ग्राम कनिया जो ग्राम झांगुल में सेलून का काम करते। जिन्होंने देवीलाल को जाति से बाहर कर दिए हैं बोलकर कटिंग करने से इंकार कर दिए। आदिवासी समाज के लोग भी देवीलाल पांचे को सामाजिक कार्यक्रमो में नहीं बुलाते थे। 28 में 2025 को ग्राम झांगुल की पूर्व सरपंच श्रीमती रेवती उइके के नाती के बारसा कार्यक्रम में देवीलाल पांचे तथा सुरेंद्र मेश्राम, लक्ष्मण मेश्राम, दिनेश घरड़े, अनीता मेश्राम, धनाबाई डोंगरे, पंचशील मेश्राम, कमलाबाई मेश्राम व अन्य लोग गए थे। तब आदिवासी समाज के कुछ लोगों ने वहा पर खाना नहीं खाए और कार्यक्रम छोड़कर वहा से चले गए। कुछ दिन बाद देवीलाल पांचे को पता चला कि मेरे और अनुसूचित जाति के समाज के लोगों के द्वारा रेवती उइके के घर बारसा के कार्यक्रम में जाने से रेवती उइके, अधीन उइके और परभु मरकाम को सामाजिक रूप से दंडित किया गया था। गांव में अनुसूचित जाति समाज की जमीन को जो ठेके में लेते थे, ठेके की जमीन को खेती करने के लिए आदिवासी समाज और मरार समाज के लोगों ने मना कर दिए। पिछले 1 साल से समाज से बहिष्कार होने का दंश झेल रहे देवीलाल ने काफी सोच विचार करने के बाद तोषेन कावरे, सुरेंद्र मेश्राम, राजेंद्र मेश्राम, बसंता बाई, कमला मेश्राम, रवि मेश्राम, लक्ष्मण मेश्राम, चिंताराम मेश्राम, हस्तकला मेश्राम, रेखा मेश्राम, घनश्याम मेश्राम, सुखराजी मेश्राम, सुनीता डोंगरे, बंसीलाल मेश्राम, उमेंद्र मेश्राम, पंचशीला मेश्राम,सविता मेश्राम के साथ बिरसा पुलिस थाना पहुंचकर रिपोर्ट की थी। बिरसा पुलिस थाने में देवीलाल पांचे द्वारा की गई रिपोर्ट पर प्रेमलाल सोनकुतरे, बाबूलाल पांचे,गम्भीर पांचे,रामलाल दादरे,धरमु लाल पांचे,बैसाखू पांचे,गणेश पँचतिलक, महंतू पँचतिलक, जालम मानेश्वर, अर्जुन कावरे,अघन लाल पांचे, सरवन पांचे, मोहन बाहे सभी निवासी ग्राम झांगुल -लखन लाल पंचवे ग्राम परसाही,मुन्ना कावरे ग्राम कनिया,शोभा हरदे ग्राम डोंगरिया,भुवन बिसेन ग्राम बहेरा भाटा, पतिराम पांजरे ग्राम जमुनिया, राजेश श्रीवास ग्राम झांगुल, मुरारी श्रीवास ग्राम कनिया, निवासी के विरुद्ध धारा 296,351(3),3(5) धारा 17 अश्पृश्यता अधिनियम 1955 के तहत अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की गई है।

विश्व सिकलसेल जन जागरूकता दिवस आज

कुंडली मिलाने के साथ साथ मिलाए मेडिकल जांच रिपोर्ट? साढे तीन लाख लोगो की जांच में ,1666 लोग आए पॉजीटिव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।सिकलसेल रोग के बारे में लोगों की जानकारी देने, बीमारी के प्रति लोगो की समझ बढ़ाने ,रोगियों और उनके परिवार की देखभाल करने, और सिकल सेल के प्रति लोगों को जागरुक कर ,तेजी से पांव पसार रही इस बीमारी की रोकथाम के लिए केवल भारत देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में 19 जून को विश्व सिकल सेल जागरूकता दिवस मनाया जाता है। जो प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मनाया जाएगा। लेकिन बालाघाट जिले में और खासतौर पर आदिवासी अंचलों में सिकल सेल के बढ़ते मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। जहां जन जागरूकता की कमी के चलते लोग इस बीमारी को हल्के में ले रहे हैं और बिना मेडिकल टेस्ट के ही पॉजिटिव व्यक्ति से शादी करके इस बीमारी को और अधिक बढ़ा रहे हैं। शायद यही वजह है कि लगातार बढ़ते जा रहे इन आंकड़ों को देखते हुए अब स्वास्थ विभाग द्वारा भी शादी करने के पूर्व कुंडली मिलाने के साथ-साथ सिकल सेल की मेडिकल रिपोर्ट भी मिलाने की बात कही जा रही है। ताकि सिकलसेल के इन आकड़ो को कम किया जा सके।

साढ़े 3 लाख लोगों की जांच में मिले 1666 पाजेटिव

जिले में सिकलसेल के बढ़ते मामलों का पता लगाने व उसकी रोकथाम के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग सिकलसेल रोगियों को चिन्हित करने अभियान चला रहा है। 2023 से शुरू किए गए अभियान के तहत अब तक साढ़े 3 लाख व्यक्तियों की जांच की जा चुकी है। इनमें 1666 पाजेटिव रोगी सामने आए हैं। जबकि 956 का वैक्सीनेशन किया गया है।

क्या है सिकलसेल रोग

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिकल सेल रोग एक वंशानुगत रक्त विकार है। जिसमें लाल रक्त कोशिकाएं असामान्य हो जाती हैं और जल्दी मर जाती है। सिकल सेल रोग में लाल रक्त कोशिकाएं सख्त और चिपचिपी हो जाती हैं और अक्षर सी के आकार की बन जाती है। ये कोशिकाएं रक्त वाहिकाओं में आसानी से नहीं जा पातीं और छोटी रक्त वाहिकाओं में फंस जाती है। इससे रक्त प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है और शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन और रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है या बंद हो जाता है। सिकल सेल रोग से पीड़ित लोगों में एनीमिया हो सकता है। एनीमिया तब होता है, जब शरीर में ऑक्सीजन ले जाने के लिए पर्याप्त स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं नहीं होती।

इन इलाकों से अधिक मरीज

स्वास्थ विभाग के अनुसार जिले में सिकलसेल के रोगी सार्वाधिक आदिवासी बाहूल्य वन क्षेत्रों से सामने आ रहे हैं। इनमें जिले के बैहर, बिरसा और परसवाड़ा तहसील क्षेत्र के अलावा लामता और लांजी क्षेत्र के कुछ क्षेत्रों से सिकलसेल रोगी सामने आ रहे हैं। इसके अलावा अन्य क्षेत्र में भी मरीज मिल रहे है।

इसलिए परीक्षण अनिवार्य

चिकित्सकों के अनुसार सिकल सेल रोग और सिकल सेल लक्षण आमतौर पर जन्म के समय नियमित नवजात स्क्रीनिंग परीक्षणों के दौरान रक्त परीक्षण से पता चलता है। एक दूसरा रक्त परीक्षण जिसे हीमोग्लोबिन इलेक्ट्रोफोरेसिस कहा जाता है, निदान की पुष्टि करता है। सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित लोगों में लाल रक्त कोशिकाएं अर्धचन्द्राकार के आकार की हो जाती हैं। समय पर जांच करने से इस बीमारी का पता किया जा सकता है।जिसका पता लगाने पर उपचार किया जा सकता।

आजीवन बीमारी, उपचार संभव

चिकित्सकों के अनुसार सिकलसेल रोग एक आजीवन बीमारी है। हालांकि इसका इलाज उपलब्ध है, लेकिन स्टेम सेल प्रत्यारोपण हमेशा उपलब्ध नहीं होते और कई जोखिम लेकर आते हैं। हालांकि, जल्दी निदान और उपचार आपके लक्षणों और जटिलताओं की संभावनाओं को कम करने में मदद कर सकता है। निरंतर देखभाल के साथ, आप एक पूर्ण सक्रिय जीवन जिया जा सकता है।

शादी के पूर्व मेडिकल जांच जरूर कराए - उपलव

विश्व सिकल सेल दिवस को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलव के ने बताया कि वंशानुगत होने वाली इस बीमारी को लेकर सभी को जागरूक होना होगा। खासकर विवाह के समय वर - वधु की कुडली मिलान भले न करें। लेकिन सिकल सेल जांच रिपोर्ट का मिलान अवश्यक कराना चाहिए।ताकि आने वाली पीढ़ी को इस बीमारी से बचाया जा सके।

प्राकृतिक आपदा से हुई मृत्यु पर आर्थिक सहायता स्वीकृत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एसडीएम कटंगी श्री केसी ठाकुर ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा अंतर्गत आकस्मिक रूप से हुई मृत्यु पर आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। 20 अप्रैल 2025 को तिरोड़ी तहसील के ग्राम महकेपार निवासी गेंदलाल की कुँए के पानी मे डूबने से मृत्यु हो गई थी। जिसके उपरांत मृतक की पत्नि श्रीमती पारबता को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी तरह 2 मई 2025 को अश्विन चचाने की तिरोड़ी तहसील के नाले के पानी में डूबने से मृत्यु हो गयी थीं जिसके उपरांत मृतक के पिता अशोक चचाने को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गयी है। इसी तरह 13 मार्च 2025 को महेश सौलेख की बालाघाट जिले के नैतरा कुएँ के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थीं जिसके उपरांत मृतक की पत्नी दिनेश्वरी सौलखे को 4 लाख की राशि स्वीकृत की गयी है।

देख कर थूकने का विवाद

एक व्यक्ति ने महिला से की मारपीट तो महिला के बेटे ने इस व्यक्ति की उभारी से कर दी पिटाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कटोरी के साई टोला में थूकने के विवाद को लेकर एक व्यक्ति ने एक महिला से जहां मारपीट की वही इस महिला के बेटे ने इस व्यक्ति को बैलगाड़ी की उभारी से मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट करने के बाद दोनों पक्ष खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचे। खैरलांजी पुलिस ने मीना बाई पति गणेश सोनवाने 50 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर काशीराम पिता बुधराम मेश्राम 50 वर्ष के विरूद्ध और इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर मीना बाई सोनवाने के बेटे घनश्याम पिता गणेश सोनवाने 31 वर्ष के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मीना बाई खेती मजदूरी करती है। 17 जून को 12:00 बजे मीना बाई गांव में अपने नए घर से पुराने घर की तरफ जा रही थी। तभी काशीराम मेश्राम के घर के सामने ही पहुंची थी। तभी काशीराम मेश्राम घर के बाहर आया और मीना बाई को बोला कि तूने मेरे को देखकर क्यों थूकी, मीना बाई ने उसे बोली कि मैंने खर्रा खाई हूं इसलिए थूक दी थी। तुझे देखकर नहीं थूकी। इसी बात पर से काशीराम ने मीना बाई को गंदी गंदी गालियां देने लगा। मीना बाई ने उसे गाली देने से मना की तो काशीराम ने मीना बाई के साथ धक्का मुक्की करने लगा और उसे दोबारा देख कर थूकने पर जान से मार डालने की धमकी दी। इसके बाद मीना बाई अपने घर पहुंची और इस घटना के संबंध में अपने लड़के घनश्याम सोनवाने को बताई। दोपहर 3:00 बजे करीब जब काशीराम सोनवाने गजेंद्र उइके के साथ तालाब से मछली मारकर घर वापस आ रहे थे तभी तालाब के पास रास्ते में घनश्याम सोनवाने मिला और उसने काशीराम से बोला कि तूने मेरी मम्मी के साथ लड़ाई झगड़ा कैसे किया। तब काशीराम ने उसे बोला कि जब तुम्हारी मां मीना बाई मुझे देखती है तो थूकने लगती है उसको पूछा था कि मुझे देखकर क्यों क्यो थूकती है। तभी घनश्याम सोनवाने ने काशीराम मेश्राम को गालियां देते हुए पास में खड़ी बैलगाड़ी से उभारी निकाल कर मारपीट कर दिया। और मां को कुछ बोलने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। घनश्याम सोनवाने द्वारा की गई मारपीट में काशीराम मेश्राम के हाथ सर और आंख की भो में चोंटे आई। इस घटना के बाद दोनों पक्ष रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचे। प्रधान आरक्षक नवनीत कुमरे ने मीनाबाई पति गणेश सोनवाने 50 वर्ष ग्राम साई टोला कटोरी द्वारा की गई रिपोर्ट पर काशीराम पिता बुधराम मेश्राम 50 वर्ष के विरुद्ध और इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर मीना बाई सोनवाने के बेटे घनश्याम पिता गणेश सोनवाने 31 वर्ष के विरुद्ध धारा 296, 115(2),351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किये।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर मोहनपुर में स्वास्थ्य केंद्र में अनुपस्थिति के लिए कारण बताओ नोटिस जारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मप्र द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई है। आदिवासी बाहुल्य विकासखंड परसवाड़ा के उप स्वास्थ्य केंद्र मोहनपुर में पदस्थ एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता को मुख्यालय में निवास नहीं करने और कर्तव्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। 7 जून 2025 को अधोहस्ताक्षरकर्ता एवं दल द्वारा आकस्मिक निरीक्षण में पाया गया कि स्वास्थ्य केंद्र में ताला लगा हुआ था और स्वास्थ्य कार्यकर्ता मोहनपुर में निवास नहीं कर रही थी। इससे स्पष्ट है कि वह अपने कर्तव्य से गंभीर लापरवाही बरत रही है। इसके पूर्व भी इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया जा चुका है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता की 7 जून 2025 की संविदा सेवा अवैतनिक की जाती है और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही संस्थित करने के लिए स्पष्टीकरण पत्र मांगा गया है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता को अपना स्पष्टीकरण पत्र प्राप्ति के 3 दिवस के अंदर प्रस्तुत करना होगा और पदस्थापना स्थान मोहनपुर में

कुपोषित बच्चों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

स्वास्थ्य जांच शिविर में 60 कुपोषित बच्चों की जांच कर गंभीर बच्चों को एनआरसी केन्द्र में करवाया गया भर्ती

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में महिला एवं बाल विकास विभाग व स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 18 जून को सेम/मेम कुपोषण (कुपोषित) बच्चों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, बीएमओं डॉ. ऋत्विक पटेल, महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में चिकित्सक डॉ. मुकेश चौहान एवं अन्य चिकित्सकों के द्वारा लालबर्रा क्षेत्र के कुपोषित ब%चों के स्वास्थ्य की जांच की गई है और जांच के दौरान जो बच्चें गंभीर कुपोषित पाये गये उनके अभिभावकों को ऐसे बच्चों का बेहतर उपचार के लिए एनआरसी केन्द्र बालाघाट में भर्ती करवाने कहा गया। जिसमें करीब 35 गंभीर कुपोषित बच्चों को पुर्नावास केन्द्र बालाघाट (एनआरसी) में भर्ती किया जायेगा जहां बच्चों का 15 दिवस तक उपचार के साथ ही उनके खान-पान पर चिकित्सक विशेष ध्यान देगें। साथ ही उनकी माताओं को 15 दिवस तक अपने बच्चों के साथ एनआरसी केन्द्र में रहने पर उसका मानदेय भी दिया जायेगा। साथ ही कुपोषित ब%चों के माताओं को महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देकर किस तरह से लाभ लेना है, बच्चों की देख-भाल कैसे करे, उनके खान-पान एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के बारे में उन्हे विस्तार से बताया गया। वहीं लालबर्रा क्षेत्र में 60 बच्चें कुपोषित है जिसमें गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या करीब 35 है जिन्हे पुर्नावास केन्द्र बालाघाट में भर्ती कर उपचार करवाने कहा गया है। साथ ही शिविर के माध्यम गंभीर कुपोषित बच्चों को पुर्नावास केन्द्र में भर्ती करवाया गया। साथ ही बच्चों को पोषण आहार कीट का भी वितरण किया गया और उसे कैसे खिलाना है उसके बारे में भी उनकी माताओं को बताया गया ताकि बच्चे जल्द स्वस्थ हो सके। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी श्रीमती रानु शिवहरे एवं पर्यवेक्षकों ने अपनी मांग विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के समक्ष रखते हुए कहा कि हमारा कार्यालय विगत वर्षों से किराये के भवन में संचालित हो रहा है। जिसके कारण हमें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए शासकीय भवन का निर्माण करवाने एवं लालबर्रा में एनआरसी केन्द्र खोलने व भवन निर्माण करवाने की मांग की है। जिस पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने उन्हे आश्वास्त किया है कि विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर कार्यालय का नवीन भवन का निर्माण एवं एनआरसी केन्द्र खुलवाने का प्रयास करने की बात कही है। वहीं पांढरवानी सरपंच ने कहा कि विधायक अनुभा मुंजारे के प्रयास से लालबर्रा अस्पताल में 50 बिस्तर का अस्पताल स्वीकृत हुआ है जिसके निर्माण के लिए 9.50 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत हो चुकी है। उक्त राशि से सर्वसुविधायुक्त अस्पताल का जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। वहीं कार्यक्रम को अन्य उपस्थितजनों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं महिला व बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीयजन उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त बनाने की दिलवाई गई शपथ

कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न होने के बाद उपस्थितजनों को टीबी की बीमारी किस कारण से होती है उसके बारे में जानकारी दी गई। साथ ही लंबे समय तक खांसी आने पर उसकी जांच करवाने एवं जिन्हे टीबी बीमारी है वह नियमित रूप से उपचार व दवाई का सेवन कर जल्द स्वस्थ हो सकता है उसके बारे में चिकित्सकों के द्वारा बताया गया। जिसके बाद विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने सभी को टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत देश को टीबी मुक्त बनाने की शपथ दिलवाई तत्पश्चात टीबी बीमारी से पीड़ित मरीजों को स्वास्थ्य विभाग व मायल भरवेली के सहयोग से उन्हे पोषण कीट का वितरण किया गया।

भवन निर्माण एवं पुर्नावास केन्द्र खुलवाने का किया जायेगा प्रयास - अनुभा

विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि विशेष बच्चे जो कुपोषण का शिकार होते हैं एवं कुपोषण के कारण जिनकी शारीरिक वृध्दि नहीं हो पाती है उन्हें चिन्हित करने के लिए शिविर आयोजित किया गया था। जिसमें 77 ग्राम पंचायत से बड़ी संख्या में माता पिता अपने ब'चों को लेकर पहुंचे थे, जिनका स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हे पोषण कीट प्रदान की गई है। ताकि वे स्वस्थ हो सके और महिला व बाल विकास विभाग के द्वारा एक सकारात्मक पहल की गई है। हम चाहते है बच्चें स्वस्थ, मस्त रहे। श्रीमती मुंजारे ने बताया कि महिला व बाल विकास विभाग का भवन निर्माण के लिए ज्ञापन सौंपा गया है और विगत वर्षों से कार्यालय किराये के भवन में संचालित हो रहा है यह एक सोचनीय विषय है और बहुत दुखद बात है कि महिला व बाल विकास विभाग का स्वयं का भवन नही है। यह सरकार के लिए बेहद शर्मनाक बात है कि अब तक भवन का निर्माण नही करवाया गया है। मेरे द्वारा नवीन भवन का निर्माण करवाने एवं लालबर्रा में कुपोषित बच्चों के उपचार के लिए पुर्नावास केन्द्र खुलवाने का प्रयास किया जायेगा।

खबर प्रकाशन के बाद खराब विद्युत केबल को बदलकर लगाया गया नया केबल

केबल बदल देने से अब विद्युत की समस्या से मिली निजात, अधिक क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाने की उठी मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित पेट्रोल पंप के समीप स्थित ट्रांसफार्मर में बार-बार तकनीकी खराबी आने एवं केबल जलने से ग्राम में बिजली की समस्या बनी हुई थी। जिससे ग्रामीणजन खासा परेशान थे जिनकी समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद विद्युत विभाग के द्वारा ग्रामीणजनों की समस्या को देखते हुए खराब केबल को बदलकर नया केबल लगाने का कार्य कर दिया है। जिससे अब बिजली की लो-वोल्टेज व बार-बार बिजली गुल होने की समस्या दूर हो चुकी है। लेकिन ट्रांसफार्मर में बार-बार खराबी आने की समस्या को देखते हुए ग्रामीणजनों के द्वारा विद्युत विभाग से बार-बार खराब हो रहे ट्रांसफार्मर को बदलकर 200 वॉट से अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। अधिक क्षमता का ट्रांसफार्मर लग जाने से जो लंबे समय से लो-वोल्टेज एवं बिजली गुल होने की समस्या से ग्रामीणजन परेशान रहते है उसे निजात मिल जायेगी। आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत मानपुर स्थित बालाघाट रोड़ स्थित पेट्रोलपंप के समीप विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है जिससे ग्रामीणजनों के घरों में बिजली कनेक्शन गया है। लेकिन इसी ट्रांसफार्मर से व्यवसाय कनेक्शन को भी जोड़ दिया गया है। जिसके कारण ट्रांसफार्मर में लोड़ अधिक होने से वह बार-बार खराब हो जाता है एवं केबल भी जल जाते है जिससे विगत माह से ग्राम मानपुर में बिजली की समस्या बनी हुई थी। वहीं तीन से चार दिन पूर्व शाम के शाम आंधी-तूफान व बारिश होने पर ट्रांसफार्मर का केबल जल गया था, जिसके चलते रातभर बिजली गुल थी जिससे ग्रामीणजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ा था और ग्रामीणों ने बिजली विभाग के प्रति नाराजगी व्यक्त की थी। वहीं बिजली की समस्या को लेकर समाचार प्रकाशित भी किया गया था। जिसके बाद विद्युत विभाग के अधिकारी हरकत में आये और खराब हो रहे केबल को बदलकर नया केबल लगा दिये है। जिससे बिजली गुल होने की समस्या दुर हो चुकी है। लेकिन ट्रांसफार्मर में लोड़ अधिक होने के कारण ट्रांसफार्मर में खराबी आने की संभावना बनी हुई है इसलिए ग्रामीणजनों ने विद्युत विभाग से पुराने ट्रांसफार्मर को बदलनकर अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है।

विधायक अनुभा मुंजारे के हस्ते तीन ठंडे पानी की मशीनों का हुआ शुभारंभ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी में तीन स्थानों पर 18 जून को ठंडे पानी की तीन मशीनों का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, शांतिलाल भंसाली (समाजसेवी, लोकतंत्र सेनानी) की अध्यक्षता, श्रीमती मुनिजा इंकबाल खान (लालबर्रा) के प्रमुख आतिथ्य एवं सोहन वैद्य समाजसेवी बालाघाट, अभय सेठिया समाजसेवी बालाघाट, अजय लूनिया समाजसेवी बालाघाट, निर्मल कल्लू सोनी (विधायक प्रतिनिधि), समाजसेवी, शैलेष केकती (विधायक प्रतिनिधि), मंजय भंसाली, समाजसेवी, नितिन साखला के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। जिसमें लालबर्रा बस स्टैण्ड में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा विधायक निधि से, मो. इंकबाल सॉ मिल के सामने स्व. मो. इकबाल खान व स्व. मो. अकील खान की स्मृति में अनीस खान सरपंच पांढरवानी के सौजन्य एवं चांदनी चौक बाजार में स्व. कमला देवी व स्व. सेठ गोकुलचंद भंसाली की स्मृति में श्री शांतिलाल भंसाली जी (लोकतंत्र सेनानी) के सौजन्य से प्रदान की गई ठंडे पानी की मशीन का विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना करने के पश्चात रिबिन काटकर ठंडे पानी की तीन मशीनों का शुभारंभ किया गया। इस तरह से नगर मुख्यालय में तीन स्थानों पर ठंडे पानी की मशीने आमजनों के लिए सार्वजनिक रूप से खोल दी गई है। अब वे इन मशीनों से ठंडा पानी लेकर अपनी प्यास आसानी बुझा सकेगें और उन्हे ठंडे पानी के लिए परेशान नही होना पड़ेगा। आपकों बता दें कि नगर मुख्यालय में ठंडे पानी की मशीन नहीं होने के कारण आमजनों व ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को गर्मी के दिनों में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता था और पानी के लिये भटकना पड़ता था। साथ ही ठंडे पानी की मशीन नहीं होने के कारण उन्हे स्व%छ व साफ पानी नहीं मिल पाता है। इस समस्या को देखते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पांढरवानी सरपंच अनीस खान व समाजसेवी शांतिलाल भंसाली के द्वारा जनहित में सार्वजनिक स्थलों पर ठंडे पानी की मशीन लगाने का निर्णय लिया गया और इसी के तहत लालबर्रा बस स्टैण्ड में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा विधायक निधि से, मो. इंकबाल सॉ मिल के सामने स्व. मो. इकबाल खान व स्व. मो. अकील खान की स्मृति में पांढरवानी सरपंच अनीस खान सरपंच के सौजन्य एवं चांदनी चौक बाजार में स्व. कमला देवी व स्व. सेठ गोकुलचंद भंसाली की स्मृति में श्री शांतिलाल भंसाली जी (लोकतंत्र सेनानी) के सौजन्य से ठंडे पानी की मशीन प्रदान की गई जिसका 18 जून शुभारंभ किया गया है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि नगर मुख्यालय में लंबे समय से ठंडे पानी की मशीन की मांग उठ रही थी क्योंकि ठंडे पानी की मशीन नही होने से लोगों को पीने का ठंडा पानी नही मिल पा रहा था। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे एवं समाजसेवियों के द्वारा प्रदान की गई तीन ठंडे पानी की मशीन का एक साथ लालबर्रा मुख्यालय में शुभारंभ किया गया है। जिसमें बस स्टैण्ड, मो. इंकबाल सॉ मिल के सामने व चांदनी चौक में ठंडे पानी की मशीन लगा दिया गया है। अब लोग इन स्थानों से ठंडा व स्वच्छ पानी पीकर अपनी प्यास बुझा सकते है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, गणमान्यनागरिक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

पंचायत सचिव संगठन ने कलेक्टर, जिला पंचा. सीईओ एवं एसडीएम के नाम जनपद सीईओ को सौंपा ज्ञापन

19 जून को प्रदेश स्तरीय एवं स्थानीय मांगों को लेकर एक दिवसीय शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन करने की दी जानकारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। म.प्र. पंचायत सचिव संगठन लालबर्रा के ब्लाक कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप कावरे के नेतृत्व में पंचायत सचिव संगठन लालबर्रा के द्वारा 18 जून को जनपद पंचायत लालबर्रा कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओं एवं एसडीएम के नाम जनपद सीईओं चंदरसिंह मंडलोई को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश स्तरीय एवं स्थानीय मांगों को लेकर 19 जून को एक दिवसीय शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन एवं अवकाश पर रहने की जानकारी दी है। आपकों बता दे कि म.प्र. पंचायत सचिव संगठन भोपाल एवं संयुक्त सचिव संगठन के आव्हान एवं निर्देशन पर प्रदेशभर के पंचायत सचिव संगठन के द्वारा 19 जून को प्रदेश स्तरीय एवं स्थानीय मांगों को लेकर एक दिवसीय शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन किया जाना है ताकि उनकी लंबित मांगे पूरी हो सके। जिसमें पंचायत सचिवों की प्रदेश स्तरीय मांगों में पंचायत सचिवों का विभाग में संविलियन, समयमान वेतनमान का आदेश शीघ्र जारी किये जाने, गृह भाड़ा भत्ता व यात्रा भत्ता में वृध्दि किये जाने, एनपीएस कटौती जिले के स्थान पर जनपद से की जाने, मृत्यु उपरांत अनुग्रह राशि 10 लाख रूपये दिये जाने, ग्रे%यूटी व अवकाश नगदी करण का लाभ प्रदान करने, अनुकंपा नियुक्ति आश्रित व्यक्ति को तत्काल प्रदान करने, यूनिक कोड जारी कर हर माह वेतन पर्ची प्रदान करने, आयुष्मान कार्ड बनाने का आदेश जारी किये जाने। वहीं स्थानीय मांगों में इकेवायसी, मनरेगा लेबर नियोजन आदि योजनाओं में प्रदेश में टाप 10 स्थिति में रहने के बावजूद अंसवैधानिक तरीके से वेतन कटौती किया जा रहा है जिस पर रोक लगाने, जनपद सीईओं द्वारा प्रत्येक माह की 1 तारीख तक वेतन भुगतान नही किया जाता है इसलिए भुगतान 1 तारीख तक किये जाने, एनपीएस राशि समय पर जमा नही करना सहित अन्य स्थानीय मांगों को पूरा किये जाने की मांगे शामिल है। जिसको लेकर म.प्र. पंचायत सचिव संगठन के आव्हान पर प्रदेशभर के पंचायत सचिव 19 जून को अवकाश पर रहकर जिला मुख्यालय में एक दिवसीय शांतिपूर्वक धरना प्रदर्शन कर अपनी लंबित मांगों को जल्द पूरा किये जाने की मांग सरकार से करेगें। इसी कड़ी में लालबर्रा के म.प्र पंचायत सचिव संगठन के पदाधिकारी 18 जून को जनपद सीईओं को कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओं के नाम ज्ञापन सौंपकर 19 जून को अवकाश पर रहकर अपनी लंबित मांगों को पूरा करवाने हेतु संगठन के प्रांतीय आव्हान पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में जाने की जानकारी दी है। वहीं म.प्र. पंचायत सचिव संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि म.प्र. पंचायत सचिव संगठन के प्रांतीय आव्हान पर प्रदेश स्तरीय एवं स्थानीय मांगों को लेकर 19 जून को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन व अवकाश पर रहने की अपील की गई है। इसी कड़ी में लंबित मांगों को लेकर 19 जून को लालबर्रा विकासखण्ड के समस्त पंचायत सचिव अवकाश पर रहकर जिला मुख्यालय में आयोजित एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल होगें। इस अवसर पर पंचायत सचिवों से अपील है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे। इस अवसर पर म.प्र. पंचायत सचिव संगठन कार्यकारी अध्यक्ष दिलीपकुमार कावरे, संगठन जिला मंत्री लक्ष्मीप्रसाद सोनवाने सहित अन्य पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

सचिवों का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन आज - लक्ष्मीप्रसाद

म.प्र. पंचायत सचिव संगठन जिला मंत्री लक्ष्मीप्रसाद सोनवाने ने बताया कि म.प्र. पंचायत सचिव संगठन के प्रांतीय आव्हान में प्रदेश स्तरीय एवं स्थानीय मांगों को लेकर 19 जून को अवकाश लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आव्हान किया गया है। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड के पंचायत सचिव संगठन के द्वारा बुधवार को कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओं व एसडीएम के नाम जनपद सीईओं को ज्ञापन सौंपकर अपनी लंबित मांगे पूरी नही होने पर 19 जून को अवकाश पर रहने शांतिपूर्वक जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन पर जाने की जानकारी दी गई है। श्री सोनवाने ने बताया कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के द्वारा 3 जुलाई 2023 को पंचायत एवं ग्रामीण विभाग में संविलियन करने सहित अन्य मांगों को पूरा किये जाने की घोषणा की गई थी। लेकिन अब तक पूरा नही किया गया है जिससे प्रदेश भर के पंचायत सचिवों में आक्रोश व्याप्त है। सरकार को उनकी घोषणा याद दिलवाने के लिए म.प्र. पंचायत सचिव संगठन के प्रांतीय आव्हान पर 19 जून को एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर लंबित मांगों को जल्द पूरा किये जाने की मांग की जायेगी।

यात्री वाहन की टक्कर से मोटर साइकिल सवार दो छात्र घायल

फोटो:: घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत वारा की रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणधीन रेलवे ओवरब्रिज के पास विद्युत विभाग के गेट के सामने यात्री वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब दोनों युवक सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जा रहे थे। इस दुर्घटना में छात्र अमन पिता तिलक भगत १६ वर्ष वार्ड नं. १ वारासिवनी एवं प्रज्वल पिता सूरज पटले तुमाड़ी निवासी गंभीर घायल हो गए। जिसमें अमन भगत को सिविल अस्पताल में उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया हैं। इस दुर्घटना से नगर वासियो में रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कंपनी के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा बाईपास की उचित व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है ताकि विद्यार्थी एवं राहगीर सुरक्षित आवागमन कर सके।

सांदीपनि स्कूल जाते समय हुई दुर्घटना

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण स्थल पर निर्माण सामग्री बिखरी पड़ी हुई है जहां से नगर सहित क्षेत्रवासियों के द्वारा प्रतिदिन आवागमन किया जा रहा है। इसी मार्ग पर सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्थित है जहां पर स्कूल प्रारंभ होने से विद्यार्थियों का आवागमन बढ़ गया है। ऐसे ही बुधवार की सुबह करीब ११ बजे अमन पिता तिलक भगत १६ वर्ष वार्ड नं. १ वारासिवनी एवं प्रज्वल पिता सूरज पटले तुमाड़ी निवासी पल्सर मोटरसाइकिल से स्कूल प्रारंभ होने पर स्कूल जा रहे थे। तभी उनके सामने अचानक निजी यात्री वाहन आ गया जिससे बचने के लिए उनके द्वारा दूसरे मार्ग पर मोटरसाइकिल को मोड़ा गया तभी उस मार्ग से भी निजी यात्री वाहन क्रमांक मध्य प्रदेश ०७ पी २०३० आ गया। तभी मोटर साइकिल उक्त यात्री वाहन के ड्राइवर तरफ के साइड में सामने से टकराकर छिटक कर यात्री वाहन के पिछले चक्की के पास जाकर गिर गये जिसमें बैठे दोनों युवक छिटक कर जमीन पर गिर गए। जहां दोनों युवा गंभीर रूप से घायल पड़े हुए थे तभी सुनील सोनवाने सहित अन्य लोगों के द्वारा तत्काल घायलों को सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा दोनों छात्रों का प्राथमिक उपचार किया गया। जिसमें गंभीर चोट को देखते हुए अमन भगत का प्राथमिक उपचार कर उसे तत्काल जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। वहीं प्रज्वल पटले का उपचार सिविल अस्पताल में जारी है।

उक्त स्थान बन रहा दुर्घटना स्थल

इस दुर्घटना के दौरान नगर वासियों के द्वारा रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कंपनी की बायपास सर्विस को लेकर आक्रोश व्यक्त किया गया। वहीं व्यवस्थित मार्ग बनाने को मांग की जाती रही क्योंकि अब दुर्घटना स्थल बनता जा रहा है। जहां पर दर्जनों सड़क हादसे हो चुके हैं जिसमें बीते दिनों तीन युवकों का बाइक स्लिप होने से गंभीर हादसा हुआ था। उसके पूर्व सांदीपनि विद्यालय की एक शिक्षिका का एक्सीडेंट हुआ था। वहीं उसके पहले भी कई सड़क हादसे हुए हैं और उसके बाद यह एक सड़क हादसा हुआ है। जिसका कारण उक्त मार्ग पर फैली हुई रेत और गिट्टी सहित अव्यवस्थित रूप से चलाए जा रहे वाहनों को बताया जा रहा है। क्योंकि निर्माण कंपनी के द्वारा पूर्व में मार्ग डाइवर्ट किए गए थे परंतु वर्तमान में रेलवे ओवरब्रिज के पास से ही एक कच्चा मार्ग बना दिया गया है किंतु कोई सुरक्षित मार्ग की व्यवस्था नहीं की गई है। जिसके कारण लोग मनमर्जी से किसी भी साइड से आना जाना करते जा रहे हैं यही कारण है कि दुर्घटना को बढ़ावा मिलने जा रहा है।

यात्री वाहन की टक्कर से छात्र बुरी तरह घायल हो गया - ज्ञानप्रकाश पटेल

नगरवासी ज्ञानप्रकाश पटेल ने बताया कि यह जो लड़का है वह स्कूल पढ़ने वाला छात्र है जो सांदीपनि विद्यालय में पढ़ाई करता है। भगत परिवार का लड़का है इसका नाम अमन भगत है जो वारासिवनी से स्कूल की तरफ जा रहा था। तभी अचानक सामने में यात्री वाहन बस आ गई जिससे टक्कर होकर यह बुरी तरह आहत हो गया है। शासन प्रशासन से अपील है कि वह निर्माण स्थल पर बायपास मार्ग की व्यवस्था बनवाये और वाहनों के आवागमन पर नियंत्रण करें। क्योंकि किसी की भी जान की भरपाई कोई नहीं कर पाएगा विशेष कर जनप्रतिनिधियों को इधर ध्यान देना चाहिए।

ओवरब्रिज निर्माण कंपनी की लापरवाही के कारण हो रहे एक्सीडेंट-सुनील सोनवाने

सुनील सोनवाने ने बताया कि उक्त स्थान पर बायपास मार्ग तो बना दिया है पर गलत साइड से भी लोग जल्दी में आना जाना करते हैं। यात्री वाहन भी जल्दी में रहते हैं जबकि वर्तमान में स्कूल चालू हो गया है वह बच्चे भारी वाहनों से रास्ता नही मिलने से इधर उधर से आना जाना करते हैं। क्योंकि कोई सीधा मार्ग नहीं बनाया गया है यही समस्या वहां पर है सड़क पर गिट्टी के ढेर पड़े हुए हैं गिट्टी और रेत बिखरी पड़ी है। मेरे बच्चे का भी वहां पर एक्सीडेंट हुआ था और उसके बाद कई एक्सीडेंट हुए है। यह रोड़ को पूरा बंद कर दे या पुरा बायपास बना कर दे सीधा ताकि सुरक्षित आवागमन हो सके। वरना ऐसी ही घटना होती रहेगी किसी ना किसी के परिवार में चोट पहुंचती रहेगी।

मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2025

जानें कैसे होगी प्रतियोगिता और क्या हैं पुरस्कार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र पर्यटन विभाग द्वारा जिला प्रशासन, जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद एवं स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से मप्र पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2025 का आयोजन पूरे प्रदेश में एक साथ 1 अगस्त 2025 को होने जा रहा है। बालाघाट जिले में कलेक्टर मृणाल मीणा व सीईओ अभिषेक सराफ के मार्गदर्शन में संपन्न होगी। इस प्रतियोगिता में एमपी बोर्ड, केंद्रीय बोर्ड या अन्य बोर्ड अंतर्गत कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत छात्र/छात्राएं भाग ले सकते हैं। जिला स्तर में ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया के लिए मप्र टूरिज्म बोर्ड की वेबसाइट पर पंजीयन कर सकते हैं। विद्यालय टीम का चयन प्राचार्य/प्रबंधन द्वारा वस्तुनिष्ठ प्रश्नकमाला एवं क्विज के माध्यम से 3 श्रेष्ठ विद्यार्थियों का चयन कर एक टीम का गठन किया जाएगा। विद्यालयीन टीम का ऑनलाइन पंजीयन 25 जून से 18 जुलाई 2025 के मध्य किया जा सकता है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता 1 अगस्त 2025 को दो चरणों में होगी - प्रथम चरण लिखित परीक्षा सुबह: 10 से 12 बजे तक और द्वितीय चरण मल्टी मिडिया क्विज (आडियो विजुअल राउण्ड) दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगी।

लिखित परीक्षा के विवरण व मल्टी मिडिया क्विज के विवरण

लिखित परीक्षा के प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में होंगे। टीम के 3 विद्यार्थी परस्पर आपसी सलाह से प्रश्न पत्र हल करेंगे। लिखित परीक्षा के तुरंत बाद भोजन और मूल्यांकन कार्य होगा। लिखित परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली 6 टीमें मल्टी मिडिया क्विज में प्रवेश के लिए पात्र होंगी। मल्टी मीडिया क्विज में सर्वाधिक अंकों के आधार पर विजेता दल वरियता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यालयों 9 विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की होटलों में 2 रात्रि एवं 3 दिवस आवास एवं भोजन सुविधा युक्त कूपन प्रदान किए जाएंगे। उप विजेता दल वरियता में चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठम स्थान प्राप्त विद्यालयों, 9 विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम की होटलों में 1 रात्रि एवं 2 दिवस आवास एवं भोजन सुविधा युक्त कूपन प्रदान किए जाएंगे। विजेता और उप विजेता टीमों के कुल 18 विद्यार्थियों को जिला क्विज मास्टर के नेतृत्व में निकट के पर्यटन स्थल का भ्रमण कराया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी छात्र/छात्राओं को मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। मल्टी मिडिया क्विज में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली जिले की टीम 26 सितंबर 2025 को भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने आयोजित किया ग्रामीण रंग-पर्यटन संग कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र टूरिज्म बोर्ड द्वारा संचालित ग्रामीण पर्यटन एवं जनजातीय पर्यटन परियोजना के तहत एक दिवसीय कार्यक्रम ग्रामीण रंग-पर्यटन संग का आयोजन बुधवार को सुबह 11 बजे कुशाभाऊ ठाकरे अन्तर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिन्टो हॉल) भोपाल में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय मुख्यमंत्री मप्र शासन ने की। माननीय मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों में तैयार होमस्टे का वर्चुअल उद्घाटन किया जिससे ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। जिले के ग्राम सुरवाही के श्री अंकित रस्तोगी होम स्टे संचालक को बेस्ट बेड एंड ब्रेकफास्ट का अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। इस

कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री मप्र शासन, मप्र टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी और सदस्य विभिन्न जिलों के होमस्टे संचालक और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

आजादी के बाद आज तक कोसरीटोला से मुरझड़ मार्ग का नही हुआ पक्का निर्माण

कोसरीटोला वासियों ने मार्ग के प्रति व्यक्त किया आक्रोश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरझड़ से लेकर कोसरीटोला तक बना हुआ कच्चा मार्ग जर्जर अवस्था में पहुंच गया है। जहां छोटे बड़े गड्ढे के साथ ही उबड़ खाबड़ स्थिति में है जहां वर्तमान में आवागमन करना समस्या से भरा है तो वहीं बरसात में यह समस्या विकराल हो जाती है। इस प्रकार की समस्याओं से लगातार कोसरीटोला वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं उन्हें पंचायत ,स्कूल या अन्य किसी भी कार्य के लिए प्रतिदिन इसी मार्ग से आवागमन करना पड़ता है। कोसरीटोला से यह इकलौता पंचायत जाने का मार्ग है इसके निर्माण को लेकर ग्रामीणों सहित राहगीरों के द्वारा लंबे समय से शासन प्रशासन से मांग की जा रही है। किंतु वर्तमान तक किसी के द्वारा उक्त मार्ग को पक्का या ग्रेवल सड़क के रूप में व्यवस्थित बनाने का कार्य नहीं किया गया है। जिससे स्थिति यथावत बनी हुई है लोग दुर्घटना की संभावनाओं के बीच में आवागमन कर रहे हैं।

बाईपास के रूप में कटंगी मार्ग को लालबर्रा मार्ग से जोड़ता है यह मार्ग

ग्राम पंचायत मुरझड़ मुख्य बस्ती सहित दो टोले में बटा हुआ है जिसमें ग्राम का सबसे बड़ा एवं घनी आबादी वाला टोला कोसरीटोला है जो कटंगी मार्ग पर स्थित है तो वहीं मुरझड़ पंचायत लालबर्रा रोड़ पर स्थित है। जिसके मध्य से लालबर्रा रोड़ से कोसरीटोला तक एक कच्चा मार्ग बना हुआ है जिस पर लंबे समय से कोई सुधार कार्य नहीं किया गया है। यह इकलौता मार्ग है जो कटंगी हाईवे मार्ग को लालबर्रा हाईवे मार्ग से जोड़ता है जिसकी दूरी करीब २ किलोमीटर से अधिक है। जहां से लालबर्रा एवं कटंगी क्षेत्र की ओर जाने वाले लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं । वहीं कोसरीटोला के समस्त ग्रामीणों को अपने ग्राम पंचायत संबंधी कार्य एवं स्कूल सहित विभिन्न कार्यों के लिए प्रतिदिन उक्त मार्ग का उपयोग कर लालबर्रा रोड़ पर स्थित पंचायत भवन में आना जाना पड़ता है। ऐसे में मार्ग में विभिन्न स्थानों पर छोटे.बड़े गड्ढे हो गए हैं गिट्टी के छोटे बड़े पत्थर बाहर निकल गए हैं । तो वहीं बारिश में मार्ग खराब होने से कई जगह ऊपर नीचे हो गई है मार्ग में थोड़ी थोड़ी दूर में टर्निंग बनी हुई है । जहां पर भारी मात्रा में धूल की परत बैठी हुई है जिसमें मोटरसाइकिल स्लिप होकर दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है। यह मार्ग हर किसी के लिए महत्वपूर्ण है किंतु बरसात के समय यह मार्ग बंद हो जाता है क्योंकि मार्ग पर बड़ी संख्या में ग्राम के किसानों की खेती स्थित है। जहां पर किसानों के द्वारा फसल लगाई जाती है और ट्रैक्टर के चलने से मार्ग में कीचड़ का दलदल विभिन्न स्थानों पर बन जाता है। ऐसे में साइकिल या मोटरसाइकिल से यह मार्ग पर चलना संभव नहीं होने के कारण लोगों का आना जाना बंद हो जाता है। केवल किसान लोग इस मार्ग से पैदल अपने खेतों के लिए आना जाना करते हैं तो वहीं ट्रैक्टर खेती कार्यों के लिए जाते हैं। इस मार्ग पर बीते कुछ वर्ष पहले ही मुरूमीकरण करवाया गया था किंतु उसके बाद से रोड़ की ओर ज्यादा स्थिति खराब होने लगी है। टायरों के गहरे निशान मार्ग में बन जाते हैं उस समय क्षेत्र के आने जाने वाले लोग मार्ग पर चलने के दौरान कई बार दुर्घटनाग्रस्त भी होते हैं। उक्त मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों के साथ ग्रामीणों के द्वारा इस मार्ग पर ग्रेवल सड़क या पक्की सड़क निर्माण करने की मांग कर रहे हैं ताकि लोग सुरक्षित रूप से आवागमन कर सके।

समस्या बहुत समय से बनी हुई है बारिश में मार्ग की दुर्दशा हो जाती है-हरिप्रसाद आड़े

राहगीर हरिप्रसाद आड़े ने बताया कि यह मार्ग बहुत महत्वपूर्ण मार्ग है कम दूरी में व्यक्ति इस मार्ग से नेवरगांव की ओर निकलने के लिए उपयोग करते हैं। यह पूरा कच्चा मार्ग है इस पर अभी मुरूमीकरण किया गया था किंतु यह इस मार्ग के लिए ठीक नहीं है ग्रेवल सड़क कि यहां पर जरूरत है। क्योंकि आने.जाने की समस्या बहुत समय से बनी हुई है बारिश में मार्ग की दुर्दशा हो जाती है। पूरा कीचड़ मार्ग पर फैला रहता है ट्रैक्टर लगातार चलते रहते हैं उनके आने.जाने से भी मार्ग बहुत खराब हो जाता है। यह २ किलोमीटर का मार्ग है जो कोसरी टोला से मुरझड़ का है जिसमें अभी तो जगह जगह गड्ढे और धूल पड़ी हुई है। मोटरसाइकिल साइकिल या बड़े वाहन भी अनियंत्रित हो जाते हैं गड्डे के कारण वाहनों में खराबी आ जाती है दुर्घटना तो बहुत कम इसलिए होती है कि लोग रास्ता खराब होने के कारण धीरे चलते हैं। परंतु यहां ठीक से लोग नहीं चल पाते इतनी रोड़ खराब है दुर्घटना की हमेशा झाड़ियां टर्निंग और गड्ढों के कारण संभावना बनी हुई है। अति शीघ्र इस मार्ग का निर्माण यदि कर दिया जाता है तो हर किसी को सुविधा होगी।

आवागमन करने में किसानों और राहगीरों को बहुत परेशानी होती है-मुकेश नेवारे

राहगीर मुकेश नेवारे ने बताया कि यह कोसरी टोला से मुरझड़ का मार्ग है जो कटंगी रोड़ को लालबर्रा रोड़ से जोड़ता है। यह सड़क बाईपास के रूप में उपयोग की जाती है जहां से सैकड़ो लोग रोजाना आना जाना करते है। कोसरी टोला के रहने वाले पंचायत या विभिन्न कार्यों से इसी मार्ग से आना जाना करते हैं। ऐसे तो यह २ किलोमीटर का मार्ग है परंतु बरसात के समय यह मार्ग बंद होने के कारण वारासिवनी होते हुए सभी को आना जाना पड़ता है वहां ५ किलोमीटर की दूरी का अंतर आता है। बहुत ज्यादा मार्ग में गड्ढे है जो बारिश में पानी से भर जाते हैं ट्रैक्टर के आने जाने से कीचड़ बहुत ज्यादा हो जाता है उस समय समस्या इतनी बढ़ जाती है कि मार्ग बंद हो जाता है केवल ट्रैक्टर चलते हैं। इस मार्ग को बनाया जाना चाहिए क्षेत्र के लोगों को सुविधा होगी।

विद्युत विभाग ने नया ट्रांसफार्मर लगाकर किया समस्या का समाधान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ११ में बुधवार को विद्युत विभाग के द्वारा नया ट्रांसफार्मर लगाकर विद्युत कटौती की समस्या का समाधान किया गया। जिससे वार्ड वासियों के चेहरे में खुशी देखने मिला क्योंकि वार्ड नंबर ९,१०,११ में उक्त ट्रांसफार्मर के माध्यम से विद्युत व्यवस्था संचालित की जा रही हैं। जहां पर बीते १५ दिनों से बिजली कटौती की भयंकर समस्या बनी हुई थी वार्ड वासियों के अंदर विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर आक्रोश व्याप्त था। यह विद्युत रात्रि १२ के बाद कभी भी फाल्ट आने पर कटौती हो जाती थी। लंबे समय तक लोगों को विद्युत व्यवस्था चालू होने की उन्हें रात जागना पड़ता था। जिसका कारण हर बार क्षमता से अधिक भार ट्रांसफार्मर पर होने की बात कही जाती थी जिस कारण से हर बार किसी ना किसी प्रकार की समस्या आ जाती थी। जिसके लिए वार्ड नंबर १० और ११ के वार्ड वासियों के द्वारा वार्ड पार्षद संदीप मिश्रा और मोनू लिमजे से लगातार समस्या के समाधान की मांग की जा रही थी। जहां पर बीती रात विद्युत व्यवस्था खराब होने पर वार्ड वासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जिसे देखते हुए विद्युत विभाग के द्वारा दो पार्षदो की अपील पर दुगनी क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया गया हैं। पद्मेश से चर्चा में संदीप मिश्रा ने बताया कि लंबे समय से ट्रांसफार्मर के कारण विद्युत व्यवस्था अवरुद्ध हो रही थी लोगों को समस्या होती थी। वार्ड वासियों के द्वारा लगातार शिकायत की जा रही थी बीती रात बहुत परेशानी वार्डवासियों को हुई। जिसको लेकर हमारे द्वारा विद्युत विभाग से चर्चा की गई थी। विभाग के द्वारा मौके पर दुगनी क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया गया है आशा है कि अब विद्युत व्यवस्था में कोई समस्या नहीं आएगी।

धार्मिक यात्रा में बढ़ती हवाई दुर्घटनाएं

भारत धर्म और आस्था का देश है, लेकिन यहाँ धार्मिक यात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। जब चारधाम जैसी यात्रा भी सुरक्षित नहीं है तो दूसरे की बात छोड़िए। धार्मिक स्थलों पर आए दिन श्रद्धालुओं के मरने की घटनाएं होती रहती हैं। उत्तराखंड में आए दिन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं सुर्खियों में हैं। मई और जून में अब तक पांच दुर्घटनाएं सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। हादसों में चालक दल के साथ 14 लोग मारे जा चुके हैं। पवित्र चारधाम यात्रा के दौरान यह आम बात हो गई है। जून 2009 से जून 2025 तक 15 हेलीकॉप्टर क्रैश की घटनाएं हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबित 16 साल में इस तरह की दुर्घटनाओं में 45 लोगों की मौत हुई है। रविवार 15 जून को गौरीकुंड के पास एक हेलीकॉप्टर की दुर्घटना में पायलट सहित 7 लोग मारे गए। चार धामयात्रा प्रबंधन ने इसके पूर्व हुई दुर्घटनाओं से सबक नहीं लिया। 17 मई को केदारनाथ में एम्स ऋषिकेश की एक हेली एम्बुलेंस की इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबित 12 वर्षों में केदारनाथ में कुल 14 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 33 लोगों की मौत हुई। धार्मिक यात्रा के दौरान बढ़ता जोखिम हमारी व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। नागरिक और उड्डयन मंत्रालय को इस तरह के हादसों पर गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है। निजी एविएशन कंपनियों पर नकेल कसने की जरूरत है। धार्मिक स्थलों पर बढ़ते हादसे हमारे विश्वास और आस्था पर चोट पहुँचाते हैं। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान बढ़ते हेलीकॉप्टर हादसे को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। निश्चित रूप से राज्य सरकार का यह उचित फैसला। भारत सरकार के डीजीसीए ने अगले आदेश तक हेलीकॉप्टर की सभी उड़ानों पर रोक लगा दिया है। लेकिन सिर्फ रोक से काम नहीं चलेगा सम्वधित घटनाओं की जाँच होनी चाहिए। सवाल उठता है किस तकनीकी गड़बडियों की वजह से हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। किस स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है। निर्दोष यात्रियों की जान को जोखिम में क्यों डाला जा रहा है। पैसा कमाने की होड़ में श्रद्धालुओं को मौत के मुंह में क्यों धकेला जा रहा है। सभी बिंदुओं पर गहराई से जांच पड़ताल की जानी चाहिए। हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को लेकर जिस तरह की लापरवाही देखने को मिली है वह हमारी व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल है। 15 जून रविवार को हुए हेलीकॉप्टर क्रैश में मीडिया रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आए हैं कि खराब मौसम के बाद भी निर्दोष श्रद्धालुओं की जान को जोखिम में डालकर हेलीकॉप्टर को उड़ाने के अनुमति दी गई। हालांकि यह जाँच का विषय है, लेकिन सवाल उठता है कि जब मौसम खराब था फिर हेलीकॉप्टर को उड़ाने की अनुमति किसने दी। जबकि मौसम की गड़बड़ी की वजह से उड़ानों को निलंबित रखा जाता है। इस मामले की निष्पक्ष रूप से जांच होनी चाहिए और निर्दोष लोगों की जान से खेलने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हम आस्था को लेकर अधिक भीरू हैं। जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है। धार्मिक स्थलों पर भीड़ तो जरूर से ज्यादा जुटा ली जाती है, लेकिन उसके प्रबंधन के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती है। आए दिन धार्मिक स्थलों पर मौत की खबरें सुर्खियां बनती हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में सबसे बेहतरीन व्यवस्था का दावा किया गया था, लेकिन भीड़ प्रबंधन में लापरवाही की वजह से बड़ा हादसा हो गया। मंदिरों और सत्संग जैसे स्थलों पर आवश्यकता से अधिक भीड़ जुटा ली जाती है, लेकिन उसके नियंत्रण के लिए कोई व्यवस्था नहीं की जाती है।

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध पुनः गढ़े जा रहे झूठे विमर्श

वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में भारत का उदय कुछ देशों को रास नहीं आ रहा है। विकसित देशों के बीच पूरे विश्व में भारत आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जापान, ब्रिटेन, फ्रान्स, इटली आदि देशों से आगे निकलते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही लगभग एक वर्ष के बाद जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के आसार भी अब स्पष्टत- दिखाई दे रहे हैं। भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुन: कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,730 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,870 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में बांग्लादेश जैसे छोटे देश से भी पीछे है। अत: यह झूठा विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है भारत में किस प्रकार का आर्थिक विकास हो रहा है जिससे भारतीय नागरिकों की आय तो उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिस तेजी से भारत का आर्थिक विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों का उचित तरीके से विश्लेषण न करते हुए भारत के संदर्भ में गलत जानकारी देने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी मामले में तुलना दो आमों के बीच ही सम्भव है आम एवं संतरे के बीच तुलना कैसे सम्भव है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या केवल 17 करोड़ से कुछ ही अधिक है। भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है। इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैण्ड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99,564 अमेरिकी डॉलर; नीदरलैण्ड में 64,572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55,516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है। ब्रिटेन ने जब भारत में अपनी सत्ता को छोड़ा था अर्थात भारत ने वर्ष 1947 में जब राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी तब भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी, परंतु आज केवल 4 से 4.5 प्रतिशत भारतीय ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि, बांग्लादेश में लगभग 19 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद का आकार केवल लगभग 46,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। सकल घरेलू उत्पाद को देश की कुल जनसंख्या से बांट कर ही प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े को प्राप्त किया जा सकता है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या मात्र 17 करोड़ है। इससे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का आंकड़ा बांग्लादेश की तुलना में कुछ कम हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहुत संतुलित विकास हुआ है। भारत में न केवल धनाडयों की संख्या में अपार वृद्धि दर्ज हुई हे बल्कि गरीबी उन्मूलन पर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है जिससे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय कमी दर्ज हुई है। बांग्लादेश की तुलना में भारत एक विशाल देश है एवं भारत के कई राज्यों यथा महाराष्ट्र, गुजरात एवं तमिलनाडु आदि का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बांग्लादेश की तुलना में दुगने से तिगुने आकार का है। इसी प्रकार, भारत के राज्य अभी भी कुछ पिछड़े राज्यों की श्रेणी में शामिल है, जैसे, बिहार, झारखंड आदि। परंतु किसी भी देश के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत निकालते समय देश के समस्त राज्यों के आंकड़ों को शामिल करना होता है। इस कारण से भी भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत कुछ कम हो जाता है। हाल ही के समय में एक और कुतर्क दिया जा रहा है कि भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के बीच भी बच्चों की जन्म-मृत्यु की दर अफ्रीकी देशों के समान बनी हुई है। इस प्रकार का झूठा विमर्श गढ़ते समय संभवत- वास्तविक स्थिति की ओर ध्यान ही नहीं दिया गया है। रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया की एसआरएस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1,000 शिशुओं के जन्म के बीच शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर केवल 26 है। जबकि अफ्रीकी देशों यथा नाईजीरिया में 67, कांगो में 62 एवं ईथियोपिया में 34 है। इन सभी अफ्रीकी देशों की तुलना में भारत में शिशुओं की जन्म-मृत्यु दर कम है। अत: भारत अब अफ्रीकी देशों से इस मामले में बहुत आगे निकल आया है। हां, इस संदर्भ में भारत की तुलना यदि विकसित देशों से की जाएगी यथा अमेरिका में 5 एवं जापान में 2, तब जरूर भारत में इस स्थिति को अभी और अधिक सुधारने की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार बहुत तेज गति से किया जा रहा है। जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है। भारत में इस संदर्भ में क्षेत्रीय विषमता भी दिखाई देती है। जैसे, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली जैसे विकसित राज्यों में शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर 10-15 के बीच ही है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं बिहार जैसे राज्यों में यह 40-50 के बीच बनी हुई है। हालांकि धीमे धीमे इन राज्यों में भी तेजी से सुधार दृष्टिगोचर है। देश में संस्थागत प्रसव की दर में सुधार हुआ है, परंतु जननी सुरक्षा, पोषण एवं टीकाकरण के क्षेत्रों में विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में अभी भी प्रयासों को गति दी जा रही है। इसी प्रकार, ग्रामीण इलाकों में अति पिछड़े परिवारों (विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रो में) के बीच गंदे पानी का उपयोग, कुपोषण, प्रसव के पूर्व की देखभाल में कमी के चलते शिशुओं के जन्म के बीच जन्म-मृत्यु दर को अभी और कम किया जाना शेष है। भारत में हालांकि स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है, पर कुछ राज्यों पर अभी भी विशेष ध्यान केंद्रित कर एक भारत श्रेष्ठ भारत नीति से स्वास्थ्य सेवाओं को संतुलित किया जा रहा है। एक तीसरा झूठा विमर्श और खड़ा किया जा रहा है कि जब भारत आर्थिक प्रगति के पथ पर तेज गति से दौड़ रहा है तो फिर 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है? तथ्यात्मक रूप से यह सही है कि भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत भारत में केंद्र सरकार द्वारा देश के 80 करोड़ नागरिकों को 5 किलो मुफ्त राशन प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। दरअसल, भारत में अभी भी गरीबी पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुई है। सरकार का यह परम कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध करवाए। कोरोना महामारी के खंडकाल में देश के नागरिकों पर आई प्राकृतिक आपदा के चलते करोड़ों की संख्या में नागरिकों ने अपने रोजगार खोए थे तथा इस गम्भीर समय में केंद्र सरकार ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए देश के गरीब नागरिकों को उक्त योजना के अंतर्गत खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रारम्भ किया था, जो आज भी जारी है।

-प्रहलाद सबनानी

एफएटीएफ के निशाने पर है पाक का आतंकवाद

विश्व में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने भले ही अभी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में नहीं डाला है, लेकिन उसने अंतत: 22 अप्रैल को पहलगाम की क्रूर आतंकवादी हमले की निंदा की है। ऐसा करते हुए एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है जो भारत की इस विषयक सफलता को द्योतक हैं। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आखिरकार भारत की यह चिर-प्रतीक्षित मांग कि पाक को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, इस मांग के सफलता की सीड़ियां चढ़ने का ही संकेत हैं। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, भारत के सांसदों एवं अफसरों के प्रतिनिधिमण्डल को पाक को बेनकाब करने के लिये विश्व के प्रमुख देशों में भेजा, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में किसी देश को तब तक निगरानी में रखा जाता है, जब तक कि वह अपनी वित्तीय प्रणाली में पहचानी गई खामियों, त्रुटियों, विसंगतियों को ठीक नहीं कर लेता। पाकिस्तान निरंतर आतंकवाद को पोषण एवं प्रोत्साहन देने के लिये 2022 तक ग्रे लिस्ट में था, उसी वर्ष उसे ग्रे लिस्ट से हटाया गया, बावजूद पाकिस्तान ने कोई सुधार नहीं किया है और आतंकवादियों को न सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह उपलब्ध करा रहा है, बल्कि आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे आपराधिक कामों में भी खुद को शामिल करते हुए आतंकवाद की प्रयोगशाला बना हुआ है। एफएटीएफ ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही कठोर शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाक को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा।

दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन एफएटीएफ को मनाने में आंशिक रूप से सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाक को करना पड़ेगा। यूं भी यह अन्तर्राष्ट्रीय धन का गलत एवं अतिश्योक्तिपूर्ण इस्तेमाल देरसबेर विश्व के सामने आयेगा। भारत दुनिया के देशों को यह बताने और समझाने में कामयाब रहा है कि पाक न केवल आतंकवाद का समर्थन करता है, बल्कि वह आतंकवाद का पोषक भी है और वह आतंकवाद के लिए फंडिंग भी करता है। इस तरह इसे भारत की कूटनीतिक विजय कहा जा सकता है। क्योंकि एफएटीएफ का इतना बोल्ड बयान पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा है। एफएटीएफ की ओर से जारी आधिकारिक बयान की गहराई को समझने की जरूरत है, कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। यानि एफएटीएफ ने यह मान लिया है कि पहलगाम हमला आतंकवादी वित्त पोषण के कारण ही अमल में आया। एफएटीएफ का यह बयान भारत के लिए बहुत अहम है। ध्यान रहे कि एफएटीएफ, जी-7 देशों की ओर से स्थापित एक स्वतंत्र संस्था है, जो देशों की वित्तीय नीतियों का मूल्यांकन करती है। गौरतलब है कि वर्तमान में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में 24 देशों का नाम है, जो धन शोधन, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्त पोषण के लिए निगरानी में हैं।

यहां यह उल्लेखनीय एवं ध्यान देने वाली बात है कि पाक को कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा चुका है। इसे पहली बार 2008 में ग्रे लिस्ट में डाला गया था, लेकिन बाद में 2010 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद, 2012 में पाक को फिर से इस लिस्ट में डाला गया और 2015 में इसे दुबारा हटा दिया गया। इसके बाद, पाक को जून 2018 में फिर से ग्रे लिस्ट में डाला गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटा लिया गया। लेकिन यह कुत्ते की ऐसी दूम है जिसे कितने की कड़े प्रावधानों में रखा जाये, यह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है। उल्लेखनीय है कि एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। अहम बात यह है कि एफएटीएफ के सख्त एवं कठोर व्यवहार के बाद अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के यह समझ में आने लगा है कि पाकिस्तान एक असुरक्षित एवं आतंकवादी पोषक गंतव्य बनता जा रहा है। ऐसे में एफएटीएफ के दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों की संभावना के कारण पाक की पहले से ही डांवाडोल अर्थव्यवस्था को और झटका लग सकता है।

जी-7 शिखर बैठक 15 से 17 जून 2025 तक कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मेजबानी में हो रही है। इसमें जी-7 देशों के प्रमुखों के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानी? जैसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बैठक के दौरान जी-7 के सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पाक का सच और ऑपरेशन सिंधूर की सफलता के बारे में बताते हुए आतंकवाद के विरोध में संगठित होने के लिये वातावरण बना रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ के बयान का स्वागत करते हुए कहा भी है कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रुख की पुष्टि करता है। सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पाक के लिए एक और बड़ा झटका है, जिससे उसकी वैश्विक छवि और कमजोर हो सकती है। गौरतलब है कि भारतीय अधिकारियों ने पिछले महीने पेरिस और वॉशिंगटन में एफएटीएफ प्रतिनिधियों से बैठक कर पाक के खिलाफ नई कार्रवाई की मांग की थी।

भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाक आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाक का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाक हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्टीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का सफल प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता-धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाक आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्टीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय ब?ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्टीय सुरक्षा की बजाय आतंकवाद को पल्लवित करने पर खर्च करेगा। इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण आतंकवाद पोषण की स्थितियों में धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्टीय बिरादरी को करनी चाहिए।

-ललित गर्ग

बेटियाँ आगे बढ़ रही, पर मंच अब भी खाली

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 जब यह कहती है कि लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय रही है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक उम्मीद का सिरा है। भारत में भी यह बदलाव साफ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद से प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी अब 49 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह एक ऐसा तथ्य है जो न केवल भारत के भविष्य की दिशा तय करता है, बल्कि सामाजिक संरचना में बदलाव के संकेत भी देता है, किंतु इसी उजाले के साथ एक लंबी छाया खिंचती है। जब बात नेतृत्व की होती है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, कॉरपोरेट की ऊँचाइयाँ, या तकनीकी दुनिया के निर्णायक मोर्चे, महिलाएं वहाँ बहुत पीछे खड़ी नजर आती हैं। केवल 7.2 प्रतिशत भारतीय कंपनियों में महिलाएं सीईओ पद पर हैं। संसद में उनकी भागीदारी 14 प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा थोड़ा ही बेहतर है। विश्व बैंक की साल 2024 की रिपोर्ट की माने तो, विश्वभर में शीर्ष नेतृत्वकारी पदों में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। यह आंकड़े न सिर्फ स्थिति की गंभीरता बताता हैं, ये सवाल भी उठाता हैं कि आखिर क्यों शिक्षा में आगे निकल चुकी महिलाएं नेतृत्व के पायदान पर पिछड़ जाती हैं?

यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है, जब हम मातृसत्तात्मक समाज की बात करते हैं। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है। यहाँ खासी और जयंतिया जनजातियों में संपत्ति और वंशानुक्रम महिलाओं से जुड़ा है। इन सबके बावजूद इस राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या यूं कहें नाममात्र ही है। ऐसे में यह विसंगति केवल सांस्कृतिक ही नहीं, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक भी है। क्या यह किसी सुनियोजित दमन का परिणाम है, या महिलाएं स्वयं नेतृत्व से दूर रहना चाहती हैं? शायद सत्य इन दोनों के बीच कहीं छिपा है, क्योंकि देश के बाकी हिस्सों की स्थिति भी काफी दयनीय है। पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक अपेक्षाएं, और कार्यस्थलों पर मौजूद लैंगिक भेदभाव की संरचनाएं मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जहाँ महिलाएं नेतृत्व के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। अवसर मिलने पर भी उन्हें दुगना संघर्ष करना होता है। राजनीति जैसे क्षेत्र में तो यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ जोखिम, सार्वजनिक आलोचना, और कभी-कभी हिंसा तक का सामना करना पड़ता है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कार्यबल में वैश्विक रूप से महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत है, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व में यह संख्या घटकर केवल 31.7 प्रतिशत रह जाती है। इसी प्रकार, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की वैश्विक भागीदारी मात्र 28.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि महिलाएं केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, ज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अनदेखी का शिकार हैं।

वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बि?नेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है। इन सबके बावजूद, तस्वीर पूरी तरह धुंधली नहीं है। बदलाव की किरणें मौजूद हैं। भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद से स्थानीय स्तर पर नेतृत्व में उनकी भागीदारी में सुधार देखा गया है। यह दिखाता है कि जब अवसर और संरचना दोनों सकारात्मक रूप में मिलते हैं, तो महिलाएं नेतृत्व में भी उत्कृष्टता दिखा सकती हैं। वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व बैंक की जेंडर स्ट्रेटेजी 2024-2030 का लक्ष्य है कि 2030 तक 300 मिलियन महिलाओं को डिजिटल कनेक्टिविटी, 250 मिलियन को सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क और 80 मिलियन महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्तीय समर्थन दिया जाए। ये योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के प्रयास नहीं, एक समावेशी भविष्य की नींव हैं। सवाल यह है कि इस नींव पर हम कैसे निर्माण करेंगे? सबसे पहले तो जरूरी है कि समाज में गहराई तक समाई लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ा जाए। यह काम केवल पाठ्यक्रम बदलने या पोस्टर लगाने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि बचपन से ही लड़के और लड़कियों दोनों को समानता, नेतृत्व और सह-अस्तित्व के मूल्यों की शिक्षा दी जाए।

कार्यस्थलों पर भी व्यापक बदलाव जरूरी हैं। मातृत्व अवकाश, लचीली कार्य व्यवस्था, यौन उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्यवाही, और महिलाओं की पदोन्नति के लिए पारदर्शी और न्यायसंगत प्रणाली का निर्माण अनिवार्य है। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए सिर्फ आरक्षण पर्याप्त नहीं होगा। यह सुनिश्चित करना होगा कि आरक्षण सांकेतिक न रहे, बल्कि उसके माध्यम से वास्तविक और प्रभावी नेतृत्व उभर कर सामने आए। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण, संसाधन और एक सुरक्षित सार्वजनिक वातावरण प्रदान करना होगा। समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि महिलाओं का नेतृत्व महिलाओं के लिए नहीं, पूरे समाज के विकास के लिए जरूरी है। जिन क्षेत्रों में महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला है, वहाँ निर्णय प्रक्रिया अधिक समावेशी, दीर्घकालिक और मानवीय दृष्टिकोण वाली रही है।

महिलाओं की शिक्षा में हो रही प्रगति सराहनीय है, लेकिन यह तब तक अधूरी है जब तक वह नेतृत्व की ऊँचाइयों तक न पहुंचे। जब एक शिक्षित लड़की केवल एक नौकरी ही नहीं, बल्कि एक संस्था, एक आंदोलन, या एक नीति का नेतृत्व करती है, तभी हम कह सकते हैं कि शिक्षा ने अपना उद्देश्य पूरा किया है। समाज को यह स्वीकारना होगा कि नेतृत्व कोई जन्मगत विशेषाधिकार नहीं, अर्जित किया गया दायित्व है और जब तक महिलाओं को इस दायित्व को निभाने का पूरा अवसर नहीं मिलेगा, तब तक हम एक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील राष्ट्र नहीं बन सकते। अत: यह समय केवल आंकड़ों की तालिका सजाने का नहीं, उन आंकड़ों को जीने और बदलने का है। यह समय है कि हम लड़कियों की शिक्षा से आगे बढ़कर उन्हें नेतृत्व के मंच तक पहुँचाएं। क्योंकि जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो समाज भी आगे बढ़ता है।

- सोनम लववंशी

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। माँग की सुस्तता से बुधवार को किराना बाजार में शक्कर सुस्ती पर रही। कालीमिर्च में भी बाजार कमजोर ही रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में सामान्य कामकाज के बीच चना मजबूत बना रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में पूछपरख कमजोर रहने से भावों में नरमी का रूख रहा। कालीमिर्च में बाजार माँग के अभाव में ढ़ीले ही रहे। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में टिकाव बना रहा। दलहनों में कामकाज सामान्य ही रहा। चना पूर्वस्तर पर मजबूत रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4130, खोपरा गोला 255-285, खोपरा बूरा 4200-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारिक 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3450-3500, (200) 4000-4050, (250) 4000-4050

तेल- सींगदाना 1370-1390, मुम्बई 1410, राजकोट तेलिया 2210, सोया साल्वेंट 1125-1135, सोया रिफाइंड 1190-1195, कपास्या 1200, धूलिया 1210, कड़ी 1210,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1220,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4400, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5000-5100, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-6000, मूंग देशी 6600-6700, पाला 6700-6800, चमकी 7000-7100, नायलोन 7100-7200, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7500-8500, मीडियम 7400-7600, बेस्ट 7700-7800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8000, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य से कमजोर रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 104800, चाँदी (99) 104700, टंच 103800, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 98800,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 45 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.49 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 फीसदी की बढ़त के साथ 98.16 पर रहा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों के रिश्ते में एक नया मोड़ आएगा, जिसमें उन्हें थोड़ा समझदारी दिखाने की आवश्यकता है। जीवन साथी को किसी नई नौकरी की प्रप्ति हो सकती है। वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं काफी हद तक दूर होंगी। आप लेनदेन से संबंधित कामों पर पूरा ध्यान दें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए व्यवहार में बदलाव लाने के लिए रहेगा। आपके मनमाने व्यवहार से लोग परेशान रहेंगे, लेकिन कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे और आपके जूनियर भी आपका पूरा साथ देंगे और किसी काम को लेकर थोड़ा समझदारी दिखानी होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। माताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती हैं, जिससे आपको घबराने की आवश्यकता नहीं है। आप अपने भाई-बहनों से कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई-लिखाई में कोई बदलाव न करें। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपको टीम वर्क जरिए काम करके किसी काम को समय से पहले पूरा करके देंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए भौतिक सुख-साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके मन में काम को लेकर नए-नए आइडिया आएंगे, जिन्हें आप बिजनेस में तुरंत आगे बढ़ाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपको किसी को धन उधार देने से बचना होगा। बिजनेस में भी आपका कोई नुकसान हो सकता है। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आने से आपका मन परेशान रहेगा। आप संतान की संगति पर विशेष ध्यान दें।

सिंह- आज का दिन सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आध्यात्म के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी, लेकिन आपको किसी पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है। आपने यदि किसी से धन उधार लिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। यदि आप किसी पैतृक संपत्ति को लेकर लड़ाई झगड़ा चल रहा है, तो उसे आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद से निपटाने की आवश्यकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। जीवनसाथी से यदि कुछ मतभेद चल रहे थे, तो वह भी दूर होंगे। यदि विद्यार्थी अपनी पढ़ाई-लिखाई में कुछ समस्याओं को लेकर परेशान चल रहे हैं, तो आप बदलाव करने की सोच सकते हैं, जिसके लिए आपको गुरुजनों से सलाह की आवश्यकता होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको परिवार में बड़े सदस्यों की सेहत पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपके गलत खान-पान के कारण आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। आपको किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना होगा। आपके सुख-साधनों में वृद्धि होगी। आपकी कला-कौशल में सुधार आएगा। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको लाभ की योजनाओं पर पूरा ध्यान देना होगा। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले। नौकरी में यदि आप बदलाव करने की सोच रहे हैं, तो आपके वह इच्छा पूरी हो सकती है। आपको परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से काम करने का मौका मिलेगा। आपका कोई रुका हुआ काम समय से पूरा होगा, जो आपको खुशी देगा। आप यदि कहीं घूमने-फिरने जाएं, तो अपने कीमती सामानों की सुरक्षा अवश्य करें।

धनु- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपका धन यदि कहीं अटका हुआ था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ रोमांटिक मूड में रहेंगे और उन्हें कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं। आप अपने बिजनेस में कुछ नयी योजनाओं को लेकर बातचीत करेंगे। किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने घर और बाहर दोनों के कामों में तालमेल बनाकर चले, नहीं तो परिवार में सदस्य आपसे नाराज हो सकते हैं। आप अपने बिजनेस के कामों में कोई बदलाव बहुत ही सोच समझकर करें। कार्यक्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आप अपनी जरूरत की आवश्यकताओं के पूर्ति पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। परिवार में वरिष्ठ सदस्यों से बातचीत बहुत ही देखभाल कर करने की आवश्यकता है। आप किसी पर आंख बंद करके भरोसा ना करें, नहीं तो वह आपको धोखा दे सकता है। आप मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। आपकी सेहत में यदि गड़बड़ चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेने की आवश्यकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आने वाला है। आपको किसी काम को लेकर मानसिक तनाव बना रहेगा। यदि आपका कोई संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था, तो वह भी दूर हो सकता है। माता पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। कार्य क्षेत्र में आप काम को लेकर किसी से सलाह ना लें। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलने का मौका मिलेगा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। आज सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 138.64 अंक करीब (0.17 फीसदी) टूटकर 81,444.66 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 41.35 अंक तकरीबन (0.17फीसदी) नीचे आकर 24,812.05 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही बंद हुए, जबकि शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की केवल 14 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 36 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 4.44 फीसदी ऊपर आये जबकि टीसीएस के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.79 फीसदी गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में आज टाइटन के शेयर 1.99 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.24 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.12 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.63 फीसदी, एटरनल 0.47 फीसदी, भारती एयरटेल 0.47 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.35 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.29 फीसदी और एचडीएफसी बैंक के शेयर 0.22 फीसदी की बढ़कर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर

अडाणी पोर्ट्स के शेयर 1.55 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.35 फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.25 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.16 फीसदी, एनटीपीसी 0.85 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.77 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.73 फीसदी, एचसीएल टेक 0.64 फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.64 फीसदी, इंफोसिस 0.45 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.44फीसदी, टाटा स्टील 0.36 फीसदी, पावरग्रिड 0.33 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.33 फीसदी, आईटीसी 0.32 फीसदी, सनफार्मा 0.17 फीसदी, रिलायंस 0.10फीसदी, एसबीआई 0.06फीसदी गिरावट पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला पर शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी और पीएसयू बैंक सेक्टर में खरीदारी के चलते जल्द ही हरे निशान में आ गया। सुबह सेंसेक्स 160.49 अंक बढ़कर 81,743.79 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 57.40 अंक बढ़कर 24,910.80 पर कारोबार कर रहा था।

शब्दजाल - 7934

शब्दजाल में दस सफल अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

दि	हु	मे	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न	वि
ली	ख	शा	ह	रु	ख	खा	न	या	ड़	नो
प	पी	अ	हे	र	ग	बा	द	ह	प	द
कु	ग	ए	ज	जा	बा	बू	ल	ह	लि	ख
मा	र	रा	जा	य	ह	ला	कि	यो	रि	न्ना
र	इ	वि	मो	ग	दे	वा	शी	स	ति	श
न	रा	ल	रा	व	म	व	न	ल	क	क्ति
क	र	ज	र	य	र	ह	ग	मा	रो	रे
र	या	बा	कु	आ	मि	र	खा	न	श	ड्डी
र	ग	ल	न	मा	व	शि	का	री	न	ल
रा	जें	द्र	कु	मा	र	ले	स	सु	रा	ल

दिलीप कुमार, राजकुमार, राजेंद्र कुमार, विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान,आमिर खान, सलमान, अजय देवगन, रितिक रोशन

शब्दजाल - 7933 का हल

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बैं	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	व्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6878

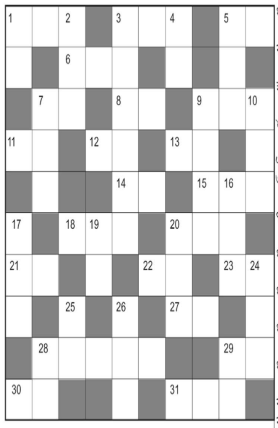

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिज़ूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6877

ख	दे	श	■	स	ड़	क	■	आ	ह
र्ग	■	ग	हु	ल	■	स	र	ग	म
■	बॉ	बी	■	मा	लि	क	■	■	जो
अ	क्स	■	डॉ	न	■	■	जं	ग	ली
ध	र	ती	■	खा	मो	शी	■	र्व	■
र्म	■	स	■	न	■	बा	जी	■	का
■	क	री	ना	■	प	■	त	ला	श
स	■	क	■	सू	र	ज	■	वा	■
प	ड़ो	स	न	■	वा	■	बा	रि	श
ने	■	म	■	गु	ना	ह	■	स	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8402

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8401 का हल

र	म	णी	य	■	ब	र	स	■
वा	म	■	की	■	ह	■	म	त
य	■	अ	न	ब	न	■	■	म
त	म	स	■	री	■	स	र	स
■	■	बा	ज	■	पा	रो	■	■
स	ली	ब	■	मी	■	व	ज	ह
ली	■	■	म	न	ह	र	■	रा
का	म	■	न	■	र	■	श	र
■	द	म	न	■	म	हा	व	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

19 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

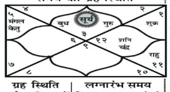

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	04.58 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.16 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.32 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	13.55 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.09 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.25 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.30 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.17 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	23.50 बजे से
		मेष	01.20 बजे से
		वृष	03.00 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 170 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 11.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 23.17 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 05.24 बजे तदनन्तर सौभाग्य 02.46 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 11.56 बजे तदनन्तर तैतिल 22.56 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872380 **जूलियन दिन** 2460845.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक		चर	07.11 से	08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक		रोग	08.43 से	10.15 बजे तक	
चर	10.19 से	11.47 बजे तक		काल	10.15 से	11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक	
काल	02.43 से	04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मन का पाप

एक साधु थे. जंगल में रहते थे. एक दिन घूमते हुए वह नदी के किनारे गये. बड़ा रमणीक स्थान था. चारों ओर प्रकृति की साम्राज्य फैला था. सघन वृक्षों पर पक्षी चहचहा रहे थे. संत ने देखा कि एकान्त स्थान पर एक पेड़ के नीचे एक युवक और युवती बैठे हैं. दोनों बड़े आनंदित थे. दोनों के हाथ में एक-एक गिलास था. संत ने सोचा कि इस निर्जन स्थान पर बैठकर ये लोग निश्चय ही मदिरापान कर रहे होंगे और गंदी बातें कर रहे होंगे. शराब पीकर आदमी का दिमाग फिर जाता है. वह बुरी बातें ही सोचता है, बुरे काम ही करता है. आदमी का कितना पतन हो गया है ! वह यह सब सोच ही रहे थे कि सामने से एक नाव आती दिखाई दी. नदी की धारा बड़ी तीव्र था. जोर की लहरें उठ रही थीं. अचानक नाव को लहरों का थपेड़ा लगा और वह उलट गई. संत के मुंह से जोर की चीख निकली. उनकी आंखें बंद हो गई. जैसे ही आंखें खुली कि देखते क्या हैं कि जिस युवक को उन्होंने पापी समझ रखा था, वही युवक छलांग लगाकर पानी में कूदा और पांच आदमियों को निकालकर बाहर ले आया. संत खड़े-खड़े देख रहे थे. युवक पास आकर बोला, ''महाराज, भगवान की कृपा से पांच आदमियों की तो जान बच गई. अब एक रह गया है. उसके प्राण आप बचा लीजिये.'' संत को तैरना नहीं आता था. वह कूदने की हिम्मत कैसे कर सकते थे? यह देखकर युवक ने कहा, ''स्वामीजि, इंसान के लिए इंसान से बढ़कर और कुछ नहीं है.'' इतना कहकर उसने एक छलांग फिर लगाई और अंतिम व्यक्ति को भी बचाकर बाहर ले आया. साधु का लज्जा से सिर झुक गया. जिसे वह पापी समझ रहे थे, उससे बढ़कर पुण्यात्मा उन्होंने अपने जीवन में नहीं देखा था.

सूडोकु नवताल- 7187

★★★ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7186 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

अब आधार अपडेट के लिए आधार सेंटर जाने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। अब आपको आधार अपडेट कराने कि लिए आधार सेंटर जाने की जरूरत नहीं होगी। यूआईडीएआई ने एक ऐसा नया सिस्टम बनाया है, जिससे लोग घर बैठे ही अपने आधार में मोबाइल नंबर, पता, नाम और जन्मतिथि जैसी जानकारी अपडेट कर सकेंगे। यूआईडीएआई ने एक ऐप तैयार किया है, जो क्यूआर कोड के जरिए पूरा आधार शेयर करने की सुविधा देगा। नवंबर 2025 तक आधार में एड्रेस अपडेट, डिटेल वेरिफिकेशन और बायोमेट्रिक अपडेट जैसे काम घर बैठे ही संभव हो सकेंगे। नई टेक्नोलॉजी के जरिए यह सिस्टम जन्म प्रमाण पत्र, मैट्रिक सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पेन, पीडीएस और मनरेगा जैसे डेटाबेस से पता और दूसरी जानकारी हासिल करेगा। इससे न केवल दस्तावेजों की जांच आसान होगी, बल्कि जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल भी रोका जा सकेगा। यूआईडीएआई बिजली बिल डेटाबेस को भी इस सिस्टम से जोड़ने की तैयारी कर रहा है, जिससे सिस्टम और भी सुलभ हो जाएगा। यह ऐप मोबाइल-टू-मोबाइल या ऐप-टू-ऐप आधार ट्रांसफर की सुविधा देगा। इससे होटल चेक-इन, ट्रेन यात्रा के दौरान पहचान सत्यापन और प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन जैसे मामलों में इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। ऐप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आधारधारक की सहमति के बिना डेटा शेयर नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा यूआईडीएआई बच्चों के बायोमेट्रिक अपडेट के लिए सीबीएसई और अन्य बोर्ड्स के साथ भी बातचीत कर रहा है। पांच से सात साल और फिर 15 से 17 साल की उम्र में बच्चों का बायोमेट्रिक डेटा अपडेट करना जरूरी होता है। इसके लिए यूआईडीएआई ने एक विशेष योजना भी तैयार की है, ताकि करीब 18 करोड़ बच्चों का अपडेट पूरा कराया जा सके।

बैंक में जमा पर मिलने वाले इंश्योरेंस कवर को बढ़ा सकता है केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार बैंक जमा पर मिलने वाले इंश्योरेंस कवर को बढ़ाने पर विचार कर रही है। बैंक डिपॉजिट पर पांच लाख रुपए तक का ही बीमा होता है, लेकिन वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक इस सीमा को जल्द बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में 'डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन' के तहत किसी भी बैंक के बंद होने या दिवालिया होने की स्थिति में जमाकर्ताओं को अधिकतम 5 लाख रुपए तक का बीमा कवर मिलता है। यह बीमा राशि एक व्यक्ति के सभी खातों पर कुल मिलाकर दी जाती है यानी यदि किसी व्यक्ति का बैंक में 10 लाख रुपये जमा है और बैंक बंद हो जाता है, तो उसे सिर्फ 5 लाख रुपये ही वापस मिलेंगे। यह बीमा कवर सीधे जमाकर्ता से प्रीमियम नहीं लेता, बल्कि बैंक ही इसका प्रीमियम चुकाते हैं। यह बीमा सिर्फ उन्हीं हालातों में लागू होता है जब बैंक पर मोरेटोरियम लग जाए या वह पूरी तरह से बंद कर दिया जाए। हाल ही में न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में सामने आई अनियमितताओं के बाद एक बार फिर यह मुद्दा चर्चा में है। इससे पहले भी पीएमसी बैंक, यस बैंक, और लक्ष्मी विलास बैंक जैसी संस्थाओं में वित्तीय संकट के चलते ग्राहकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। इन घटनाओं के मद्देनज़र, सरकार का मानना है कि बीमा सीमा बढ़ाने से लोगों का बैंकिंग सिस्टम पर भरोसा बढ़ेगा। साथ ही वे गारंटी की रकम तक पैसा जमा करने में संकोच नहीं करेंगे। इससे बचत में बढ़ोतरी होगी और बैंक ज्यादा कर्ज देने की स्थिति में होंगे। अगर कोई बैंक दिवालिया घोषित होता है या उस पर मोरेटोरियम लगाया जाता है, तो डीआईसीजीसी के नियमों के मुताबिक जमाकर्ताओं को 90 दिनों के भीतर बीमा राशि प्रदान की जाती है।

कालीमाटी नाले के पास डाला गया कचरा हटाया जाए

पार्षद दिनेश कचवाहे ने दी भूख हड़ताल की चेतावनी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। पिछले दस सालों में भारत में स्वच्छता को लेकर एक बड़ा अभियान चला। इस दौरान गांव-गांव में शौचालय बनाए गए और स्कूलों व सरकारी दफ्तरों में सफाई पर जोर दिया गया। अब इस मुहिम को लगभग 10 साल हो चुके हैं, लेकिन यह जानना जरूरी है कि इसका असर कितना हुआ है। इसका अंदाजा हम अपने आसपास की सफाई व्यवस्था देखकर लगा सकते हैं। अगर लांजी नगर परिषद की बात करें तो यहां की सफाई व्यवस्था सवालों के घेरे में है। नगर परिषद बने 15 साल हो गए किन्तु नगर परिषद अपने ट्रेंचिंग ग्राउंड (कचरा डंप करने की जगह) पर कचरा ना डालकर कभी स्कूल ग्राउंड में, कभी खेल मैदान के किनारे, गैस गोदाम के बाजू में, काशी नाले के किनारे, कालीमाटी नाले के किनारे कचरा खुले में डाला जा रहा है। इससे वहां गंदगी फैली हुई है और आसपास रहने वाले लोग काफी परेशान हैं। इससे साफ है कि कचरा प्रबंधन सही ढंग से नहीं हो पा रहा है।

ग्रामीणों को हो रही भारी दिक्कतें

ग्राम के लोगों द्वारा नगर परिषद द्वारा जहां कचरा डाला जा रहा है वही एकत्रित होकर मीडिया से चर्चा कर बताया कि लांजी नगर परिषद पूरे नगर का कचरा कालीमाटी ग्राम के पास डाल रही है। जिस कारण हमारे क्षेत्र में गंदगी का आलम बना हुआ है। हम लोगों को गंदगी बदबू से जूझना पड़ रहा है। नगर परिषद के कचरे के डंप से जलने से आसपास के रहवासी परेशान है। वहीं बारिश के आने के बाद उनकी परेशानी और बढ़ सकती है। ऐसे में वह बीमार हो सकते हैं। उक्त समस्या को लेकर वार्ड पार्षद दिनेश कचवाहे और किसानों के द्वारा लांजी नगर परिषद सीएमओ को ज्ञापन भी दिया जा चुका है लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है,जल्द समाधान नहीं किया जाता है तो ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

नगर परिषद लांजी का वेस्ट मैनेजमेंट का ये है तरीका

लांजी नगर मुख्यालय से करीब 3 किलोमीटर दूर कालीमाटी ग्राम से लगकर लांजी नगर परिषद का कचरा संग्रहण केंद्र है , जहां पर कचरा संग्रहण और निपटान पर सवाल उठ रहे है। सवाल ये है कि शासन एक तरफ सफाई के लिए अपनी पीठ थपथपा रहा है और दूसरी तरफ नगर परिषद लांजी में कचरा निष्पादन खुले में कर रहा है। इतना ही नहीं ये अंतर्राज्यीय सड़क लांजी से भिलाई जाने वाली सड़क के बिल्कुल किनारे है। ऐसे में खुले कचरे की बदबू से रहागीरो का हाल बेहाल हो जाता है।

समाधान नहीं किया गया तो नगर परिषद के सामने बैठ कर देंगे धरना

वार्ड पार्षद और किसानों द्वारा बताया गया कि भिलाई मार्ग एक मुख्य मार्ग है और भिलाई मार्ग पर लांजी तहसील अंतर्गत आने वाले सभी गांवों के सैकड़ों लोगों को प्रतिदिन किसी ना किसी काम से लांजी मुख्यालय आना पड़ता है परंतु कालीमाटी नाले के समीप नगर परिषद द्वारा जो कचरा डाला जा रहा है उस कारण से हम को आने जाने के लिए काफी संघर्ष के बाद गुजरना पड़ता है। वहां से हम को सांस लेने की तकलीफ होती है और गंदगी इतनी होने के कारण वहां से गुजरने का भी मन नहीं करता अगर नगर परिषद लांजी द्वारा जल्द से जल्द कचरा नहीं हटाया गया तो हमारे द्वारा नगर परिषद लांजी के सामने बैठकर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

इनका कहना है

नगर परिषद लांजी द्वारा विगत तीन-चार महीनो से कालीमाटी से लगा हु इलाका जो वार्ड क्रमांक 14- 15 के समीप है वह नगर का कचरा रोड के किनारे नाले से लगा कर डंप किया जा रहा है। 2-3साल पहले भी यहां कचरा फेका जाता था ,लेकिन ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन के बाद यह डंप करना बन्द कर दिया गया था । लेकिन अब पुनः नगर परिषद द्वारा यहां कचरा डाला जा रहा है जिससे रहवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात आने वाली नाले में जल भराव होता है जिससे कचरे में पड़े प्लास्टिक बैग, पॉलीथिन जो नष्ट नहीं होते वो सारी चीजें किसानों के खेत पर पहुंच जाती है जिससे किसानों की फसलों को भी नुकसान होता है। कचरा डंप से असहनीय दुर्गंध निकलती है जिससे राहगीर भी परेशान है। नगर परिषद की कचरा गाड़ी रोड से अन्दर नहीं जाती वह रोड के किनारे ही कचरा फेक कर चले जाती है जिससे पन्नियां किसानों के खेत में जा रही है। नगर परिषद द्वारा पिछले कई वर्षों से कचरा संग्रहण केंद्र का कार्य चालू जो आज तक पूर्ण नहीं हो पाया इस ओर में परिषद को ध्यान देना चाहिए। अगर इस समस्या का समाधान नहीं किया जात है तो हम किसानों के साथ मिलकर नगर परिषद के सामने भूख हड़ताल पर बैठ

नगर के विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर ने प्रारंभ किया धरना

कांग्रेसी पार्षद सौरभ मोनू पशीने ने भी किया समर्थन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर में नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी के निष्क्रीयता लगातार देखने को मिल रही है। जिसके चलते वार्ड न. 01 से वार्ड न. 15 तक साथ ही नगर के विकास निर्माण कार्य आज भी प्रारंभ नहीं हो पाए तथा बहुत से कार्यों की समय अवधि पूर्ण होने के बाद भी पूर्ण नही हो सके हैं। यह कहना नगर परिषद के उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर का है, और अब 9 सुत्रीय मांगों को लेकर वे नगर परिषद के सामने 18 जून से अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने बताया कि समय-समय पर लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत करया जा चुका हैं किन्तु नगर परिषद लांजी के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा ध्यान नही दिया गया हैं। 09 जून 2025 को पत्र लिखकर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी चाही गई थी किन्तु आज दिनांक तक नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं उपयंत्री के द्वारा जानकारी प्रदान नहीं की गई।

जनता के हित के मुद्दों को लेकर धरना

नगर और जनता के हित के मुद्दों को लेकर अनिश्चित कालीन धरने पर बैठा हूं। उन मुद्दों के साथ वार्डों के भी अनेक निर्माण कार्य और मुद्दे हैं जो कि लंबे समय तक निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, लेकिन निर्माण अवधी की समय सीमा समाप्त होने का बाद भी निर्माण कार्य पुरे नहीं हुए हैं। जिससे जनमानस को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसमें सालेटेकरी मार्ग में डिवाइडर का काम चल रहा है जो कि अब तक पूरे नहीं हुए हैं। मॉडल रोड के नाम पर भी काम शुरु किया गया परंतु काम अधुरा है। ठेकेदार के द्वारा काम अधुरा करके छोड़ दिया गया है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। इन्हीं विषयों को लेकर अनिश्चित कालीन धरने पर बैठा हूं।

संदीप रामटेक्कर
उपाध्यक्ष नगर परिषद

जनहित और जनसुविधा से बढ़कर कुछ भी नहीं

जिन 9 बिंदुओं को लेकर नगर परिषद के उपाध्यक्ष द्वारा धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। उन मांगों का मैं समर्थन करता हूं। उनका धरना प्रदर्शन वाजिब है। चूंकि वर्षा काल प्रारंभ हो चुका है और इस प्रकार से निर्माण की गति चल रही है नगर परिषद लांजी में वो धीमी है। निर्माण कार्य को लंबा समय हो चुका है और अधुरा है। निर्माण कार्य की गति बढ़नी चाहिए। नगर परिषद कि जिम्मेदार अधिकारी और जिम्मदार कर्मचारी से निवेदन करना चाहते हैं कि 4 दिन के भीतर निर्माण कार्यों में तेजी नहीं आई, सुधार नहीं आया तो एक बड़ा आंदोलन नगर परिषद के सामने हम पार्षदगण करेंगे, क्योंकि हम लोगों के लिए जनहित और जनसुविधा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। हम उनके हित के लिए अपने कार्यालय और वरिष्ठ कार्यालय में भी लड़ाई लड़ने तैयार हैं।

सौरभ मोनू पशीने
पार्षद

सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 साल बेमिसाल

विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी विधानसभा क्षेत्र में 18 जून को नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में भाजपा के सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 साल बेमिसाल विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद भारती पारधी, विधायक राजकुमार कर्राहे, जिला पंचायत दुलीचंद राजनीने,जनपद अध्यक्ष किरनापुर राणा कल्याण सिंह, नीलचंद हरिनखेडे, विजय मस्करे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष्ज्ञ लांजी आलोक चौरसिया, भानेगांव सीताराम रावते, भाडरा जीतेन्द्र बंबुरे, कारंजा योगेश कुर्राहे, बिसोनी देवेश ऐड़े, किरनापुर भीकू मातरे, पूर्व मण्डल अध्यक्ष सोहन उपराड़े, विजय खेरे, बारन बडघैया, सुशीला दुग्गड़, शिव दशरिया सहित सैकडे की सख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूवात भारत माता, डॉ श्यामा प्रचाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के छात्रा चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम को संचालित करते हुये सोहन उपराड़े ने विकसित भारत संकल्प सभा के बारे में तथा केन्द्र की भाजपा सरकार के 11 साल बेमिसाल को लेकर रूपरेखा रखी। कैसे भाजपा सरकार के द्वारा हितग्राही मूलक योजना के माध्यम से देश के प्रत्येक नागरिक को लाभ दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मंचासिन अतिथियो के द्वारा भाजपा सरकार के सुशासन को लेकर कार्यकर्ताओ को संबोधित किया। विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा भाजपा सुशासन के 11 साल बेमिसाल को लेकर कार्यकर्ताओ को संबोधित किया। आपने बताया कि हमारे यशस्वी प्र्धानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश मे नही अपितू पुरी दुनिया मे भारत का डंका बजा है। आज पुरी दुनिया भारत का लोहा मानती है। यह मोदी जी का कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही है। आपने बताया कि कैसे हमने देश एवं प्रदेश के हर वर्ग के लिये योजनाऐ बनाई है जिसका लाभ हितग्राहियों को मिल रहा है। आपने कार्यकर्ताओ से कहा कि आप इन योजनाओं के बारे में प्रत्येक घर मे जाकर बताये। आपने पिछले दिनों पंचमंढी मे हुये अभ्यास वर्ग को लेकर भी चर्चा की जहां हमे 45 मीनट के वर्ग मे क्या क्या पाठ पढाये गये है। उसी वर्ग में उन्होने बताया कि हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा कहा गया कि हमने जो भी चुनाव में घोषणाये की वह अवश्य पूर्ण करेंगे, थोड़ा समय जरूर लगता है लेकिन पूरी जरूरी होगी, हमने लाडली बहनो से वादा किया है उनके खातो में राशि बढकर आयेगी तो अवश्य आयेगी। इसी कड़ी में श्री कर्राहे ने प्रत्येक कार्यकर्ताओ से कहा कि आप लोग एक पेड़ माँ के नाम और एक पेड़ पिता के नाम का अवश्य लगाये। पर्यावरण की सुरक्षा करना भी हमारा धर्म और कर्तव्य है। विकसित भारत संकल्प सभा को संबोधित करते हुये सांसद भारती पारधी के द्वारा अनेको योजनाओ को लेकर कार्यकर्ताओ को संबोधित किया। आपने बताया कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसने संघर्ष देखा और सारे संघर्षो को पार कर आज देश सेवा मे अव्वल है। हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने भारत की दिश और दशा ही बदल दी है। हम जिसकी कल्पना नही कर सकते थे वही सपना मोदी जी साकार किया है। आज भापपा के इस सुशासन काल मे देश के हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। आपने कश्मीर में धारा 370 पर भी चर्चा की तो श्री राम की नगरी अयोध्या पर भी बात की। पूर्व हम कहते थे कसम राम की खाते है मंदीर वहीं बनायेगे तो विपक्ष कहता था तारीख नही बतायेंगे लेकिन ये मोदी का युग है हमने तारीख भी बताई और मंदिर भी वहीं बनाया। मै तो मानती हु की मोदी जी का अवश्य ही किसी दैव्य शक्ति प्राप्त है। उनका कुशल नेतृत्व,सशक्त मार्गदर्शन हर भारत वासी के लिये गर्व की बात है। आपने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी संबोधित किया कि सेना पहले भी थी और आज भी है लेकिन यह मोदी जी का यूग है हमने आंतकिस्तान में घुसकर मारा है। हमे हमारी तीनो सेनाओ पर गर्व है। और यह ऑपरेशन सिंदूर बदं नही हुआ है अब यदि कोई भी आंतकी हमला हुआ तो भारत उसे युद्ध ही समझेगा और दोबारा आंतकिस्तान को घुसकर मारेगा निस्तेनाबूत कर देगा। इसके अलावा आपने भाजपा सुशासन के 11 साल बेमिसाल को लकर भी कार्यकर्ताअे को संबोधित किया। वहीं कार्यकर्ताओ को कुछ आवश्यक जानकारी भी दी तथा कहा कि हम भाजपा के कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर ठीक तरह बात नही रख पाते आप लोगो को समझना होगा और भाजपा के सुशासन के हर बात जनता तक पंहुचानी होगी। कार्यक्रम के अंत में सांसद भारती पारधी के द्वारा सभी उपस्थित जनों को संकल्प शपथ भी दिलवाई, कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन बिसोनी मण्डल अध्यक्ष देवेश ऐडे के द्वारा किया गया।

वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता प्रवीण उमरे को दी श्रृद्धांजलि

कुछ ही दिनों पूर्व पालडोंगरी लांजी निवासी वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता प्रवीण,उमरे जी का निधन हुआ था जिनका 18 जून को तेरहवीं कार्यक्रम आयोजित था इसी कार्यक्रम में सांसद भारती पारधी, विधायक राजकुमार कर्राहे सहित सभी भाजपा कार्यकर्ता 18 जून उनके निवास पंहुचकर भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित की। श्री उमरेजी का जाना भाजपा के लिये अपूर्णिय क्षति है। आप सभी ने श्री उमरे जी को भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुये मृत आत्मा के शांति के लिये प्रार्थना की तथा परिवार जनो से भेंट कर सांत्वना दी।

सेवती-सिगोला मार्ग पर मुर्गी दाना लदा ट्रक पलटा, बड़ा हादसा टला

लांजी (पद्मेश न्यूज)। बीती रात एक बड़ी दुर्घटना उस समय टल गई जब मुर्गी दाना से भरा एक ट्रक लाडसा पुलिया के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। यह घटना सेवती से सिगोला मार्ग पर स्थित पुलिया के पास घटित हुई। देर रात करीब 1 बजे राजनांदगांव से मलाजखंड उकवा की ओर मुर्गी दाना लेकर जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। यह हादसा सेवती से सिगोला मार्ग पर स्थित लाडसा पुलिया के पास हुआ। बताया जा रहा है कि ट्रक का एक टायर अचानक फट गया, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया। हादसे में ट्रक के सामने के दोनों चक्के शाफ्ट सहित अलग हो गए। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 6941 है, जिसे आदिल खान चला रहे थे। ट्रक में कंडक्टर सोहेल खान भी मौजूद था। वाहन के मालिक फैजल कुरैशी, पलारी सिवनी निवासी का होना

लाडली बहना की तरह दिव्यांगजनो को दिव्यांग राशि प्रदान करें -दिनेश लाड़े

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के सभापति दिनेश लाड़े ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर शासन से मांग की है लाडली बहना के सामान्तर दिव्यांग जनो को दिव्यांग राशि प्रदान किया जाये। आपने बताया कि जहां हम दिव्यांग जनों को ईश्वर की सुन्दर प्रति होने की संज्ञा दी जाती है और उनकी सेवा को ईश्वर की सेवा का नाम दिया जाता है शब्दो में भाव झलकता है किन्तु पीड़ा केवल दिव्यांग के परिजनों के हिस्से में आती है। जब तक सर्व मानव समाज दिव्यांग के प्रति निश्चल मानवीय संवेदना ना हो तब तक वह खुद को असहाय ही समझेंगे। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के द्वारा दिव्यांग के हित में नीत नये आयाम एवं योजनाऐं बना रही है। जो नाकाफी है योजनाओ के स्वरूप मे दिव्यांगो के लिये समुचित आर्थिक दृष्टि कोण नही लागू किया गया तो उन्हे मुख्य धारा से हटा हुआ माना जायेगा साथ ही दिव्यांग जन खुद को उपेक्षित समझेंगे।

आपने शासन से मांग की है कि आज लाडली बहनाओं को 1250 रूपये प्रदान कर रहे इन्ही के सामांन्तरदिव्यांग जनो को भी पेंशन प्रदाय की जानी चाहिये जो कि वर्तमान मे मात्र 600 रूपये ही प्रदान की जा रही है। इसके विपरित देखा जाये तो लाडली बहना योजना मे 60 वर्ष तक की सशक्त महिला को इसका लाभ दिया जा रहा है जो शारीरिक रूप से सबल भी है किन्तु दिव्यांग जनो के साथ न्याय नही हो पा रहा है। लाडली बहना के समकक्ष यदि दिव्यांगो को पेंशन मिलती है तो निश्चित रूप से इनके परिजनों का आर्थिक बोझ से छूटकारा मिलेगा। बढी हुई पेंशन कही ना कही आर्थिक आक्सीजन का कार्य करेंगी।

तबादलों की मियाद पूरी... ट्रासफर में नहीं चली मंत्रियों की

भोपाल। मप्र में अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादलों की समय सीमा समाप्त हो गई। लेकिन आधे से अधिक मंत्री ऐसे हैं जिनकी अपने विभाग के अफसरों के आगे नहीं चल पाई है। यानी अफसरों ने अपने मन से तबादले किए हैं। इनमें से ज्यादातर वे मंत्री है, जो तबादला नीति आने के बाद कई दिन तक आवेदनों पर निर्णय नहीं ले पाए। इसकी कई वजह रहीं। 17 जून को तबादलों की अंतिम तारीख थी। इसी दिन कैबिनेट बैठक का मौका आया। ऐसे मंत्रियों को अपनी बात रखने का अवसर मिला। सूत्रों का कहना है कि दो मंत्रियों ने तो साफ-साफ कह दिया कि तबादलों में हमारी नहीं सुनी गई। अफसरों ने सारे ट्रांसफर किए हैं।

गौरतलब है कि प्रदेश में तकरीबन 4 साल बाद तबादलों पर से बैन हटा था। तबादलों के लिए सरकार ने मंत्रियों के कहने पर तारीख भी बढ़ा दी। लेकिन उसके बाद भी मंत्रियों की शिकायत है कि उनके विभाग में उनसे पूछे बिना अधिकारियों ने तबादले कर दिए। वहीं अधिकारियों-कर्मचारियों की शिकायत है कि नियमानुसार तबादले नहीं हुए हैं।

रिटायरमेंट वालों को पद के अनुसार वेतनमान

मंत्रिमंडल की बैठक में मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 को मंजूरी प्रदान की गई। इस निर्णय से प्रदेश के चार लाख शासकीय कर्मचारियों को लाभ होगा। नए नियमों के तहत दो लाख से अधिक पदों का सृजन किया जाएगा तथा अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्गों को उनका वांछित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा। नए नियमों में अनुसूचित जनजाति को 20 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति को 16 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है। साथ ही इन वर्गों के कर्मियों को मेरिट के आधार पर पदोन्नति का अवसर मिलेगा। कुल मिलाकर पदोन्नति के पद जिस दिन उपलब्ध होंगे, उसी दिन उपयुक्त योग्य एवं आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर भरे जा सकेंगे। इस तरह से लगभग 2 लाख नए पद निर्मित होंगे। इससे प्रशासन में सुधार एवं कार्यक्षमता बढ़ेगी। सूत्रों का कहना है कि बैठक के दौरान जब प्रमोशन में रिजर्वेशन वाला मुद्दा आया तो पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि जिन लोगों का रिटायरमेंट हो चुका है, वे पूछेंगे। वे कह सकते हैं कि उनका क्या कसूर है। उन्हें भी पदोन्नति मिलना चाहिए। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी यह बात रखी। इस पर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि जो लोग रिटायर हुए हैं, उन्हें पद जरूर नहीं मिला लेकिन उस पद का वेतनमान उन्हें मिलता रहा।

कई मंत्रियों की सिफारिश दरकिनार

वैसे तो कैबिनेट में दो मंत्रियों ने ही तबादलों में अपने अफसरों की मनमानी का जिक्र किया लेकिन कई विभागों में मंत्रियों की सिफारिशों को दरकिनार कर दिया गया है। एक मंत्री ने नाम नहीं देने की शर्त पर कहा कि कई विभागों में ऐसा हुआ, जब मंत्रियों की सिफारिशों को पूरी तरह तवज्जो नहीं मिली। गौरतलब है कि सरकार ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि विभागों और जिलों में मंत्री से सलाह-मशवरा करके अफसर तबादले करेंगे। लेकिन अधिकांश अफसरों ने अपने मन से ही तबादले कर दिए।

कैबिनेट में सामने आई मंत्रियों की बेबसी

4 साल बाद तबादलों पर से हटे बैन की मियाद 17 जून को पूरी तो हो गई, लेकिन अंतिम दिन मंत्रियों की बेबसी उस समय सामने आ गई, जब राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कैबिनेट बैठक में अपने महकमे के अफसरों की मनमानी का मसला उठाया। वर्मा ने कहा कि साहब बताइए, मेरे विभाग के ट्रांसफर प्रमुख सचिव ने कर दिए। हमने जो भी नाम बताए, उनमें से एक का भी काम नहीं हुआ। मैंने जब पूछा तो पीएस कहने लगे कि सब ऊपर से हो रहा है। यह तो हम लोगों के साथ अन्याय है। इसी दौरान तोमर भी बोल पड़े कि नया-नया कार्यकर्ता पार्टी में आया है। उनके काम थे। जो भी नाम अफसर को दिए, उन्होंने नहीं किए। पार्टी के मैदानी कार्यकर्ता हैं। काम नहीं हुए तो अब कांग्रेस के लोग उन्हें भड़का रहे हैं कि देखा, तुम्हारे काम नहीं हुए। बेइज्जती हो रही है। कैबिनेट बैठक में अचानक दो मंत्रियों के इस तरह बोलने पर मुख्यमंत्री ने उन्हें टोका। वर्मा को बीच में रोकते हुए सीएम ने कहा, आप तो मुझे जानते हैं, पहचानते हैं। कैबिनेट में इस विषय को क्यों उठा रहे हैं। मैं अलग से सारी बातें कर लेंगे। सीएम ने तोमर को भी कहा कि यहां यह विषय बोलने का नहीं हैं। यहां बता दें कि वर्मा के विभाग के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल हैं जो कैबिनेट बैठक में उस समय मौजूद नहीं थे। दूसरी तरफ तोमर के विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई हैं। राजस्व विभाग में राजस्व निरीक्षकों के साथ पटवारियों के बड़े पैमाने पर तबादले हुए। एक ही सूची में 503 पटवारी बदले गए। इस बीच कुछ मंत्रियों ने तबादले की तिथि पर भी बात की, लेकिन इस पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं हुई।

लोकसेवा पदोन्नति नियम 2025 का विरोध, कोर्ट जाने की तैयारी

-कर्मचारी संगठन बोले- विधि विभाग जैसी व्यवस्था हो

भोपाल। 9 साल से अटकी पदोन्नति (प्रमोशन) को लेकर मध्यप्रदेश सरकार से अधिकारी-कर्मचारी संगठन नाराज हैं। संगठनों ने संकेत दिए हैं कि वे सरकार के इस फैसले के विरोध में कोर्ट जा सकते हैं। सामान्य, पिछड़ा, अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था (स्पीक) ने सरकार के फैसले को सामान्य वर्ग विरोधी बताया है।

उन्होंने पदोन्नति नियमों को नई पैकिंग में पुरानी दवाई कहा है। वहीं, तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन ने फैसले पर असंतोष जताते हुए कहा है कि सरकार ने वही किया जो 2016 से पहले चल रहा था। हालांकि, आरक्षित वर्ग के संगठन अजाक्स ने इस फैसले का स्वागत किया है और कहा कि, इस व्यवस्था के चालू होने से सभी वर्गों को पदोन्नति का मौका मिलेगा।

नई पैकिंग में पुरानी दवा

मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक ने कहा कि नए नियमों में कुछ भी नया नहीं है। यह बस पुराने नियमों को नए तरीके से पेश किया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि पुरानी दवाई नई पैकिंग में कर दी गई है। उन्होंने बताया कि विवाद की मुख्य वजह यह थी कि आरक्षित वर्ग के लोग अनारक्षित पदों पर भी पदोन्नत हो रहे थे, जिससे उच्च पदों पर लगभग 100 प्रतिशत पद आरक्षित वर्ग के पास पहुंच गए थे। उदाहरण के तौर पर मंत्रालय में अपर सचिव के 65 पदों में से 58 पद आरक्षित वर्ग के लोगों के पास हैं। नायक का कहना है कि नए नियमों में पुरानी समस्या को जस का तस रखा गया है, जिससे फिर से कोर्ट केस होने की संभावना है।

2016 से पदोन्नति क्यों नहीं दी गई

नायक ने यह भी सवाल उठाया कि जब न कोर्ट और न ही सामान्य प्रशासन विभाग ने पदोन्नति पर रोक लगाई थी, तो फिर कर्मचारियों को नौ साल तक प्रमोशन से क्यों वंचित रखा गया? उनका कहना है कि करीब डेढ़ लाख कर्मचारी बिना पदोन्नति के रिटायर हो गए और एक लाख कर्मचारी ऐसे हैं जो दो प्रमोशन के हकदार थे। सरकार अगर चाहती तो 2016 से काल्पनिक पदोन्नति देकर नुकसान की भरपाई कर सकती थी।

विधि विभाग को प्रमोशन, बाकी को क्यों नहीं

नायक ने कहा कि विधि विभाग ने 2016 से पदोन्नति दी और वर्टिकल आरक्षण लागू किया, जबकि बाकी विभागों में ऐसा नहीं किया गया। यह स्पष्ट भेदभाव है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर विवाद से बचना है तो समयमान वेतनमान के साथ उच्च पदनाम देने की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, जैसा कि अन्य विभागों में हो रहा है।

तीसरे वर्ग के संगठन ने भी जताया असंतोष

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने कहा कि सरकार ने जो नए नियम बनाए हैं, उनसे कुछ फायदे हैं लेकिन आरक्षण की पुरानी व्यवस्था को फिर लागू किया गया है, जो पहले विवाद का कारण बनी थी। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति को 20 और अनुसूचित जाति को 16% आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। पदोन्नति नियम 2002 के पदोन्नति में आरक्षण के इसी नियम के विरोध में मामला उच्च न्यायालय में गया था। यह मामला उच्च न्यायालय में जाने के बाद उच्च न्यायालय के पदोन्नति में आरक्षण पर रोक लगा दी गई थी। 2016 से उच्चतम न्यायालय में मामला विचाराधीन है, अभी कोई फैसला नहीं आया है। इस कारण पिछले 9 साल में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य जाति के एक लाख से अधिक अधिकारी कर्मचारी सेवानिवृत्ति हो चुके हैं और फिर वही नियम लागू कर दिए जाएं तो कहीं न कहीं कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। नए पदोन्नति नियम में भी सरकार द्वारा 36 प्रतिशत पद आरक्षित रखे जाएंगे जो कि 2002 के नियम जैसा ही है, जिसको लेकर की विवाद था। पदोन्नति में आरक्षण न रखते हुए नौकरी में आते समय ही आरक्षण का लाभ दिया जाए ताकि सभी को सेवा में आने के बाद उसके कार्य एवं उसकी वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नतियां मिलें।

विधायक फूल सिंह बरैया का विवादित बयान

रानी लक्ष्मीबाई ने की थी आत्महत्या

भोपाल। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया का वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई को लेकर दिए विवादित बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भाजपा प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर ने एक्स पर पर बरैया का यह वीडियो पोस्ट किया है। वायरल वीडियो 03 अक्टूबर 2015 को कांशीराम साहब की पुण्यतिथि का बताया जा रहा है।

वर्तमान में कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया वीडियो में वीरांगना लक्ष्मीबाई की शहादत पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बरैया कह रहे हैं कि लक्ष्मीबाई अंग्रेजो से लड़कर शहीद नहीं हुई, उन्होंने झाँसी से ग्वालियर में आकर आत्महत्या की थी। वीडियो में बरैया बोले कि खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी है बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी है, सुनी ही है यह तो लिखी भी नहीं है ,क्यो सुनते हो तुम युद्ध का मैदान कहां था झांसी और मरी आत्महत्या करके ग्वालियर में। फूल सिंह बरैया वीडियो में आगे कहते हैं, वीरांगना उसी को कहते हैं जो युद्ध के मैदान में मरे,युद्ध का मैदान झांसी में था मरी थी लक्ष्मीबाई ग्वालियर में आत्महत्या करके, आत्महत्या करने वाले को वीरांगना कभी कहा? तो फिर हर रोज 10 लड़कियां आत्महत्या कर रही हैं उन्हें भी लिखो वीरांगनाएं। दिमाग से सोचिए आप लिखी हुई और सुनी हुई बातें।

भाजपा प्रदेश मंत्री ने वीडियो किया पोस्ट

भाजपा प्रदेश मंत्री लोकेंद्र पाराशर ने वीडियो के जरिए फूल सिंह बरैया के लिए लिखा कि 18 जून महारानी की पुण्यतिथि है, इस मौके पर मैं ऐसी काली जुबान की तीखे शब्दों में निंदा करता हूं। बता दें कि फूल सिंह बरैया वर्तमान में कांग्रेस के विधायक है।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने जातीय जनगणना को बताया लॉलीपॉप, बोले- प्रदेश सरकार गोदड़ी ओढ़ घी पीने वाली

भोपाल। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार बुधवार को खंडवा के सर्किट हाउस पहुंचे थे। जहां मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने केंद्र की जातीय जनगणना, प्रदेश सरकार के कामकाज सहित कई मुद्दों पर भाजपा सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने खंडवा में बीते दिनों प्रदेश की सबसे बड़ी बुलडोजर कार्रवाई को लेकर चर्चा करते हुए प्रदेश सरकार को तानाशाही और बुलडोजर की सरकार बताया।

मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने खंडवा के सर्किट हाउस में मीडिया से चर्चा के दौरान जातीय जनगणना को लेकर कहा कि, इसको लेकर राहुल गांधी ने पूरे देश में अलख जगाया था। इसके बाद सरकार को इस पर झुकना पड़ा और इस पर सरकार ने नोटिफिकेशन निकाला, लेकिन 2029 के चुनाव से पहले केंद्र सरकार को यह स्पष्ट करना होगा कि क्या चुनाव के पहले जातीय जनगणना होगी?

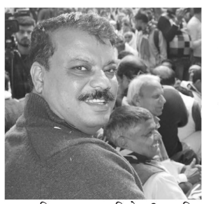

क्या महिला आरक्षण मिलेगा? या फिर क्या चुनाव के पहले परिसीमन होगा? क्योंकि हमें नहीं लगता कि चुनाव के पहले यह सब होगा, और केंद्र सरकार की कथनी और करनी में फर्क है। यह सब बिहार चुनाव को लेकर एक लॉलीपॉप है, यह सब लोकसभा चुनाव के पहले समय पर होना चाहिए।

घोटालों की जांच होनी चाहिए

उमंग सिंघार ने प्रदेश सरकार के कामकाज को लेकर कहा कि सीएम मोहन यादव मौन रहते हैं, और समस्या और विकास को लेकर बात ही नहीं करते। विधानसभा में भी यही देखने में आता है। लाडली बहना में 3000 की बात कर चुनाव जीते, लेकिन अब उसकी बात नहीं करते। मूंग के किसानों को कई जगह प्रदेश में प्रदर्शन करना पड़ा। सरकार ने 3100 में धान खरीदने की बात कही, लेकिन नहीं खरीदी। जल जंगल मिशन और जल जीवन मिशन की ये बात करते हैं, जिस पर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। उसमें इतना बड़ा घोटाला हुआ, लेकिन ये उसकी जांच नहीं करना चाहते। मंत्रियों के तुगलकी बयानबाजी पर कोई कार्रवाई नहीं होती। मंत्री गोविंद राजपूत को लेकर परिवहन घोटाले के कागज रजिस्ट्री और कई सबूत सामने आ गए, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। सरकार कुछ करना नहीं चाहती। वह तो केवल जनता के पैसों से गोदड़ी ओढ़ कर घी पीना चाहती है, विकास करना नहीं चाहती।

पीएम किसान के हितग्राहियों की मृत्यु उपरांत वारसान की बनाई जाएगी फॉर्मर आईडी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारत सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत प्रत्येक कृषि भूधारी की फॉर्मर आईडी बनाया जाना अनिवार्य है। चूँकि फॉर्मर आईडी होने पर ही जिले के पात्र हितग्राहियों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ अर्जित हो पायेगा। इस संबंध में भू अभिलेख आयुक्त श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव द्वारा समस्त जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि वे जिला अंतर्गत प्रत्येक पात्र हितग्राही की फॉर्मर आईडी का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए है कि जो पीएम किसान हितग्राही मृत हैं तो उनके वारिसान के नाम अद्यतन करने के उपरांत उनकी फार्मर आईडी बनाया जाना सुनिश्चित करवाये। आयुक्त श्रीमती श्रीवास्तव ने सभी जिला कलेक्टर्स से अपील की है कि वे पंजीकृत स्थानीय युवा के माध्यम से लक्ष्य अनुसार पंजीयन माह जून 2025 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिससे की विपरीत स्थिति निर्मित न होने पाए एवं हितग्राहियों को शासन की योजना का सहसा लाभ प्राप्त हो सकें।

जल संसाधन मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश

बांधों का निरीक्षण कर वर्षा पूर्व सुधार कार्य पूर्ण करें

भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि विभागीय अधिकारी वर्षा से पूर्व सभी बांधों का निरीक्षण करें एवं वर्षा से पहले ही आवश्यकतानुसार सुधार कार्य कर लिए जाएं। सभी बांधों के गेट्स का मेंटेनेंस कर उन्हें क्रियाशील स्थिति में रखा जाए। जल संसाधन मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में आगामी मानसून पूर्व तैयारियों एवं विभाग द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम की समीक्षा की गई।

प्रमुख अभियंता विनोद देवड़ा द्वारा वर्षा ऋतु से पूर्व बांधों की सुरक्षा और संभावित आपदा स्थितियों से निपटने संबंधी विभागीय योजना एवं विभाग द्वारा किए गए जल संरक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर 24 घंटे क्रियाशील किया जाए। निरीक्षण दल गठित कर नियमित मॉनीटरिंग हो और वर्षा काल के दौरान कोई भी अधिकारी बगैर सक्षम अधिकारी की अनुमति के मुख्यालय न छोड़े।

जल संसाधन मंत्री सिलावट ने निर्देश दिए कि वर्षा काल में जब भी डैम से पानी छोड़ने की स्थिति बने जिले के सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और

अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं को अग्रिम सूचना दे दी जाए। जिन स्थानों पर पानी छोड़ा जा रहा है वहां जन सामान्य को पर्याप्त समय पूर्व पानी छोड़ने की सूचना अनिवार्य रूप से दे दी जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि विभागीय मैन्युअल के अनुसार वर्षा पूर्व निरीक्षण प्रतिवेदन विभागीय पोर्टल पर दर्ज किए जाएं और भारत सरकार द्वारा लागू डैम सेफ्टी एक्ट के अंतर्गत चिन्हित राज्यों के बांधों से संबंधित प्रतिवेदन भी समय पर भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज किए जाएं। मंत्री सिलावट ने निर्देश दिए कि विभाग द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम को आगामी 14 दिनों में पूर्ण गति से क्रियान्वित किया जाए और कार्यक्रम की समाप्ति के 3 दिवस पश्चात विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। सिलावट ने निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और वर्षा पूर्व अधिकतम कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पेंच टाइगर रिजर्व में 12 दिन और चलेगी सफारी

-1 जुलाई से 3 महीने तक कोर एरिया बंद, बफर जोन में कैंपिंग और ट्रेकिंग की सुविधा होगी

भोपाल। पेंच टाइगर रिजर्व घूमने की सोच रहे पर्यटकों के पास अब सिर्फ 12 दिन का समय बचा है। 30 जून के बाद यहां का कोर क्षेत्र मानसून के कारण तीन महीने के लिए बंद कर दिया जाएगा। हर साल की तरह इस बार भी जुलाई, अगस्त और सितंबर में कोर एरिया में जंगल सफारी पर रोक रहेगी। पेंच टाइगर रिजर्व में इस साल बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। वर्ष 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, यहां 1,71,686 भारतीय और 13,127 विदेशी पर्यटक जंगल सफारी का आनंद लेने आए। ये अब तक का एक रिकॉर्ड है। हालांकि, कोर क्षेत्र बंद होने के बाद भी पर्यटकों के लिए पूरी तरह से रास्ते बंद नहीं होंगे। पर्यटक मानसून सत्र में भी रूखड़ बफर जोन में जंगल की खूबसूरती का अनुभव ले सकते हैं। यहां नलनेर कैंपिंग साइट पर रात्रि विश्राम की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा 16 किलोमीटर लंबे जंगल ट्रेकिंग रूट पर सैर का आनंद लिया जा सकेगा।

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग मानसून के दौरान पर्यटन को जारी रखने के लिए विशेष योजनाएं बना रहा है। इनमें साइकिलिंग, हाफ मैराथन जैसे आयोजन शामिल होंगे, जिनसे स्थानीय लोगों और रिसॉर्ट संचालकों को रोजगार भी मिलेगा। पेंच टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह के मुताबिक, कोर एरिया बंद होने के बाद भी जंगल की सुरक्षा में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। वन विभाग का अमला सघन गश्त करेगा और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। फिलहाल, जंगल सफारी पर जाने वाले पर्यटकों को जुगनी नाम की बाघिन और उसके शावकों के दर्शन हो रहे हैं, जो कोर क्षेत्र का मुख्य आकर्षण हैं। वहीं, बफर जोन में रूखड़ में बाजीराव नाम का नर बाघ और खवासा तेलिया बफर में काले तेंदुए के दर्शन भी पर्यटकों को खूब लुभा रहे हैं। जिन लोगों ने अभी तक पेंच की सैर नहीं की है, उनके लिए सफारी का आनंद लेने का यह आखिरी मौका है। कोर एरिया 30 जून के बाद बंद हो जाएगा और फिर यह अक्टूबर में खुलेगा। वन विभाग और पर्यटन विभाग की कोशिश है कि इस मानसून में भी पेंच की ओर पर्यटकों का आकर्षण बना रहे।

अग्निवीर भर्ती के लिए 30 जून से लिखित परीक्षा

भोपाल। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए 30 जून से लिखित परीक्षा प्रारंभ होने जा रही है। प्रदेश के ग्वालियर सहित दस जिलों के 32 हजार 708 अभ्यर्थियों के लिए ग्वालियर और सागर में पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसमें से ग्वालियर में तीन परीक्षा केंद्र हैं। हर दिन चार पालियों में परीक्षा होगी। अग्निवीर (क्लर्क) और स्टोर कीपर के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा के साथ टाइपिंग टेस्ट भी देना होगा।

ग्वालियर स्थित सेना भर्ती कार्यालय के अंतर्गत ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़, सागर, छतरपुर के अभ्यर्थी आते हैं। इस बार लिखित परीक्षा में इन दस जिलों से 32 हजार 708 अभ्यर्थी ऑनलाइन लिखित परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। 30 जून से 10 जुलाई तक 12 दिन चलने वाली लिखित परीक्षा के लिए ग्वालियर में चितौरा रोड स्थित भारतीय विद्या मंदिर, सिकरोदा स्थित मालवा इंस्टीट्यूट आफ फार्मेसी, दर्पण कालोनी स्थित भारतीय विद्या मंदिर को परीक्षाकेंद्र बनाया गया है।

15 मिनट का टाइपिंग टेस्ट

परीक्षाकेंद्रों पर उपलब्ध संसाधनों और अभ्यर्थियों की सुविधा को देखते हुए चार पालियों में परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। अग्निवीर जनरल ड्यूटी के अलावा क्लर्क और स्टोरकीपर के अभ्यर्थियों के लिए 15 मिनट का टाइपिंग टेस्ट होगा।

अब मैदान होगा तैयार

शिवपुरी में अग्निवीर भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षा आयोजित होनी है। इसके लिए सेना के अधिकारियों को लिखित अनुमति का इंतजार था, जो सोमवार को शिवपुरी कलेक्टर द्वारा जारी कर दी गई। अब सेना के अधिकारी तैयारी में जुट गए हैं। शिवपुरी में शारीरिक परीक्षा के लिए मैदान तैयार किया जाएगा। इसके लिए, इसी सप्ताह सेना के अधिकारियों द्वारा यहां भ्रमण किया जाएगा।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी बोले

लाड़ली बहना को 3 हजार नहीं मिलने पर कोर्ट जाएगी कांग्रेस

भोपाल। मप्र में लाड़ली बहना योजना पर एक बार फिर सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस ने लाडली बहनों को 3 हजार रुपये नहीं मिलने पर कोर्ट जाने की बात कही है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि अभी बहनों के 1800 रुपये हर महीने चोरी हो रहे हैं। 20 लाख बहनों के नाम काट दिए गए है। वहीं इस पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार किया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि लाडली बहना योजना से 20 लाख बहनों के नाम काट दिए गए। 2023 से योजना में पंजीयन नहीं हो रहा है। योजना का लाभ लेने के लिए 25 से 30 लाख नई बहने तैयार हैं। सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के नाम पर 60 से 70 हजार करोड़ साल का कर्ज लिया जा रहा है।

बहनों को न्याय दिलाने न्यायालय जाएगी कांग्रेस

पीसीसी चीफ ने कहा कि कर्ज लेकर साल का 16000 करोड़ का वितरण बहनों में किया जा रहा है। लेकिन, 50 हजार करोड़ से ज्यादा का पैसा दूसरे मद में ये अपराध है। कांग्रेस पार्टी बहनों को न्याय दिलाने न्यायालय जाएगी। हम अपना राजनीतिक दायित्व निभाएंगे। जो घोषणाएं की और वो पूरी नहीं की, वो एक राजनीतिक अपराध है।

बीजेपी ने किया पलटवार

इस पर बीजेपी ने पलटवार किया है। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि कांग्रेस विवाद पैदा कर योजना बंद करना चाहते है। मध्य प्रदेश की सरकार ने लाडली बहनाओं की राशि बढ़ाई है। 1500 अब उनके खाते में अगले महीने से आएंगे लेकिन कांग्रेस को कोर्ट जाना है, वो चले जाए यह वही पार्टी है जो योजना बंद करना चाहते है। बैगा सहरिया को हमने पैसा देने की योजना शुरू की थी कांग्रेस ने इस योजना को बंद कर दिया।

भाई दूज से हर माह मिलेंगे 1500 रुपये- सारंग

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की इस चरित्र को सब ने देखा है। सरकार ने लाडली बहन योजना के साथ-साथ लाडली लक्ष्मी योजना को भी चलाया है, कांग्रेस भला हमें किस बात का पाठ पढ़ाती है। भाजपा सरकार ने जो कहा है वो किया है, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बहनों के लिये घोषणा की है। लाडली बहनों को राखी पर 250 रुपये अतिरिक्त मिलेंगे।

यशस्वी, ऋषभ सहित कई भारतीय खिलाड़ियों के पास इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में रिकार्ड बनाने का अवसर

लंदन । भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरु हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम के कई बल्लेबाजों के पास रिकार्ड बनाने का अवसर रहेगा। इस सीरीज में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अपने 2,000 टेस्ट रन पूरे कर सकते हैं, इसके लिए उन्हें 202 रन की जरुरत है। जिन्होंने 19 टेस्ट मैचों में 52.88 की औसत से 1,798 रन बनाए हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 65 से अधिक है। उन्होंने 4 शतक और 10 अर्द्धशतक बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214 रहा है। इसके साथ ही वह 3,000 अंतरराष्ट्रीय रनों से 464 रन दूर हैं। 43 अंतरराष्ट्रीय मैचों और 59 पारियों में यशस्वी ने 46.10 की औसत से 2,536 रन बनाए हैं, जिसमें पांच शतक और 15 अर्द्धशतक शामिल हैं।

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 3,000 रन परे कर सकते हैं। वह इससे केवल 52 रन पीछे हैं। अब तक 43 टेस्ट मैचों में पंत ने 75 पारियों में 42.11 की औसत से 2,948 रन बनाए हैं, जिसमें 73.62 का आश्चर्यजनक स्ट्राइक रेट है। उन्होंने छह शतक बनाए हैं, जिनमें से दो इंग्लैंड में और 15 अर्द्धशतक, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 159 रहा है।

वहीं टीम में सबसे अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल 9,000 अंतरराष्ट्रीय रनों से 435 रन दूर हैं। सभी प्रारूपों में बेहतरीन फॉर्म दिखाने और प्रशंसकों के पसंदीदा बनने के आत्मविश्वास और इरादे को फिर से हासिल करने के बाद राहुल का लक्ष्य इंग्लैंड में करियर और बेहतर बनाना होगा। उन्होंने अपने एकमात्र अभ्यास मैच में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 116 और 51 के स्कोर के साथ लय में होने के संकेत दिये हैं। 215 अंतरराष्ट्रीय मैचों और 248 पारियों में केएल ने 39.10 की औसत से 8,565 रन बनाए हैं। उन्होंने कुल 17 शतक और 57 अर्द्धशतक बनाए हैं, जिसमें 199 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा 7,000 अंतरराष्ट्रीय रनों से सिर्फ 309 रन दूर हैं। 358 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 296 पारियों में 32.32 की औसत से 6,691 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और 35 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 है। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 200 अंतरराष्ट्रीय विकेटों से 15 विकेट दूर हैं, जिन्होंने 96 मैचों में 28.28 की औसत और 6/15 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ 185 विकेट लिए हैं।

एक पृथ्वी, स्वस्थ संसार – संत निरंकारी मिशन द्वारा अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस पर देशव्यापी आयोजन

दिल्ली। संत निरंकारी मिशन द्वारा 'अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर शनिवार, 21 जून 2025 को प्रात: 6:00 बजे भारतवर्ष के 1000 से अधिक स्थानों पर एक साथ 'योग दिवस' का भव्य आयोजन किया जाएगा। मिशन की विभिन्न शाखाओं में यह आयोजन स्थानीय योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खुले मैदानों एवं पार्कों में किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु, सेवादल स्वयंसेवक एवं स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित 'अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस' का विषय – 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है जो सम्पूर्ण मानवता को यह संदेश देता है कि व्यक्ति का वास्तविक स्वास्थ्य तभी पूर्ण माना जाता है जब वह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक रूप से संतुलित और जागरूक हो। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए संत निरंकारी मिशन अपने आध्यात्मिक और सामाजिक प्रयासों के अंतर्गत योग को समग्र कल्याण

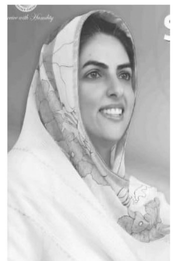

का माध्यम मानते हुए निरंतर प्रयासरत है।

संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा जी ने जानकारी दी कि वर्ष 2015 से ही संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा 'योग दिवस' का नियमित रूप से देशव्यापी आयोजन किया जा रहा है। यह पहल सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से निरंतर विस्तारित हो रही है, जिनका मार्गदर्शन रहा है 卐स्वस्थ मन, सहज जीवन।" उनके विचारों में यह स्पष्ट है कि मानव शरीर ईश्वर की एक अनुपम देन है जिसे स्वस्थ और सशक्त बनाकर ही मानव अपने आध्यात्मिक और सामाजिक कर्तव्यों का सम्यक रूप से निर्वहन कर सकता है।

योग भारत की एक प्राचीनतम विद्या है, जो न केवल शरीर को सबल बनाती है बल्कि मन को शांत और आत्मा को जागृत करने की क्षमता भी रखती है। इसके नियमित अभ्यास से तनाव, असंतुलन और रोगों से बचाव करते हुए व्यक्ति आत्मिक शांति और सामाजिक सौहार्द की दिशा में अग्रसर होता है।

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में ऐसे आयोजनों का मूल उद्देश्य यही है कि हम स्वयं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और एक सुखद, संतुलित एवं शांतिपूर्ण जीवन जीने की ओर बढ़ें।

कटंगी में आयोजित ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। संचनालय खेल एवं कल्याण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंड में जिला प्रशासन एवं जिला खेल अधिकारी के मार्गदर्शन में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें बालाघाट जिला खेल अधिकारी कृष्ण कुमार चौरसिया के मार्गदर्शन में विकासखंड कटंगी में ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर 1 मई से आयोजित किया गया था जिसका समापन बुधवार को किया गया ।इस दौरान शासकीय सीएम राइज स्कूल कटंगी में कराटे खिलाड़ियों को कन्या माध्यमिक के प्रधान पाठक एम ,एल,भलावी द्वारा ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन के दौरान प्रशिक्षिका उर्वशी चौधरी सहायक प्रशिक्षक अनस खान शामिल रहे तथा तिरोड़ी दुर्गा चौक फुटबॉल ग्राउंड में तिरोड़ी के सरपंच फिरोज खान के द्वारा खेल विभाग से प्राप्त प्रमाण पत्र ट्रैकसूट युवा समन्वयक संतोष पारधी के माध्यम से खिलाड़ी तथा प्रशिक्षक जितेंद्र अहिरवार को प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विद्यार्थी शासन के किसी लाभ से वंछित न रहें, प्राचार्यो को सुनिश्चित करना आवश्यक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने जनजाति क्षेत्रों में संचालित शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यो को मार्गदर्शन के लिए बुधवार को बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने परिणामों के लिए बेहतर कार्य करने के सम्बंध में बेहतर करने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य व उन्हें शासन से मिलने वाली अनेक सुविधाओं के लिए विशेष रूप से जिम्मेदारी सौंपी है। कलेक्टर श्री मीना ने विद्यार्थियों के प्रवेश के सम्बंध में कहा कि प्रवेश नियमानुसार किये जायें। इसके साथ स्वास्थ्य जांच के बाद उनकी स्वास्थ्य रिपोर्ट की जानकारी हर प्राचार्य को होना आवश्यक है। वहीं नेशनल छात्रवर्तित पोर्टल पर सभी दस्तावेजों की एंट्री की जिम्मेदारी भी प्राचार्यो की होगी, किसी भी तरह से वो शासन के लाभ से वंछित न हो, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। बैठक में सहायक आयुक्त राहुल नायक सहित मंडल संयोजक जोगेंद्र वासनिक, बीसन सिंह बिलखरे व सुश्री रीनल उइके उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश नियमानुसार किया जाए

कलेक्टर श्री मीना ने स्कूल प्राचार्यो से कहा कि शासन द्वारा सांदीपनि स्कूलों में प्रवेश के लिए जो जो नियम निर्धारित किये है। उन सब का पालन आवश्यक रूप से किया जाए। सांदीपनि विधालयों के अलावा अन्य विद्यालयों में वेटिंग ज्यादा हो तो सहायक आयुक्त जिला स्तर से निगरानी के साथ निर्णय करेंगे। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने कक्षा 10वी और 12वी में शत प्रतिशत परिणाम देने वाली संस्थाओं के प्राचार्यो को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

सुरक्षा के साथ प्लांटेशन और अंतिम स्कूलों तक होगा योग

कलेक्टर श्री मीना ने सभी प्राचार्यो को सुरक्षा के साथ प्लांटेशन करने की जिम्मेदारी दी है। साथ ही कहा कि पौधे बड़े करने की जिम्मेदारी भी स्कूल की होगी। कलेक्टर श्री मीना ने प्राचार्यो से कहा कि जिले के सभी स्कूलों में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाना है। सभी स्कूलों में आयोजन करें, चाहे वो स्कूल घने जंगल मे क्यो न हो संकुल प्रभारी की जिम्मेदारी होगी।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला न्यायाधीश प्राणेष कुमार प्राण के कुशल मार्गदर्शन में बुधवार को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय में विधिक साक्षरता और जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य छात्राओं को विभिन्न विधिक प्रावधानों और उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना था। न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सतीश शर्मा ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के बारे में जानकारी दी जिसमें बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा और उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवा योजना 2015 शामिल है। उन्होंने मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों और विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। श्री शर्मा ने मध्यस्थता योजना और भारतीय संविधान में उल्लेखित मूल अधिकार और मूल कर्तव्य के संबंध में भी जानकारी दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने साइबर अपराधों से बचाव,भारतीय न्याय संहिता, लीगल एड डिफेंस काउंसिल योजना,लोक अदालत और पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने गुड टच और बैड टच के बारे में भी जानकारी दी और छात्राओं को इनसे बचने के तरीके बताए।श्री धुर्वे ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और घरेलू हिंसा अधिनियम के बारे में भी जानकारी प्रदान की। इस शिविर में प्राचार्य मनोज जैन, शिक्षक शिक्षिकाएं व अन्य छात्राएं उपस्थित रही।

15 हजार रोजगार देने वाले इन्वेस्टमेंट पर कार्य योजना बनना प्रारम्भ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट की उपजाऊ भूमि पर कुछ विशेष महंगे व मांग के अनुसार अत्यंत उपयोगी मेवों के उत्पादन के बेहतर आसार को देखते हुए इन्वेस्टर्स भी आकर्षित हुए है। इस अवसर को प्रशासन ने भुनाने के प्रयास प्रारम्भ कर दिए है। बुधवार को कलेक्टर मृणाल मीना ने कृषि उत्पादन की महत्वपूर्ण तीसरे चरण की बैठक में कृषि और उद्यानिकी विभाग को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने निर्देश दिए है कि काजू, चिरौंजी,राजगिरा(रामदाना) चिंनोर और आमचूर के उत्पादन, किसानों की संख्या रकबा और प्रशासनिक प्रयासों की जानकारी बनाने के निर्देश दिए है। हालांकि उद्यानिकी विभाग को 2 सप्ताह पहले इस तरह की जानकारी तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। उद्यानिकी विभाग उपसंचालक क्षितिज कराड़े द्वारा पर्याप्त जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई। अब इसमें कृषि विभाग को भी जोड़ते हुए खांका तैयार करने के निर्देश दिए है। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने जिले में कोदो कुटकी के साथ ही अरहर का उत्पादन बढ़ाने के सम्बंध में कृषि विभाग से प्लान तैयार करने को कहा है। साथ ही उर्वरक की उपलब्धता तथा वितरण के लिए प्लानिंग के साथ वितरण कराने के निर्देश दिए है। बैठक में जिपं सीईओ अभिषेक सराफ, कृषि उपसंचालक फूलचंद मालवीय, राजेश कुमार खोबरागड़े व अन्य कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

उद्यानिकी व कृषि विभाग मिलकर स्प्रिंकलर को देंगे बढ़ावा

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने कृषि और उद्यानिकी विभाग को परसवाड़ा, बिरसा और बैहर क्षेत्र के किसानों को स्प्रिंकलर योजना से जोड़ने तथा प्रोत्साहन देने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कृषि उत्पादन की असीम सम्भावनाये है, इसके लिए किसानों को स्प्रिंकलर की योजना के सम्बंध में सूचनाएं जानकारी दे। ताकि किसान इन अतिआवश्यक योजनाओँ का लाभ ले सकें। साथ ही मिट्टी परीक्षण पर विभाग का फोकस बढ़ाने तथा किसानों को मिट्टी जांच रिपोर्ट प्रदाय करने के निर्देश दिए है। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, कृषि उपसंचालक फूलचंद मालवीय,जिला मत्स्य अधिकारी श्रीमती पूजा रोडगे,आत्मा परियोजना संचालक अर्चना डोंगरे व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

एफआरए पट्टाधारियों की समस्या का निर्धारण आपसी समन्वय से करना होगा सुनिश्चित

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक के दौरान कृषि विभाग से एफआरए पट्टाधारियों की अपडेट जानकारी प्राप्त की। डीडीए एग्रीकल्चर द्वारा बताया गया कि जिले में 6392 कृषकों के एफआरए के साथ ही 4978 कृषकों के केसीसी तैयार कर लिए गए है। कलेक्टर श्री मीना ने प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने नामांतरण के इसु को लेकर फारेस्ट व डीडीए एग्रीकल्चर के साथ ही ट्राइबल को समन्वय स्थापित कर नामांतरण की समस्या को क्लियर करने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने कृषि विभाग को विशेष रूप से निर्देश दिए कि जिले में जितने भी कृषि पट्टेधारी है उन्हें पीएम किसान सम्मान व केसीसी से जोडने के निर्देश दिए है।

जिले में सुपर सीडर की संख्या बढ़ानी होगी

किसानों की लागत कम करने के लिए सुपर सीडर और हैप्पी सीडर उपयोग किया जाता है। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक के दौरान जिले में सुपर सीडर/हैप्पी सीडर की अपडेट जानकारी कृषि विभाग से प्राप्त की। जिसमे बताया गया कि जिले में 14 ही हैप्पी सीडर उपलब्ध है। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि जिले में धान का रकबा अधिक है। ऐसे में 14 हैप्पी सीडर सीमित पर्याप्त नही है। उन्होंने सहायक कृषि अभियांत्रिकी को निर्देशित किया सुपर सीडर में प्रगति लाना अनिवार्य है।

सीएचसी कस्टम हायरिंग सेंटर की संख्या में लानी होगी प्रगति

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना द्वारा नरवाई प्रबंधन की उपलब्धता को लेकर अपडेट जानकारी ली गई। कृषि उपसंचालक श्री खोबरागड़े ने बताया कि जिले में 40 कस्टम हायरिंग सेंटर है। कलेक्टर श्री मीना ने हायरिंग सेंटर की संख्या में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्हें कहा कि जो इनएक्टिव है उन्हें भी एक्टिव करवाये। वहीं जिनके पंजीयन बाकि है उनके भी शीघ्र पंजीयन करवाना सुनिश्चित करे।

फॉर्म वाइस प्रोडक्टिविटी की देनी होगी अपडेट रिपोर्ट

कलेक्टर श्री मीना ने शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों की उत्पादकता को लेकर जिले की उत्पादकता को लेकर विभाग से अपडेट जानकारी प्राप्त की। चूँकि जिले में धान की उत्पादकता बेहतर होने के बावजूद भी जिले की प्रगति कम है। इसके लिए उन्होंने कृषि विभाग से फॉर्म वाइस प्रोडक्टिविटी की डिटेल जानकारी मांगी हैं। साथ ही निर्देशित किया गया कि विभाग को टारगेट के साथ प्रोडक्टिविटी में तेजी से प्रगति लाना होगा।

एमपी फॉर्मगेट एप्प में पंजीयन कम, मंडी सचिव ने बताई वजह

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने मंडी सचिव से एमपी फॉर्मगेट एप्प में पंजीयन की अपडेट जानकारी मांगी। मंडी सचिव ने बताया कि प्रदेश में दो मंडियों बालाघाट एवं लश्कर को डिजिटल मंडी निर्धारित किया गया है। साथ ही जिले की सातों मंडियों को ई मंडी घोषित किया गया है। मंडी सचिव ने बताया कि एमपी फॉर्मगेट एप्प में अब तक कुल 3625 पंजीयन किये गए है। वहीं खैरलांजी में पंजीयन शून्य है। कलेक्टर श्री मीना द्वारा वजह पूछने पर मंडी सचिव ने जानकारी दी कि वारासिवनी के नजदीक होने तथा राइस मिलो की अधिकता होने की वजह से यहाँ पंजीयन की स्थिति शून्य है। कलेक्टर श्री मीना ने ऐसी स्थिति में मंडी को बंद करने का प्रस्ताव तैयार करने के मंडी सचिव को निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने ई मंडी में भी जिले की प्रगति कम पाए जाने पर शीघ्र ही प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए है।

जिले में कोदो कुटकी की खरीदी व सप्लाई को बढ़ाना होगा

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने जिले में कोदो व कुटकी की खरीदी एवं सप्लाई की भी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि अधिकतर बालाघाट जिले में कोदो कुटकी की खरीदी व सप्लाई अन्य राज्य से होती है। जिसे नियंत्रण में रखकर अपने ही जिले में इसकी प्रगति में बढ़ावा देना निर्धारित करना होगा।

शिक्षा के नए सत्र से नई प्लानिंग के साथ क्रियान्वित होंगे होस्टल्स

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शिक्षा का नवीन सत्र 16 जून से प्रारम्भ हुआ है। इस सत्र से जनजाति कार्य विभाग अंतर्गत संचालित हो रहें, सभी होस्टल्स का संचालन नई प्लॉनिंग से किया जाएगा। इसके लिए बुधवार को कलेक्टर मृणाल मीना ने जनजाति कार्य विभाग अंतर्गत समस्त छात्रवास अधीक्षकों के साथ बैठक की। उन्होंने मुख्य रूप से जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी तरह लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। होस्टल्स में पालक होकर कार्य करना है। मुख्य रूप से बच्चों के भोजन की चिंता रखें, हालांकि इसके लिए जिला स्तर से अलग तरह से निगरानी की जाएगी। मैन्यू का हर हाल में पालन करते हुए चारो समय ब्रेकफास्ट, लंच, शाम के नाश्ते और रात के भोजन के अलग-अलग फोटो शेयर करने होंगे। कलेक्टर श्री मीना ने सहायक आयुक्त श्री राहुल नायक को छात्रवासों के समुचित रूप से क्रियान्वयन के लिए फ्री हैंड करते हुए कहा कि कही भी लापरवाही पर वेतन और सस्पेंशन की कार्यवाही करें, लेकिन क्रियान्वयन से छात्रों को लाभ होना चाहिए।

सेफ्टी रिलेटेड मसलों पर ज्यादा फोकस करना होगा

कलेक्टर श्री मीना ने सभी होस्टल्स के अधीक्षकों से कहा कि छात्रवासों में सुरक्षा का एक बड़ा क्षेत्र है। किसी भी समय गैर हाजिर रहना ठीक नही होगा। भोजन के साथ ही बिजली, पानी, खेल कूद और स्वास्थ्य जैसे कई मसले है। जिन पर निगरानी बहुत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने सहायक आयुक्त श्री नायक को नही इसकी जवाबदेही के लिए निर्देशित किया है। सहायक आयुक्त श्री नायक ने अधीक्षकों से कहा कि होस्टल्स में मेहमान बनकर न जाये, पालक के रूप में जिम्मेदारी ले। शिक्षावर्तित हर दिन दर्ज दर्ज करना होगा, इसमे कोताही नही बरती जाए। हर काम में पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित की जानी है, इसका प्राथमिकता से ध्यान रखा जाए। इस बैठक में मण्डल संयोजक श्री जोगेंद्र वासनिक, श्री बीसन सिंह बिलखरे व सुश्री रीनल उइके उपस्थित रहे।

आज मनाया जाएगा विश्व सिकल सेल दिवस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । 19 जून विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर शहीद भगतसिंह शासकीय जिला चिकित्सालय परिसर में सुबह 10.30 बजे से सिकल सेल जांच, स्क्रीनिंग एवं दवा वितरण स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। सीएमएचओ कार्यालय से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव तथा उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन संचालित किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग, जांच, प्रबंधन,काउंसलिंग एवं रोकथाम हेतु कार्ययोजना का संचालन किया जा रहा है।

जिले में विधि महाविद्यालय प्रारंभ

बालाघाट(पदमेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट प्राचार्य द्वारा बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन के दिशा निर्देशों के अनुपालन में सत्र 2025-26 से शासकीय विधि महाविद्यालय, बालाघाट के अन्तर्गत एल.एल.बी में प्रवेश कार्य संचालित है। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट द्वारा संकाय के आधार पर सत्र 2024-25 तक की मान्यता बार काउंसिल ऑफ इंडिया से प्राप्त की गई है। नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता से प्राप्त नहीं हुई हैं। शासकीय विधि महाविद्यालय, बालाघाट हेतु बीसीआई से मान्यता एवं शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट से शासकीय विधि महाविद्यालय, बालाघाट नाम परिवर्तन सम्बंधित कार्य बीसीआई में प्रकियाधीन है। शैक्षणिक सत्र के लिये बीसीआई से मान्यता प्राप्त करना एक सामान्य नियमित प्रकिया हैं जिसे प्रति वर्ष बीसीआई से प्राप्त करना होता है। वर्तमान में शासकीय विधि महाविद्यालय, बालाघाट का भवन निर्माणाधीन है एवं भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने तक शासकीय विधि महाविद्यालय, बालाघाट की समस्त कक्षायें प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में संचालित होगी ।छात्रहित को ध्यान में रखते हुये नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु सीट 80 से बढ़ाकर 120 की गई है। जिन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से एलएलबी प्रवेश को लेकर भ्रमित ना होने एवं समस्या की स्थिति में महाविद्यालय में आकर विधि सम्बंधित प्राध्यापक / शैक्षणिक स्टॉफ से सम्पर्क कर अपनी समस्या का निराकरण करने की बात कही है।

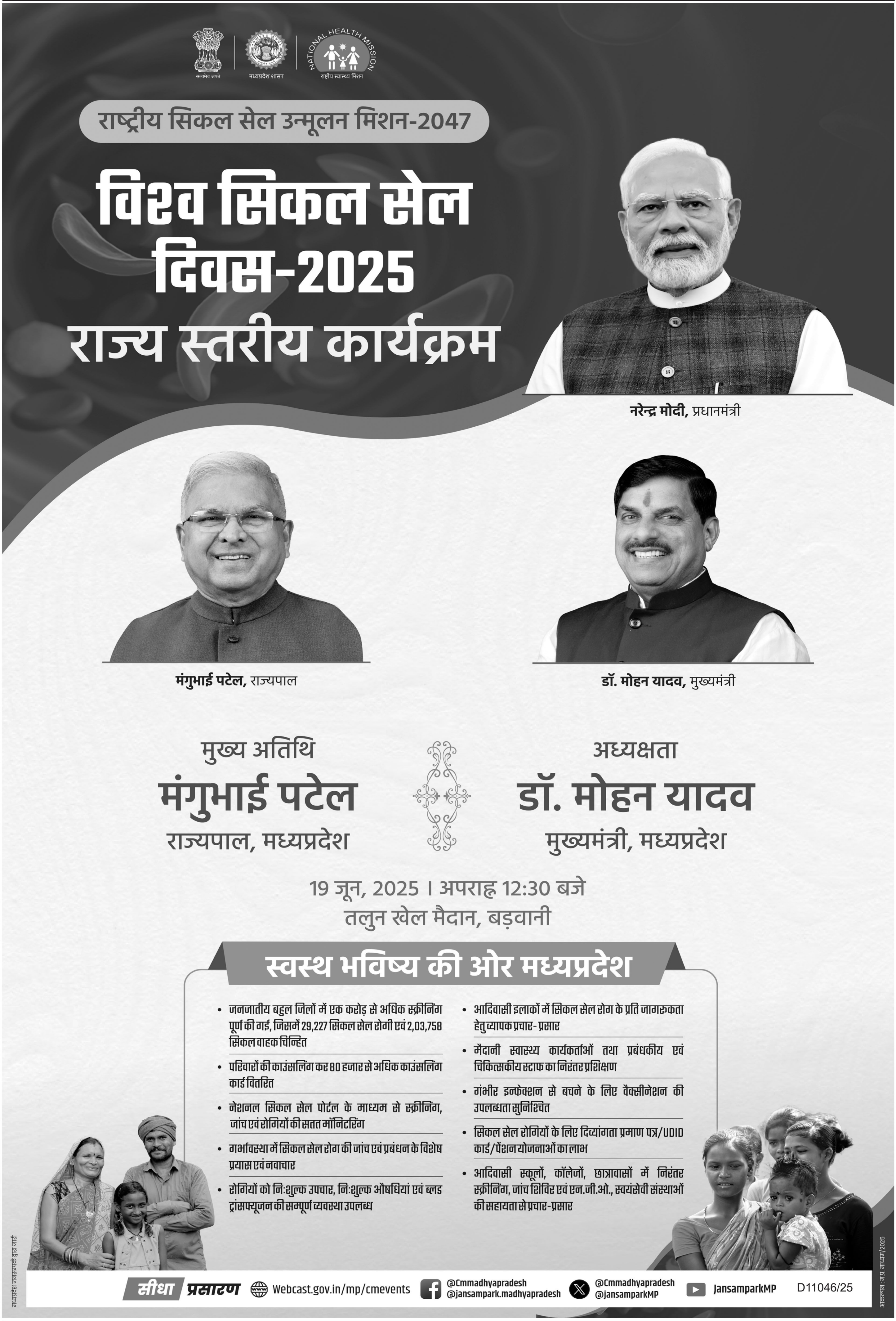
सत्यमेव जयते
मध्यप्रदेश शासन
NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047
विश्व सिकल सेल दिवस-2025
राज्य स्तरीय कार्यक्रम
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
मंगुभाई पटेल, राज्यपाल
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मुख्य अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
19 जून, 2025 I अपराह्न 12:30 बजे
तलुन खेल मैदान, बड़वानी
स्वस्थ भविष्य की ओर मध्यप्रदेश
• जनजातीय बहुल जिलों में एक करोड़ से अधिक स्क्रीनिंग पूर्ण की गई, जिसमें 29,227 सिकल सेल रोगी एवं 2,03,758 सिकल वाहक चिन्हित
• परिवारों की काउंसलिंग कर 80 हजार से अधिक काउंसलिंग कार्ड वितरित
• नेशनल सिकल सेल पोर्टल के माध्यम से स्क्रीनिंग, जांच एवं रोगियों की सतत मॉनिटरिंग
• गर्भावस्था में सिकल सेल रोग की जांच एवं प्रबंधन के विशेष प्रयास एवं नवाचार
• रोगियों को निःशुल्क उपचार, निःशुल्क औषधियां एवं ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सम्पूर्ण व्यवस्था उपलब्ध
• आदिवासी इलाकों में सिकल सेल रोग के प्रति जागरुकता हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार
• मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा प्रबंधकीय एवं चिकित्सकीय स्टाफ का निरंतर प्रशिक्षण
• गंभीर इन्फेक्शन से बचने के लिए वैक्सीनेशन की उपलब्धता सुनिश्चित
• सिकल सेल रोगियों के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र/UDID कार्ड/पेंशन योजनाओं का लाभ
• आदिवासी स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों में निरंतर स्क्रीनिंग, जांच शिविर एवं एन.जी.ओ., स्वयंसेवी संस्थाओं की सहायता से प्रचार-प्रसार
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D11046/25
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सत्ता पक्ष के ही पार्षदों की नहीं हुई सुनवाई, तो परिषद की बैठक से निकले बाहर

विपक्ष के स्थान पर सत्ता पक्ष के पार्षदों ने ही उठाई शहर की समस्या, नपा अध्यक्ष का बहुमत हो रहा कम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका द्वारा आयोजित की गई परिषद की बैठक शुरू होते ही हंगामे में बदल गई। इस बार विपक्ष के पार्षद नही बल्कि सत्ता पक्ष के ही पार्षद अपने ही पक्ष के बैठे जनप्रतिनिधियों को बीते दिनों जारी किये गये बजट को लेकर सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया गया। उन्होंने बताया कि जो बजट जारी किया गया है , उसमें अनेको खामियां हैं। जो बजट लाया गया है वह सही नहीं है । कई विषय तो बजट में हास्य पद भी लग रहे हैं। जिसमें नगर पालिका द्वारा सीधे-सीधे बजट को 3 से 4 गुना बीते वर्ष की तुलना में बढ़ा दिया गया है। जो की सही नहीं है, उन्होंने वीडियो ग्राफी, कंप्यूटर रिपेयर, सहित कई ऐसे विषय का जगर किया जिसमें नगर पालिका द्वारा बीते वर्ष की तुलना में इन कार्यों के खर्च को 10 लाख रुपए बजट में जोड़ा जाता था, तो अब सीधे-सीधे इनकी राशि को 3 से 4 गुना बढ़ा दी गयी है । वही नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा जल्द से जल्द परिषद की बैठक में नए प्रस्ताव पर चर्चा करने की बात कही गई, तो सत्ता पक्ष के ही चार पार्षदों द्वारा पहले पुराने परिषद की बैठक में पास किये गये प्रस्ताव पर कितना काम हुआ है, चर्चा करने की बात कही गई किंतु नगर पालिका अध्यक्ष ने सीधे इन सब विषय पर चर्चा के लिए मना कर दिया और कहा कि परिषद के पूरे एजेंडे खत्म होने के बाद ही अन्य विषय पर चर्चा होगी । जिसको लेकर सत्ता पक्ष के पार्षद नाराज हो गए और वह परिषद की बैठक से उठकर बाहर निकल गए ।

आपको बता दे की बीते कुछ दिनों से नगर पालिका की परिषद की बैठक के दौरान विपक्ष की भूमिका पक्ष के ही कुछ पार्षद निभाते नजर आ रहे हैं । जहां पहले विपक्ष जोरो से शहर विकास के मुद्दों को लेकर गरजा करता था वहां अब सत्ता पक्ष के ही कुछ पार्षद वार्डों की समस्या को लेकर अपनी बात परिषद की बैठक में रख रहे हैं । बीते दिनों जारी किए गए बजट सहित नगर पालिका में होने वाली वाहन खरीदी और अनावश्यक शहर विकास की निधियों पर नजर बनाए हुए हैं और आमजन के द्वारा दिए जाने वाले टैक्स का हिसाब रख रहे हैं । ऐसा ही नजारा 18 जून को परिषद की बैठक में देखने को मिला । यहां सात प्रस्ताव को लेकर नगर पालिका की परिषद की बैठक आयोजित की गई थी, जहां 6 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गए । लेकिन सत्ता पक्ष के ही पार्षद और नगर पालिका अध्यक्ष के एक विषय को लेकर सहमति नहीं बनने पर सत्ता पक्ष के चार पार्षद परिषद की बैठक को छोड़कर बाहर चले गए। जिसमें पार्षद, सुधीर चिले, सरिता सोनेकर, श्वेता जैन और राज हरिनखेड़े थे । जिन्होंने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष अपनी मनमानी कर रही थी इस वजह से वह परिषद की बैठक को छोड़कर बाहर आ गए। जबकि चारों पार्षद पुराने परिषद की बैठक के प्रस्ताव पर पहले चर्चा करना चाह रहे थे। जबकि नगर पालिका अध्यक्ष का कहना था कि पहले आज लाये गये नये प्रस्ताव पर चर्चा होगी उसके बाद ही अन्य विषय को लेकर चर्चा की जाएगी। इसी बात को लेकर नाराज होकर सत्ता पक्ष के पार्षद बाहर आ गए।

इस वर्ष का बजट को तीन गुना बढ़ा दिया गया है - श्वेता जैन

सत्ता पक्ष की पार्षद श्वेता जैन द्वारा परिषद की बैठक शुरू होते ही सबसे पहले पूर्व में जारी किए गए तीन अरब के बजट को लेकर सवाल उठाए गए और पूछा गया कि आखिर कैसे इस वर्ष जारी किए गए बजट में बीते वर्ष की तुलना में किसी भी कार्य की राशि को दो से तीन गुना या चौगुना क्यों बढ़ाया गया है । जबकि देखा जाए तो जिस कार्य के लिए बीते वर्ष के बजट में 10 लाख था तो वह कार्य इस वर्ष के बजट में तीन गुना बढ़ा दिया गया है। ऐसा क्यों किया गया है जबकि देखा जाए तो आज नगर पालिका में कर्मचारियों की तीन-तीन महीने से वेतन नहीं हो रही है और नगर पालिका तीन अरब का बजट पेश कर रही है। इसी विषय को लेकर उन्होंने सबसे पहले नगर पालिका अध्यक्ष को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया । उसके बाद परिषद छोड़कर बाहर आने पर श्वेता जैन ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में बताया कि शहर में जल भराव , नाले नालियों की समस्या , सड़के आज भी जैसी की वैसी है इन पर कोई काम नहीं हो रहा है और सिर्फ नगर पालिका अपना बजट ही बढ़ा रही है । इन्हीं विषय को लेकर वह सबसे पहले चर्चा करना परिषद की बैठक में चाह रहे थे । किंतु उन्होंने अध्यक्ष पर आरोप लगाया कि अध्यक्ष द्वारा उन्हें इन सब बातों पर चर्चा करने से पहले मना कर दिया गया और पहले नये प्रस्ताव पर चर्चा करने की बात कही गयी , जबकि वह चाह रहे थे कि पहले पुराने प्रस्ताव पर चर्चा हो , उसके बाद नए प्रस्ताव पर चर्चा की जाए । वह चाह रहे थे कि पुराने प्रस्ताव पर कितना काम हुआ है। वह पहले सबके सामने आना चाहिए ,उन्होंने कहा कि वह परिषद का विरोध नहीं कर रहे हैं। वह अपनी वार्ड की समस्या की बात सबसे पहले परिषद में रखना चाह रहे थे । और जब उस बात की सुनवाई परिषद में नहीं हो रही है इसलिए वह बाहर आ गए।

दु:ख का विषय है, बैठक से उठकर बाहर आना पड़ा - राज हरिनखेडे

वार्ड क्रमांक 32 के पार्षद राज हरिनखेडे द्वारा बताया गया कि आज बहुत ही दु:ख का विषय है कि सत्ता पक्ष के ही पार्षद, परिषद की बैठक से उठकर बाहर आना पड़ रहा है और आज सत्ता पक्ष के ही पार्षदों की बात नहीं सुनी जा रही है, उन्होंने कहा कि आज नगर पालिका अध्यक्ष नगर पालिका में अध्यक्ष के पद पर बैठी है, वह पार्टी के निर्देश और उनके मत से बैठी है । आज वह उनकी बातों को नहीं सुन रही है, जबकि उनके वार्ड में बहुत अधिक समस्याएं हैं । वह एक वरिष्ठ पार्षद है और परिषद की बैठक के बाद बहुत कम ही चर्चा का विषय मिलता है, इसलिए वह सबसे पहले वार्ड की समस्या हेतु चर्चा करना चाह रहे थे।

परिषद की गरिमा को देखते हुए उठकर बाहर निकल गए - सरिता सोनेकर

पार्षद सरिता सोनेकर ने बताया कि वह नए प्रस्ताव से पहले पुराने पास किए हुए प्रस्ताव को लेकर चर्चा करना चाह रहे थे, क्योंकि पुराने प्रस्ताव के कितने काम हुए हैं और कितने नहीं हुये । इसी बात को वह जानना चाह रहे थे । लेकिन अध्यक्ष द्वारा पुराने विषय को पहले चर्चा करने से मना कर दिया गया । नगर पालिका अध्यक्ष एकदम से भड़क गई और उन्होंने कहा कि मुझे जो करना है मैं वही करुंगी। उसके बाद वह परिषद की गरिमा को देखते हुए वहां से उठकर बाहर निकल गए।

अध्यक्ष द्वारा पुराने विषय पर चर्चा करने से मना कर दिया गया - सुधीर चिले

पार्षद सुधीर चिले द्वारा बताया गया कि पुराने कुछ प्रस्ताव को परिषद में पास करवाकर जन भागीदारी के कार्यों को दूसरी योजना से करवाए जाते हैं । इसी को लेकर वह पहले चर्चा करना चाह रहे थे। लेकिन अध्यक्ष द्वारा पुराने विषय पर चर्चा करने से मना कर दिया गया । इसी विषय को लेकर वह परिषद की बैठक से बाहर आ गए। उन्होंने बताया कि पिछली परिषद की बैठक में जब उन्होंने पूरे प्रस्ताव खत्म होने के बाद चर्चा करनी चाही थी तो समय हो गया बोल कर उनकी बातों को दबा दिया गया था । इसलिए वह इस बार पहले चर्चा करना चाह रहे थे।

बैठक में गूंजे यह मुद्दे

परिषद की बैठक के दौरान नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे द्वारा आवारा कुत्तों को लेकर परिषद की बैठक में बात रखी गई। विधायक प्रतिनिधि शफखत खान ने गुजरी बाजार को व्यवस्थित करने राजस्व विभाग के अधिकारियों से जानकारी मांगी। वार्ड क्रमांक 10 की पार्षद द्वारा अपनी बात पर बैठक में हसने को लेकर सवाल खड़े किए गए कहा कि जब भी वह अपने वार्ड के मुद्दे परिषद की बैठक में रखती हैं तो उनकी बातों को परिषद में गम्भीरता से नही लिया जाता है। जो कि गलत है । जबकि उनके वार्ड में बहुत से काम कई दिनों से पेंडिंग है। जल भराव की बड़ी समस्या उनके वार्ड में लगी हुई है । किंतु कोई भी उनकी सुनवाई नहीं कर रहा है । पार्षद आशुतोष द्वारा भी वार्ड में रोड तोड़े जाने का मुद्दा उठाया गया पर कहा गया कि रोड को पाइपलाइन बिछाने के लिए काटा जा रहा है जो कि गलत है। ऐसे कई मुद्दे अलग-अलग सत्ता पक्ष के पार्षदों और विपक्ष के पार्षदों द्वारा उठाए गए। सांसद प्रतिनिधि सुशील वर्मा ने भी सांसद के सुझाव को परिषद की बैठक में रखा और कहा कि आज खेलों के मैदान की चिंता करनी होगी , साथ ही अन्य मुद्दे को गंभीरता से लेने नगर पालिका पर प्रश्न खड़े किये गये ।

नपा अध्यक्ष का बहुमत हो रहा कम

जिस प्रकार से परिषद की बैठक शुरू हुई , वैसे ही सत्ता पक्ष के ही पार्षद सत्ता पक्ष के द्वारा ही जारी किए गए बजट को लेकर सवाल खड़े कर दिए गये । जबकि विपक्ष के पार्षद पहले परिषद की बैठक में सत्ता पक्ष के पदाधिकारी पर सवाल खड़े करते थे। किंतु इस बार न केवल पक्ष के पार्षदों ने नगर पालिका अध्यक्ष पर सवार खड़े किए। बल्कि उनकी बात नहीं सुने जाने पर उन्होंने परिषद की बैठक से भी अपने आप को अलग करते हुए परिषद की बैठक से उठ कर वह बाहर चले गए । जिसको देखकर हर कोई दबे मुह परिषद की बैठक में सत्ता पक्ष के पार्षदों के इस प्रकार के रवैया और बीते दिनों से चल रही सत्ता पक्ष के पार्षदों की आपसी तनातनी को देखते हुए, यही कह रहा था कि आज कहीं ना कहीं नगर पालिका अध्यक्ष का बहुमत धीरे-धीरे कम होता नजर आ रहा है।

मोटरसाइकिल स्कूटी से टकराकर हुई अनियंत्रित

स्कूटी सवार पति-पत्नी और मोटरसाइकिल चालक हुए घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर रोड भरवेलीमें अवंती बाई चौक के पास मोटरसाइकिल स्कूटी को ठोस मारकर अनियंत्रित हो गई। इस दुर्घटना में स्कूटी में सवार पति-पत्नी एवं मोटरसाइकिल में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया तीनों घायल जिनमे अनिल पिता सुंदरलाल कुंभलवार 26 वर्ष वार्ड नंबर 17 भरवेलीऔर उनकी पत्नी वैशाली पति अनिल कुंभलवार 21 वर्ष के अलावा मोटरसाइकिल चालक जीतलाल पिता गणेश मरठे 35 वर्ष हीरापुर भरवेली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीत लाल मरठे प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं। 18 जून की शाम 6:00 बजे करीब जीतलाल मरठे मोटरसाइकिल में बालाघाट से अपने गांव हीरापुर जा रहे थे और अनिल कुंभलवार अपनी पत्नी वैशाली कुंभलवार के साथ स्कूटी में भरवेली से बालाघाट की ओर आ रहे थे तभी भरवेली में अवंती बाई चौक में जीत लाल मरठे की मोटरसाइकिल स्कूटी से टकराकर अनियंत्रित हो गई। इस दुर्घटना में स्कूटी में सवार अनिल कुंभलवार और उनकी पत्नी वैशाली कुंभलवार तथा मोटरसाइकिल सवार जीत लाल मरठे घायल हो गए। तीनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले अनिल कुंभलवार और जीत लाल मरठे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक गुरुवार को दोपहर 2 बजे से जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वर की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभागृह में आयोजित की गई है। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट